नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दन्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 179 | नई दिल्ली, सोमवार 26 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | प्रियंका की राह चलने वाली हैं परिणीति ← पेज-12

एक नजर

राजनाथ ने अमेरिका के नौसेना वारफेयर सेंटर का दौरा किया

नई दिल्ली। अमेरिका की यात्रा पर गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को मेम्फिस, टेनेसी में नेवल सर्फेस वारफेयर सेंटर में विलियम बी मॉर्गन लार्ज कैविटेशन चैनल (एलसीसी) का दौरा किया। एलसीसी पनडुब्बियों, टॉरपीडो, नौसैनिक जहाजों और प्रोपेलर के परीक्षण के लिए दुनिया की सबसे बड़ी और तकनीकी रूप से सबसे उन्नत जल सुरंग सुविधा में से एक है। रक्षा मंत्री को सुविधा के बारे में जानकारी दी गई और उन्होंने एक वास्तविक सुरंग प्रयोग भी देखा। श्री सिंह के साथ अमेरिका में भारत के राजदूत, भारतीय नौसेना के महानिदेशक संचालन और डीआरडीओ रक्षा प्रौद्योगिकी के अधिकारियों सहित अन्य लोग मौजूद थे। अमेरिकी नौसेना के उप अवर सचिव ने उनका स्वागत किया और कमांडर तथा तकनीकी निदेशक ने उन्हें जानकारी दी। इस चर्चा का उद्देश्य भारत में स्वदेशी डिजाइन और विकास के लिए समान सुविधा की स्थापना के लिए मौजूदा प्रस्ताव पर विचार करना भी है।

सरकार की पेंशन से जुड़ी यूपीएस योजना विपक्ष के दबाव का परिणाम : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकारी कर्मचारियों के लिए लाई गई नई पेंशन योजना को विपक्ष की ताकत का नतीजा बताया है। खरगे ने कहा कि यूपीएस में यू का अर्थ यू टर्न है। उन्होंने कहा कि 4 जून के बाद प्रधानमंत्री की सत्ता के अहंकार पर जनता की ताकत हावी हो गई है। इसके बाद से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन/इंडेक्सेशन के संबंध में बजट में रोलबैक हुआ। वक्फ बिल को जेपीसी को भेजा गया, ब्रॉडकास्ट बिल और लेटरल एंट्री को रोलबैक किया गया। विपक्ष जवाबदेही सुनिश्चित करता रहेगा और 140 करोड़ भारतीयों को इस निरंकुश सरकार से बचाता रहेगा।

देश में जाति जनगणना कराया जाय: चिराग पासवान

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने देश में जाति जनगणना कराये जाने पर बल देते हुए कहा कि इससे योजना बनाने में केंद्र और राज्य सरकार को सहूलियत होगी।

श्री पासवान ने आज यहां कहा कि केंद्र, राज्य के स्तर से कमजोर, वंचित वर्ग के लाभ के लिए योजनाएं बनायी जाती है। उनकी पार्टी चाहती है कि देश में जातीय जनगणना हो।इससे सरकार के पास वंचितों, कमजोरों के वास्तविक आंकड़े सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि आंकड़े सार्वजनिक करने की जरूरत नहीं है लेकिन सरकार के पास इसके आंकड़े होने चाहिए। श्री पासवान ने कहा कि झारखंड में पार्टी चुनाव लड़ेगी और इसका फैसला जल्द हो जाएगा कि वह एनडीए गठबंधन के साथ लड़ेंगी या अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में भी संगठन जिलों में खड़ा किया जा चुका है।आने वाले दिनों के लिए कई तरह के प्रोग्राम भी पार्टी ने फाइनल किए हैं।पार्टी के सांसद, पदाधिकारी इनमें शामिल होंगे।आने वाले समय में यहां विधानसभा चुनाव होने हैं।

शेष पेज 2 पर

महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

दोषी कोई भी हो, बचना नहीं चाहिए

जलगांव, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के जलगांव में रविवार को जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया। पीएम मोदी ने कहा, 'आज मैं एक बार फिर देश के हर राजनीतिक दल से कहूंगा और राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप है। दोषी कोई भी हो, वो बचना नहीं चाहिए। उसको किसी भी रूप में मदद करने वाले बचने नहीं चाहिए।' उन्होंने कहा कि अस्पताल हो, स्कूल हो, दफ्तर हो या फिर पुलिस व्यवस्था... जिस भी स्तर पर लापरवाही होती है सबका हिसाब होना चाहिए। महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देने के लिए हमारी सरकार कानूनों को भी लगातार सख्त कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार, बेटियों के लिए हर सेक्टर खोल रही है, जहां कभी उन पर पाबंदियां थीं। आज तीनों सेनाओं में महिला अफसर तैनात हो रही हैं, फाइटर पायलट तैनात हो रही हैं। गांव में कृषि और डेयरी सेक्टर से लेकर... स्टार्ट अप्स क्रांति तक, आज बड़ी संख्या में बेटियां बिजनेस मैनेज कर रही हैं।' उन्होंने कहा कि ये हमारी सरकार ने तय किया कि जो गरीबों के घर सरकार बनाती है तो वो महिलाओं के नाम पर रजिस्टर्ड हों। अभी तक जो 4 करोड़ घर बने हैं, वो अधिकतर महिलाओं के नाम पर हैं। अभी हम 3 करोड़ और घर बनाने वाले हैं, इनमें से भी अधिकतर घर हमारे माताओं-बहनों के नाम पर ही होंगे। उन्होंने कहा, 'मैं आज चुनौती देता हूं- पहले की सरकारों के 7 दशक एक तरफ रख लीजिए और दूसरे तराजू में मोदी सरकार के 10 साल रख लीजिए। जितना काम मोदी सरकार ने देश के बहन-बेटियों के लिया किया है, वो आजादी के बाद किसी सरकार ने नहीं किया है।'

'10 साल में 1 करोड़ लखपति दीदी बनीं'

लखपति दीदी महासम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा, 'लोकसभा चुनाव के दौरान जब मैं आपके पास आया था, तो मैंने वादा किया कि हमें 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाना है। इसका मतलब है कि जो महिलाएं स्वयं सहायता समूहों में काम करती हैं और उनकी सालाना आय 1 लाख रुपये से अधिक है। पिछले 10 साल में 1 करोड़ लखपति दीदी बनीं और सिर्फ दो महीने में 11 लाख और लखपति दीदी एक करोड़ बन गईं।' उन्होंने कहा कि आज यहां लखपति दीदी का महासम्मेलन हो रहा है। मेरी बहनें यहां बड़ी संख्या में उपस्थित हैं। आज यहां से देशभर के लाखों सखी मंडलों के लिए 6 हजार करोड़ से अधिक की राशि जारी की गई है। मेरी सभी माताओं-बहनों को बहुत-बहुत शुभेच्छा।

मोदी सरकार 3 करोड़ घर बहनों के नाम पर ही रजिस्टर कराएगी

पहले महिलाओं को छोटा-मोटा लोन नहीं मिल पाता था। फिर आपके इस भाई ने संकल्प लिया कि आपकी इस मुश्किल को कम करके रहूंगा। फिर मोदी सरकार ने एक के बाद एक महिला हित में निर्णय लिए। मैं चुनौती देता हूं पिछली सरकारों के 7 दशक एक तराजू में एक तरफ रख लीजिए। और दूसरी तरफ मोदी सरकार के दस साल रख दीजिए। हमने इतना काम बहन बेटियों के लिए किया जितना किसी सरकार ने नहीं किया है। हमने तय किया है महिलाओं के लिए जो घर बनाती है उनमें से ज्यादातर घर माताओं बहनों के नाम हों। अभी तक जितने घर बने हैं उनमें यही नियम अपनाया है। आगे 3 करोड़ घर बनने है, उसमें भी यही प्रक्रिया अपनाएंगे।

नारी के खिलाफ हुआ हर अपराध अक्षम्य है, दोषी को सजा मिलनी चाहिए

आज तीनों सेनाओं में महिला अफसर तैनात हो रही हैं। गांव में कृषि और डेयरी सेक्टर में बेटियां बिजनेस मैनेज कर रही हैं। राजनीति में भी उनकी भागीदारी बढ़े इसके लिए हमने नारीशक्ति वंदन अधिनियम बनाया है। मैंने लाल किले से भी बार बार इस विषय को उठाया है। आज देश का हर राज्य अपनी बेटियों की पीड़ा और गुस्से को समझ रहा है।

मैं देश के हर राजनीतिक दल और राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य अपराध है। दोषी कोई भी हो उसे बचना नहीं चाहिए, उसे मदद करने वाला बचना नहीं चाहिए। अस्पताल, पुलिस, स्कूल, दफ्तर जिस भी स्तर पर लापरवाही हो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

ऊपर से नीचे तक ये संदेश जाना चाहिए कि ये अक्षम्य अपराध है। सरकारें आती जाती रहेंगी। ये हमारा दायित्व है नारी सम्मान और गरिमा और उनके जीवन की रक्षा हो।

पिछले 2 महीने में 11 लाख नई लखपति दीदी बनीं

जब मैं लोकसभा चुनाव के दौरान आपके बीच आया था। मैंने कहा था हमें 3 करोड़ बहनों को लखपति बनाना है। जो सेल्फ हेल्प ग्रुप का काम करती हैं। जिनकी एक साल की कमाई 1 लाख रुपए से ज्यादा होगी। बीते दस साल में 1 करोड़ लखपति दीदी बनीं। और बीते 2 महीने में 11 लाख और नई लखपति दीदी बन गईं।

इस महीने 1 लाख से ज्यादा लखपति दीदी बनी हैं। इसके लिए महायुति सरकार ने बहुत मेहनत की है। महाराष्ट्र में एक से बढ़कर एक योजनाएं चलाई जा रही हैं। लखपति दीदी बनाने का ये अभियान, सिर्फ बहनों बेटियों की कमाई बढ़ाने का अभियान नहीं है। ये आने वाली पीढ़ियों को सशक्त करने का अभियान है।

11 लाख नई लखपति दीदियों को किया सम्मानित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव में हाल ही में लखपति दीदी बनीं 11 लाख महिलाओं को प्रमाण पत्र भी दिए और सम्मानित किया। उन्होंने देश भर की लखपति दीदियों से बातचीत भी की।
श्री मोदी ने लखपति दीदी की सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज जब भारत विकसित बनने का प्रयास कर रहा है, हमारी महिला शक्ति एक बार फिर आगे आ रही हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत की महिला शक्ति ने हमेशा समाज और राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार का लखपति दीदी अभियान सिर्फ माताओं और बहनों की आय बढ़ाने का एक तरीका नहीं है, बल्कि परिवार और भावी पीढ़ियों को मजबूत करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, यहां मौजूद हर महिला जानती है कि जब वह कमाना शुरू करती है, तो समाज में उसकी सामाजिक स्थिति ऊंची हो जाती है। गौरतलब है कि लखपति दीदी स्वयं सहायता समूह की सदस्य होती हैं, जिनकी वार्षिक घरेलू आय एक लाख रुपये से अधिक होती है और कम से कम चार कृषि मौसमों या चार व्यावसायिक चक्रों के लिए उनकी औसत मासिक आय 10,000 रुपये या उससे अधिक होती है। इस अवसर पर श्री मोदी ने 2,500 करोड़ रुपये का रिवॉल्विंग फंड जारी किया, जिससे 4.3 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लगभग 48 लाख सदस्यों को लाभ हुआ। उन्होंने 5,000 करोड़ रुपये के बैंक ऋण भी वितरित किए, जिससे 2.35 लाख एसएचजी के 25.8 लाख सदस्यों को लाभ होगा। लखपति दीदी योजना की शुरूआत से लेकर अब तक एक करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और सरकार ने तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री ने नेपाल के तनहुन में बस दुर्घटना के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिसमें जलगांव के कई लोगों की जान चली गई। इस भव्य समारोह में माताओं और बहनों की भारी भीड़ की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, आज, पूरे भारत में फैले लाखों महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 6000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि वितरित की गई। उन्होंने कहा कि यह धनराशि कई महिलाओं को लखपति दीदी बनने में मदद करेगी।

शेष पेज 2 पर

किसी भी चुनाव में कांग्रेस और सपा से नहीं करेंगी गठबंन : मायावती

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने सपा और कांग्रेस से अब किसी भी चुनाव में गठबंधन न करने का एलान किया है। उन्होंने सपा और कांग्रेस को आरक्षण विरोधी बताया और कहा कि एससी, एसटी व ओबीसी वर्गों को अब अपने दम पर खुद खड़ा होना है।

इंटरनेट मीडिया एक्स पर रविवार को किए गए पोस्ट में बसपा प्रमुख ने शनिवार को प्रयागराज में आयोजित कांग्रेस के संविधान सम्मान समारोह पर भी सवाल उठाए हैं। मायावती ने लिखा कि संविधान के तहत एससी-एसटी को मिले आरक्षण को अब वर्गीकरण व क्रीमीलेयर के जरिये निष्प्रभावी बनाने व खत्म करने की साजिश चल रही है, लेकिन कांग्रेस, सपा व भाजपा ने चुप्पी साध रखी है। क्या यही इनका दलित प्रेम है?

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा कि संविधान सम्मान समारोह करने वाली कांग्रेस पार्टी को बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के अनुयायी कभी माफ नहीं करेंगे, जिसने संविधान के मुख्य निमार्ता को उनके जीते-जी और देहांत के बाद भी

भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं किया।

बाबासाहेब के मूवमेंट को गति देने वाले कांशीराम का देहांत होने पर इसी कांग्रेस ने केंद्र में अपनी सरकार के रहते इनके सम्मान में एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया। सपा सरकार ने भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया।

इनके चाल, चरित्र से जरूर सजग रहें। जाति आधारित जनगणना पर भी मायावती ने कांग्रेस को घेरा। सवाल उठाया कि भाजपा के सत्ता आने से पहले कांग्रेस ने अपनी सरकार में राष्ट्रीय जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई? जबकि बसपा इसकी हमेशा ही पक्षधर रही है।

नशीले पदार्थों के नेटवर्क को खत्म करने की जरूरत: शाह

नयी दिल्ली/रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि देश में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रही है और पूरे नशीले पदार्थों के नेटवर्क को 'ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर दृष्टिकोण' के साथ खत्म करने की जरूरत है।

श्री शाह ने कहा कि अवैध नशीली दवाओं के व्यापार से कमाया गया पैसा आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) को बढ़ावा देता है और देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है और नशीली दवाएं न केवल देश की युवा पीढ़ी को बर्बाद करती हैं बल्कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को भी कमजोर करती हैं।

गृह मंत्री रायपुर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल यूनिट कार्यालय का वर्चुअल उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में नारकोटिक्स परिदृश्य पर एक

समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि 2047 तक नशा मुक्त भारत का सरकार का संकल्प, आज देश के प्रत्येक नागरिक का संकल्प बन रहा है।

श्री शाह ने कहा, जब तक हम पूरे नेटवर्क पर हमला नहीं करेंगे, हम नशा मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएंगे जो एक समृद्ध, सुरक्षित और गौरवशाली भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि 'ड्रग्स' सिर्फ भारत की समस्या नहीं है बल्कि एक वैश्विक खतरा है, उन्होंने रेखांकित किया कि, 'अगर हम भारत में ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई तीव्रता, गंभीरता और व्यापक रणनीति के साथ लड़ते हैं, तो हम इस लड़ाई को जीत सकते हैं।

श्री शाह ने कहा कि सभी को मिलकर नशीले पदार्थों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर आगे बढ़ना चाहिए और प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत के संकल्प को पूरा करना चाहिए।

गृह मंत्री ने कहा, आज एनसीबी के रायपुर जोनल कार्यालय का उद्घाटन किया गया है। यह कार्यालय न केवल राज्य में बल्कि पूरे क्षेत्र में मादक पदार्थों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हमारा लक्ष्य देश के हर राज्य में एनसीबी की उपस्थिति हो। हमारा सरकार राज्य सरकारों के सहयोग से हर राज्य में एनसीबी कार्यालय स्थापित करके नशीली दवाओं के व्यापार को समाप्त करेगी।

बांझपन के लिए मोबाइल भी जिम्मेदार?

25-30 की उम्र में कर लेनी चाहिए शादी ○ कार्यशाला में पहुंचे चिकित्सकों की राय

दीपक कुमार तिवारी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में इंडियन फर्टिलिटी सोसायटी की बिहार शाखा ने शनिवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि देर से शादी, मोटापा, और गलत जीवनशैली बांझपन के प्रमुख कारण बन रहे हैं। विशेषज्ञों ने लोगों से बांझपन के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यशाला में इंडियन फर्टिलिटी सोसायटी के विशेषज्ञ डॉ सतीश कुमार अडिगा ने कहा कि आजकल युवक-युवतियों में देर से शादी करने का चलन बढ़ रहा है, जो बांझपन का एक बड़ा कारण

बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवेश में अगर शादी 25 से 30 वर्ष के बीच कर दी जाए तो प्रजनन के दृष्टि से बेहतर माना जाता है। 35 वर्ष के बाद युवक-युवतियों की शादी बांझपन की समस्या पैदा कर रही है। डॉ अडिगा ने यह भी बताया कि मोटापा भी बांझपन का एक बड़ा कारण बनता जा रहा है। उन्होंने युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम में संगठन के संयुक्त सचिव डॉ दयानिधि ने कहा कि शोधों से पता चला है कि पैंट की जेब में मोबाइल रखने से पुरुषों के शुक्राणुओं पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने युवाओं को मोबाइल के इस्तेमाल को लेकर सावधान रहने की सलाह दी। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ मंजू गीता मिश्रा ने युवाओं को जंक फूड से परहेज करने और घर का बना खाना खाने की सलाह दी।

वहीं, डॉ. मीना सामंत ने कहा कि बांझपन एक गंभीर समस्या है और इसके प्रति जागरूकता फैलाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर युवक-युवतियों में बांझपन के प्रति जागरूकता आ गई तो उससे बचाव का रास्ता निकाला जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ कल्पना ने बताया कि आजकल 100 में से 15 लोग बांझपन का शिकार हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है।

अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु व्यापार पर बैठक की अध्यक्षता की डॉ. जितेंद्र ने

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि गगनयान मिशन से भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में शामिल होने के लिए तैयार हैं और यह मिशन भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

डॉ. सिंह अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु वाणिज्य पर द्विपक्षीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में शामिल होने के

लिए तैयार हैं। बैठक में उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी राष्ट्रपति के अंतर्राष्ट्रीय जलवायु नीति के वरिष्ठ सलाहकार जॉन पोडेस्टा और अमेरिकी ऊर्जा विभाग के उप सचिव डेविड टर्क कर रहे थे।

मंत्रालय की रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक का समापन दोनों देशों द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों में अपने सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि के साथ हुआ, जिसमें आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रौद्योगिकी प्रगति में वैश्विक नेतृत्व को बढ़ाने में आपसी हितों का समावेश जैसे विषय शामिल थे।

डॉ सिंह ने बैठक में कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और एसएमआर सहयोग के माध्यम से भारत वैश्विक जलवायु लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान करेगा। डॉ सिंह के पास प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग के राज्य मंत्री की भी जिम्मेदारी है।

मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. सिंह ने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को भारी उद्योग, परिवहन और बिजली उत्पादन को कार्बन मुक्त करने की भारत की रणनीति की आधारशिला बताया।

शेष पेज 2 पर

दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले 'आप' को तगड़ा झटका

आम आदमी पार्टी के 5 पार्षद भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को तगड़ा झटका लगा है। आम आदमी पार्टी के पांच पार्षद भाजपा में शामिल हो गए हैं। आम आदमी पार्टी के पार्षद ममता पवन, पवन सहरावत, सचिन, मंजु निर्मल और सुगंधा बिधुड़ी ने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और भाजपा नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ली। इस घटनाक्रम को आम आदमी पार्टी के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त में सामने आया है जब आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है।

इस डेवलपमेंट पर भाजपा की दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा- आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार और काम नहीं करने की नीयत से आजिज आकर इन 5 नेताओं ने भाजपा ज्वाइन की है। इन सभी पार्षदों का एक ही मकसद है कि जिस तरह से पीएम मोदी विकास को दिशा दे रहे हैं और देश को आगे बढ़ा रहे हैं, हम भी दिल्ली में अपने लोगों के लिए काम करना चाहते हैं। हम भी ऐसे लोगों का स्वागत करते हैं।

ऐसे में जब आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले में जेल में बंद हैं और अअढ तमाम सियासी झंझावातों का सामना कर रही है, यह सियासी उलटफेर जमीनी स्तर पर नेताओं और कार्यकताओं के मनोबल को प्रभावित कर सकता है।

गौर करने वाली बात यह भी कि ऐसे में जब हरियाणा में एक अक्टूबर को सभी 90 विधानसभा सीट के लिए मतदान होने हैं। आम आदमी पार्टी ने इन चुनावों में दो-दो हाथ करने की बात कही है। उसके नेता लगातार हरियाणा में जाकर चुनावी माहौल बनाने में जुटे हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के इन पार्षदों का भाजपा में शामिल होना एक बड़े सियासी उलटफेर के तौर पर सामने आया है।

ऐसे में जब केजरीवाल की गैर मौजूदगी में दिल्ली में अपनी पदयात्रा पूरी करने के बाद मनीष सिसोदिया पार्टी कार्यकताओं का हौसला बढ़ाने में जुटे हैं। वह लगातार भाजपा और केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रहे हैं। इस घटनाक्रम ने सियासी माहौल को और गरमा दिया है। एक दिन पहले ही आम आदमी पार्टी ने भाजपा और केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई पर आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल को जेल में रखने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया था।

कांग्रेस का तंज, स्थायी समिति के चुनाव से बताया कनेक्शन

आम आदमी पार्टी को झटका देते हुए उसके पांच पार्षद रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इन पार्षदों का पार्टी में स्वागत किया। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पार्षदों ने आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार के कारण उसे छोड़ा है। भाजपा में शामिल होने वाले पांच अअढ पार्षदों में राम चंद्र, पवन सहरावत, मंजू निर्मल, सुगंधा बिधूड़ी और ममता पवन शामिल हैं। इस घटनाक्रम के बाद दिल्ली में सियासी माहौल गरमा गया है।

'आप' के पांच पार्षदों के भाजपा में शामिल होने पर कांग्रेस ने तंज कसा है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि जनता के बीच आम आदमी पार्टी की खत्म होती साख का फायदा उठाते हुए भाजपा ने प्रलोभन देकर पार्षदों को अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। भाजपा का चिरपरिचित इतिहास रहा है कि सत्ता में पैठ बनाने के लिए हमेशा जनप्रतिनिधियों को अपनी पार्टी में शामिल करती रही है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति के गठन और वार्ड कमेटियों पर कब्जा करने के लिए बीजेपी की ओर से यह पैंतरा अपनाया गया है क्योंकि इसी हफ्ते एमसीडी में पहले वार्ड कमेटी और फिर स्थायी समिति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी।

वहीं भाजपा में शामिल होने वाले पार्षदों ने कहा कि हम अपने शीर्ष नेतृत्व के भ्रष्टाचार से परेशान एवं प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के जन समर्पण से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए हैं।

दूसरी ओर भाजपा की दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आज अगर विपक्ष का कोई भी साथी भाजपा में शामिल होता है तो उसका कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्य कुशलता और उनकी कल्याणकारी योजना है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से घिरी आम आदमी पार्टी की सरकार बीते 10 वर्षों से दिल्ली में विकास कार्यों को रोकने का काम कर रही है। भाजपा में शामिल होने वाले इन पार्षदों के साथ मिलकर भाजपा जनता की सेवा करेगी।

कृष्ण जन्माष्टमी विशेष- दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पर्व पर दिल्लीवासियों के लिए रास्तों से जुड़ी एडवाइजरी जारी की है। इसमें यातायात से जुड़ी चेतावनियां और सावधानियां दी गई हैं, क्योंकि जनमाष्टमी के अवसर पर झांकियों और पूजा के कार्यक्रमों के कारण सड़क पर जाम लग सकता है। इस एडवाइजरी में मंदिरों में होने वाले कार्यक्रमों का विवरण दिया गया है। साथ ही रास्तों में आने वाली रुकावटों और मार्ग में होने वाले बदलावों का भी जिक्र किया गया है।

कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार सोमवार यानी आज 26 अगस्त को मनाया जाएगा। इस शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालू राजधानी के अलग-अलग मंदिरों में जाएंगें। यह कार्यक्रम अगले दिन यानी 27 अगस्त तक चलेगा। इस दिन दिल्ली की अनेक मंदिर समितियां रथ यात्रा, शोभा यात्रा, झांकी और बैंड जुलूस जैसी गतिविधियां करेंगे। इस एडवाइजरी में आम जनता को जागरुक रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि मंदिर में बढ़ी भीड़ के कारण ट्रैफिक जाम और स्लोडाउन की समस्या हो सकती है।

एडवाइजरी में उन इलाकों के बारे में जानकारी दी गई है जहां जन्माष्टमी के कार्यक्रम होंगे। नई दिल्ली का लक्ष्मी नारायण मंदिर, पूर्वी कैलाश और द्वारिका का इस्कॉन मंदिर, पंजाब बाग का जन्माष्टमी पार्क, हरि नगर का संतोष माता मंदिर, प्रीत विहार का गुफा वाला मंदिर, द्वारिका का डीडीए ग्राउंड आदि। लक्ष्मी नारायण मंदिर के मंदिर मार्ग पर जन्माष्टमी वाले दिन 2 बजे लेकर कार्यक्रम होने तक प्रतिबंध लगाया गया है। इस बीच मंदिर मार्ग पर किसी भी वाहन को आने की अनुमती नहीं दी जाएगी।

बसों और दूसरी कॉमर्सियल गाड़ियों के लिए डायवर्जन प्वाइंट भी बनाए गए हैं, जहां से गाड़ियों का रूट बदल जाने की सलाह दी गई है। जैसे पंचकुइयां रोड से मंदिर मार्ग टी प्वाइंट,गोल मार्केट से पेशवा रोड की ओर, पेशवा रोड से मंदिर मार्ग की ओर, पेशवा रोड उद्यान मार्ग के टी प्वाइंट से मंदिर मार्ग की ओर आदि। इस तरह अधिक जानकारी के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ट्रैफिक एडवाइजरी को देखें।

दिल्ली में फिर बड़ी लापरवाही, खुले नाले में गिरने से बच्ची की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर एकबार फिर प्रशासन की लापरवाही ने एक मासूम की जान ले ली। अलीपुर इलाके में अकबरपुर माजरा गांव के पास खुले नाले में गिरने से पांच साल की बच्ची की मौत हो गई है। मृतक बच्ची की पहचान मुस्कान के रूप में हुई है। बच्ची के माता-पिता खेतीबाड़ी करते हैं। पुलिस का कहना है कि जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गांव अकबरपुर माजरा निवासी मुस्कान के पिता धर्मेंद्र ने बताया कि शनिवार को वह अपनी पत्नी रूनी देवी के साथ खेत में काम करने गए थे। बच्चे कुछ दूरी पर खेल रहे थे। शाम होने पर तीन बच्चे तो वापस आ गए, लेकिन मुस्कान नहीं आई। इसके बाद से तलाश शुरू की गई। रात करीब साढ़े आठ बजे खेत के पास पल्ला गांव से हिरणकी पुलिस चेक पोस्ट तक पहुंचे तो नाले में बच्ची का शव मिला। मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं।

हादसे के बाद परिवार सदमे में है। परिजनों ने इस घटना के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। परिजनों ने कहा कि यह घटना पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही के चलते हुई है। काफी समय से यह नाला खुला था। इस पर कोई स्लैब नहीं डाला गया था। नाले पर स्लैब नहीं डाले जाने के कारण ही बच्ची की मौत हुई है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि इस नाले को लेकर बार-बार शिकायतें की गईं लेकिन प्रशासन की ओर से ध्यान नहीं दिया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस नाले के कारण उनकी फसलें भी प्रभावित होती हैं। अब इस नाले ने एक मासूम की जान ले ली है। इस घटना के बाद प्रशासन की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजधानी में कथित प्रशासनिक लापरवाही से मौत की यह पहली घटना नहीं है। हाल ही में दिल्ली के वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में एक बच्चे की मौत खुले नाले में गिरने से हो गई थी। इस घटना के बाद विपक्षी दलों ने दिल्ली सरकार पर हमला बोला था।

एनपीएस से बेहतर यूपीएस लेकिन ओपीएस जैसी नहीं, विस्तृत अधिसूचना का कर रहे इंतजार : भारतीय मजदूर संघ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मजदूर संघ ने नई पेंशन योजना की कमियों को एकीकृत पेंशन योजना(यूपीएस) के माध्यम से दूर किए जाने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि मजदूरों के संगठन का कहना है कि ओपीएस की तुलना में अभी भी इसमें कुछ खामियां हैं। भारतीय मजदूर संघ यूपीएस की अधिसूचना के प्रकाशन के बाद यूपीएस की विशेषताओं का विस्तृत अध्ययन करने के बाद ही इस संबंध में अपनी आगे की कार्रवाई तय करेगा।

एक बयान में भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि एनपीएस पर उठाए गए मुद्दों को सुलझाने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों का भारतीय मजदूर संघ हृदय से स्वागत करता है। घोषित की गई नई 'एकीकृत पेंशन योजना' पिछले 20 वर्षों से 'एनपीएस और पुरानी पेंशन योजना की बहाली' के खिलाफ आंदोलन के माध्यम से भारतीय मजदूर संघ और इसके सम्बद्ध राष्ट्रीय सरकारी कर्मचारी परिषद द्वारा सरकार पर लगातार दबाव का यह परिणाम है। संघ ने आगे कहा कि हम लगातार मुख्य रूप से पेंशन के रूप में मूल वेतन का 50 प्रतिशत सुनिश्चित करने, पेंशन के साथ महंगाई राहत का प्रावधान करने, न्यूनतम पेंशन 10,000/- रुपये करने, गैर अंशदायी प्रणाली आदि की मांग कर रहे थे, पुरानी पेंशन योजना की जो विशेषताएं रहीं, वह एनपीएस में नहीं हैं। उनमें से अधिकांश को नए यूपीएस में मूर्त रूप दिया गया है। संगठन का कहना है कि यूपीएस के माध्यम से, केंद्र सरकार ने एनपीएस की कमियों को दूर करने का प्रयास किया है।

और हम सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हैं; लेकिन ओपीएस की तुलना में अभी भी कुछ खामियां हैं, अर्थात (.) यूपीएस एक अंशदायी पेंशन योजना है जहां ओपीएस में कर्मचारी को कुछ भी योगदान नहीं करना होता है; (.) ओपीएस में पेंशन के कम्यूटेशन की सुविधा उपलब्ध है जो एनपीएस और यूपीएस में नहीं है।

दिल्ली में आज निकलेगा चेहल्लुम जुलूस, पुलिस ने कसी कमर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सोमवार को शिया समुदाय की तरफ से चेहल्लुम जुलूस निकाला जाएगा। इसके चलते दिल्ली की कई सड़कों और इलाकों में ट्रैफिक नियमों में बदलाव किए गए हैं। इस दौरान आम लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसको लेकर दिल्ली पुलिस और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरफ से कड़े इंतजाम किए गए हैं। इसके साथ ही वाहनों की आवाजाही प्रभावित नहीं हो, इसकी भी खास व्यवस्था की गई है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी यातायात दिशा-निर्देश में कहा गया है कि धार्मिक संगठनों की ओर से सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे से चेहल्लुम जुलूस अलग-अलग इलाकों से निकाला जाएगा। इसमें करीब 5 से 6 हजार लोगों के शिरकत करने की संभावना है। इसकी शुरूआत पहाड़ी भोजला से होगी। जुलूस दरगाह-शाह-ए-मर्दन से निकलते हुए अलग-अलग इलाकों से होते हुए कर्बला, जोर बाग (लोधी रोड) पहुंचेगा। कर्बला पर इबादत के लिए करीब 20 से 25 हजार लोगों के एकत्र होने की संभावना है। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल होंगे। इसके अलावा कई वीआईपी, डिप्लोमेट्स, खाड़ी देशों के एम्बेसडर भी मजलिस में शामिल हो सकते हैं।

दिल्ली के अस्पताल में जूनियर डॉक्टर से मारपीट, स्टाफ को भी पीटा, हड़ताल की चेतावनी

नई दिल्ली। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ बर्बरता और हत्या की घटना को लेकर डॉक्टरों का आक्रोश अभी थमा भी नहीं था कि रविवार को दिल्ली के एक अस्पताल में जूनियर डॉक्टर और स्टाफ के साथ मारपीट की घटना हो गई। यह घटना शनिवार देर रात कड़कड़डूमा स्थित डॉक्टर हेडगेवार अस्पताल में तब हुई जब डॉक्टर मरीजों की देखभाल कर रहे थे। बताया जाता है कि डॉ. हेडगेवार अस्पताल में एक मरीज के परिजनों ने जूनियर डॉक्टर और स्टाफ के साथ मारपीट कर दी। इस घटना को लेकर रेजिडेंट डॉक्टरों में आक्रोश है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जिस डॉक्टर पर हमला हुआ, उसने बताया कि शनिवार देर रात करीब 1:00 बजे एक मरीज को अस्पताल लाया गया जिसके माथे पर चोट लगी थी। मैं मरीज को घाव पर टांका लगाने के लिए उसे ड्रेसिंग रूम में ले गया। जब मैंने पहला टांका लगाया और दूसरा टांका लगाने लगा, तो मरीज ने अचानक मुझे धक्का दिया और गाली-गलौज करने लगा। इतने में उसका बेटा, जो कमरे के बाहर था, अंदर आया, मुझे थप्पड़ मारा। दोनों मुझे और गाली देने लगे। नाम नहीं छापने की शर्त पर डॉक्टर ने कहा कि मरीज नशे में था।

पीड़ित डॉक्टर और स्टाफ ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग करते हुए अस्पताल प्रबंधन को शिकायत दी है। पीड़ितों का कहना है कि यदि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज नहीं हुआ तो रेजिडेंट डॉक्टर काम बंद करने को मजबूर होंगे। मेडिसिन विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. नदीम ने बताया कि मरीज टांके लगाने के दौरान बार-बार हिल रहा था।

कोलकाता की घटना बेहद संवेदनशील, दोषियों को मिले कड़ी सजा : आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने कोलकाता में महिला डॉक्टर की यौन हिंसा के बाद हत्या को बेहद संवेदनशील बताते हुए दोषियों को सख्त सजा देने की अपील की है। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को कहा कि दोषियों को ऐसी सजा दी जानी चाहिए जो देश में एक नजीर बने।

यह घटना हर किसी को परेशान करने वाली है। सीबीआई को चाहिए कि इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में लेकर जाए और दोषियों को बेहद सख्त सजा दिलवाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ हो रही यौन हिंसा के खिलाफ पूरे देश में एक व्यापक जागरूकता अभियान चलना चाहिए और राजनीतिक दलों को भी ऐसे मामलों में अपनी संवेदनशीलता

का परिचय देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना बेहद दुखदायी और परेशान करने वाली है। उस जूनियर डॉक्टर के साथ जो दरिंदगी हुई है उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अब यह मामला सीबीआई के पास है और मुख्य आरोपी की गिरफ़्तारी हो चुकी है। इस मामले से जो लोग भी जुड़े हैं, उन सब पर कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा लेटरल एंट्री के जरिए यूपीएससी में भर्ती के विषय पर श्री संजय सिंह ने कहा कि बार-बार कह चुका हूं कि भाजपा आरक्षण विरोधी पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण खत्म करना चाहती है। इस देश की जनता ने भाजपा को 240 पर रोककर संविधान और आरक्षण को बचा लिया। अगर भाजपा की 300 सीटें भी आ जाती तो ये ज्वाइंट सेशन बुलाकर देश का संविधान बदल देते और आरक्षण को समाप्त कर देते।

अब एनडीए के साथी तेदेपा, जद-यू और आरएलडी, चिराग पासवान और चंद्रबाबू नायडू, जयंत चौधरी समेत अन्य लोगों को भी सोचना चाहिए कि वह किसके साथ हैं।

पुलिस ने हथियार तस्करों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली एनसीआर में अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले एक गैंग का भंडाफोड़ किया है। मध्य प्रदेश के खरगोन से अवैध हथियार खरीद कर दिल्ली एनसीआर के राज्यों में सप्लाई करने वाले इस रैकेट के दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से .32 बोर की 8 अवैध देशी पिस्तौल बरामद हुई हैं। आरोपितों की पहचान अरविंद कुमार उर्फ संजय (45) हरदोई (उप्र) और विनोद कुमार (48) शिकोहाबाद (फिरोजाबाद उप्र) के रूप में की गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के डीसीपी अमित कौशिक के मुताबिक ट्रांस यमुना रेंज के एसीपी कैलाश सिंह बिष्ट की कड़ी निगरानी में इंस्पेक्टर राहुल कुमार और विनीत कुमार तेवतिया के नेतृत्व में इस अवैध हथियार सप्लायी रैकेट का पदार्फाश किया गया है। पुलिस टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि दिल्ली में अवैध हथियारों की सप्लाई होने वाली है। इसके लिए दो हथियार तस्कर इसकी खेप पहुंचाने के लिए आगरा कैनाल रोड, जैतपुर के दिल्ली सर्विस रोड के इंडेन गैस डिपो के पास पहुंचेंगे। टीम ने आरोपितों को दबाचने के लिए जाल बिछाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि वह पिछले 8 सालों से अवैध तरीके से हथियारों की तस्करी करते आ रहे हैं। आरोपित विनोद 2018 में दिल्ली में अवैध हथियारों और गोला बारूद की एक बड़ी खेप के साथ पहले भी गिरफ्तार हो चुका है। अरविंद उर्फ संजय ने उप्र के पाली में एक अवैध हथियार मैन्युफैक्चरिंग यूनिट भी लगायी हुई थी। अरविंद को इस मामले में उप्र की स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। जमानत पर छूटने के बाद उसने इस गोरखधंधे को छोड़ने की बजाय हथियारों की तस्करी की गतिविधियां और तेज कर दी थीं।

हत्या के प्रयास के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने उत्तर पूर्वी जिले के न्यू मुस्ताबाद इलाके में हत्या के प्रयास के एक मामले को 24 घंटे के भीतर सुलझाने का दावा किया है। न्यू मुस्ताबाद इलाके में 23 अगस्त की रात को उमैर नाम के एक शख्स पर 5 लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया था। इस हमलावर ग्रुप के मुख्य आरोपित को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अल्तमस (25) न्यू मुस्तफाबाद (दिल्ली) के रूप में की गई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक पीड़ित उमैर और मुख्य आरोपित अल?तमस के बीच 21 अगस्त को किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इसके बाद आरोपित अल्तमस ने अपने अन्य साथियों फैसल, समीर, अमन और फाजिल के साथ मिलकर 23 अगस्त की देर रात में उमैर पर गोलीबारी की थी।

सिंगला स्वीट्स की दुकान पर गोली चलाने वाले आरोपित को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने तिलक नगर फायरिंग के बड़े मामले को सुलझाने का दावा किया है। तिलक नगर इलाके की मेन मार्केट में स्थति सिंगला स्वीट्स की दुकान पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी थी। हालांकि इस फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ था। गोलियां दुकान के शीशों पर लगी थीं। मामले में क्राइम ब्रांच की टीम ने फायरिंग करने वाले एक आरोपित को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान ककरोला गांव निवासी विशु उर्फ क्रांति (25) के रूप में हुई है। आरोपित नंदू गैंग का सक्रिय सदस्य और उभरता हुआ शूटर है।

पेज एक का शेष

11 लाख नई लखपति दीदियों को किया सम्मानित

श्री मोदी ने पोलैंड की अपनी हालिया यात्रा के दौरान महाराष्ट्र की संस्कृति को देखने का उल्लेख किया और कहा कि महाराष्ट्र के लोगों का पोलिश नागरिक बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने कोल्हापुर मेमोरियल के बारे में बात की, जो पोलैंड के लोगों द्वारा कोल्हापुर के लोगों की सेवा और आतिथ्य की भावना को समर्पित है।

इस मौके पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राज्य का लक्ष्य 50 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है। उन्होंने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में विकास का रथ जलगांव पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन में यह पहली बार है कि मैंने महाराष्ट्र में इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को प्रधानमंत्री का स्वागत करते देखा है। उन्होंने कहा, श्री मोदी का लक्ष्य तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है। आइए हम महाराष्ट्र की 50 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प लें।

अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु व्यापार पर बैठक की अध्यक्षता की डॉ. जितेंद्र ने

सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. ए. के. सूद ने भारत-अमेरिका साझेदारी के महत्व को दोहराते हुए कहा कि यह केवल ज्ञान के आदान-प्रदान के संबंध में नहीं है, बल्कि ऐसे समाधानों का सह-निर्माण करने के बारे में है जो भविष्य को साकार रूप प्रदान करेंगे। उन्होंने सतत विकास और आर्थिक समृद्धि के लिए नए रास्ते प्रशस्त करने के लिए सहयोग की क्षमता पर जोर दिया। पृथ्वी विज्ञान सचिव डॉ. रवि चंद्रन ने समुद्री ऊर्जा और कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) प्रौद्योगिकियों में साझेदारी की प्रगति पर प्रकाश डाला, जबकि जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले ने बायोमास से ऊर्जा रूपांतरण और पहली और दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन के सफल कार्यान्वयन पर भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

देश में जाति जनगणना कराया जाय : चिराग पासवान

इसे देखते और भी प्रभावी तरीके से काम होंगे।पहला प्रयास एनडीए गठबंधन के साथ हिस्सेदारी लेकर चुनाव लड़ने और सरकार बनाने का होगा।किसी कारण वश ऐसा ना होने पर पार्टी जहां मजबूत होगी, वहां अकेले लड़ेगी। पार्टी यहां के चुनाव में भी महिला, युवाओं को प्रोत्साहित करेगी। धर्म, संप्रदाय, जाति से परे रहकर ही राजनीति करेगी।अगर एनडीए फोल्डर में लोजपा रहता है तो एनडीए और मजबूत होग। झारखंड में घुसपैठ के सवाल पर श्री पासवान ने कहा कि केंद्र सरकार डे वन से इस पर अपना स्टैंड क्लियर रखते आयी है, जहां कहीं से शिकायत इसकी आएगी, केंद्र जरूर उस पर एक्शन लेगा। इस अवसर पर पार्टी सांसद वीणा सिंह, शांभवी चौधरी, राजेश वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान सहित अन्य नेता भी मौजूद थे।

बच्चों का पोषण देश की प्राथमिकता : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बच्चों की अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि उन्हें सही पोषण मिलता रहे इसलिए बच्चों का पोषण देश की प्राथमिकता है।

श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में रविवार को कहा, ह्लहम सबके जीवन में फि टनेस का बहुत महत्व है। फिट रहने के लिए हमें अपने खानपान, रहन-सहन सब पर ध्यान देना होता है। लोगों को फि टनेस के प्रति जागरूक करने के लिए ही ह्यफिट इंडिया अभियानह्ल की शुरूआत की गई। स्वस्थ रहने के लिए आज हर आयु, हर वर्ग के लोग, योग को अपना रहे हैं। लोग अपनी थाली में अब श्रीअन्न को जगह देने लगे हैं। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य यही है कि हर परिवार स्वस्थ हो। उन्होंने कहा, ह्लहमारा परिवार, हमारा समाज, और हमारा देश, और इन सबका भविष्य, हमारे बच्चों की सेहत पर निर्भर है और बच्चों की अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि उन्हें सही पोषण मिलता रहे। बच्चों का पोषण देश की प्राथमिकता है। वैसे तो उनके पोषण पर पूरे साल हमारा ध्यान रहता है, लेकिन एक महीना, देश, इस पर विशेष फोकस करता है। इसके लिए हर साल एक सितम्बर से 30 सितम्बर के बीच पोषण माह मनाया जाता है। पोषण को लेकर लोगों को जागरूक बनाने के लिए पोषण मेला, एनीमिया शिविर जैसे कई तरीके अपनाए जाते हैं। कितनी ही जगहों पर आंगनवाड़ी के तहत माता और बच्चों की समिति की स्थापना भी की गई है। यह समिति कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की माताओं को ट्रैक करती है, उनकी लगातार निगरानी की जाती है, और उनके पोषण की व्यवस्था की जाती है।

वर्क एनजीओ के 37वें स्थापना दिवस

सैकड़ों मुस्लिम सदस्यों ने साहसपूर्ण अंगदान की शपथ लेकर पारंपरिक फत्वों को चुनौती दी

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। वर्क एनजीओ के 37वें स्थापना दिवस पर एक प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मानवीय कारणों के प्रति एक साहसिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया। श्री सत्य साईं ऑडिटोरियम, लोधी रोड, प्रगति विहार, नई दिल्ली में आयोजित इस समारोह में एक अग्रणी पहल पर प्रकाश डाला गया, जिसने अंगदान पर अपने साहसिक रुख के लिए सुर्खियाँ बटोरी हैं, खास कर इसके मुस्लिम सदस्यों की ओर से, भले ही इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो। इस कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग, गायत्री परिवार, ब्रह्मकुमारी, भारतीय सर्व धर्म संसद, अर्थ-कीपर्स कनेक्ट, द. कोरिया स्थित एच डब्ल्यू पी एल और एहसास जैसे 36 प्रतिष्ठित संगठनों के अतिरिक्त कुछ विशिष्ट महानुभावों को उन के मानवता एवं समाज के प्रति महत्वपूर्ष योगदान के लिये सम्मानित किया गया। इन

संगठनों ने सामाजिक सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और सामुदायिक कल्याण के लिए अमूल्य योगदान दिया है। सम्मानित व्यक्तियों में प्रसिद्ध इस्लामी विद्वान डॉ. एम. असलम परवेज और लोकप्रिय आरजे नावेद खान जैसी प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल थीं। अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में गोस्वामी सुशील महाराज जी, श्री सुनील पांडे, नेहा राजपूत, अब्दुस्समद और तारिक इकरामुल्लाह शामिल थे। अपने संबोधन में, वर्क संस्था के अध्यक्ष अल्लामा सैयद अब्दुल्ला तारिक ने पूरे वर्ष लगातार भारत के लगभग 200 जिलों और विदेश के 14 शहरों में करुणा के 125 से अधिक क्षेत्रों में वर्क के समर्पित स्वयंसेवकों की सेवाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्क न तो सरकार से किसी अनुदान के लिए आवेदन करता है और न ही आम जनता से चंदे की आपील करता है। स्वयंसेवकों को समाज की सेवा में अपना समय और साथ ही अपना पैसा लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है। अंगदान के बारे में उन्होंने कुरान और हदीस से यह साबित करने के लिए उद्धरण दिया कि अंगदान इस्लाम के अनुसार एक पवित्र कार्य है। अपने वक्तव्य में, WORK महिला विंग की अध्यक्ष सुमू तारिक ने महिला सशक्तीकरण में हडफ्ड के योगदान के बारे में बताया और इस क्षेत्र में संस्था की मुस्लिम महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। सुमू तारिक ने कहा, "मुस्लिम महिलाओं द्वारा अंगदान की शपथ मानवीय मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का एक शक्तिशाली प्रमाण है।" इस वर्ष की पहल का एक विशेष रूप से उल्लेखनीय पहलू एक अभूतपूर्व कदम था। हडफ्ड संगठन के 400 से अधिक मुस्लिम सदस्यों के नामें का अनावरण किया गया, जिन्होंने अपने अंगों का दान करने की शपथ ली। यह एक ऐसा कदम है जो ऐसे अनेक मुफतियों की आलोचना को आकर्षित कर सकता है जो इस तरह की पहल के खिलाफ फतवे जारी कर सकते हैं। WORK संगठन के सदस्यों का यह साहसी रुख मानवीय मूल्यों के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय हितों में योगदान देने की उनकी इच्छा का प्रमाण है। WORK NGO करुणा की एक किरण बनी हुई है। इस 37वें स्थापना दिवस पर न केवल पिछली उपलब्धियों का जश्न मनाया गया, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ाने और वंचित समुदायों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भविष्य के प्रयासों का मार्ग भी प्रशस्त किया गया। WORK NGO और इसकी गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया [वेबसाइट] पर जाएँ या [मीडिया संपर्क जानकारी] से संपर्क करें

फरीदाबाद : जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चाक चौबंद

सादा कपड़ों में मंदिरों में तैनात रहेंगे पुलिस कर्मी

फरीदाबाद, एजेंसी। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव (जन्माष्टमी) के पर्व को लेकर फरीदाबाद पुलिस अलर्ट हो गई है। इस दौरान कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए फरीदाबाद पुलिस द्वारा अतिरिक्त बल के साथ ड्यूटियां तैनात की गई है। शहर के प्रमुख 10 मंदिरों पर डीएफएमडी एंड एचएचएमडी के साथ एक कंपनी महिला प्लाटून सहित स्टेंड बाय रहेगी। पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश नरवाल ने सभी थाना प्रबंधक व चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि बाजारों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में चैन स्नैचिंग, झपटमारी इत्यादि घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस गश्त बढ़ाना सुनिश्चित करें, जिन जिन स्थानों पर सार्वजनिक भंडारा का आयोजन किया गया है, वहां पर भी पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए सहित पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए सहायक पुलिस आयुक्त, लां एंड ऑर्डर फरीदाबाद आयोजकों से समन्वय बनाकर कार्य करें, साथ ही मंदिरों पर सुरक्षा व्यवस्था के मध्यनजर उचित पुलिस बल तैनात करें। थाना व चौकी प्रभारी के साथ साथ पर्यवेक्षण अधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र में लगातार निगरानी करने के साथ आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर नजर रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जा रही है, अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी व कानून व्यवस्था बनाए रखें रखने के लिए हर संभव उचित कदम उठाये जायेंगे। जिसके लिए फरीदाबाद पुलिस की तकनीकी सेल निरंतर कार्य कर रही है । मंदिरों व कार्यक्रम स्थलों के आसपास सिविल कपड़ों में भी पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार ना हो।

महिला यौन शोषण की बढ़ती घटनाओं पर जनवादी महिला समिति ने किया विरोध प्रदर्शन

नोएडा, महिला यौन शोषण/उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं के विरोध में आज अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की कार्यकताओं ने गांव बरौला सेक्टर-49, नोएडा पर जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिला प्रभारी आशा यादव ने महिला उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं पर कहा कि महिला को जब तक चीज - उपभोग की वस्तु - समझा जाता रहेगा तब तक उसके साथ यह खिलवाड़ होता रहेगा, उसका अपमान होता रहेगा, यौन उत्पीड़न होता रहेगा। उन्होंने कहा कि ये एक राज्य की बात नहीं। कुछ ही दिन पहले कोलकाता के आरजीके अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ जघन्य सामूहिक बलात्कार और निर्मम हत्या का मामला सामने आया। इस घटना के खिलाफ आवाज उठते उठते ही बिहार के मुजफ़्फ़रपुर में एक दलित लड़की के साथ बेखौफ सामूहिक बलात्कार और हत्या, महाराष्ट्र के बदलापुर में यौन उत्पीड़न की घटना, और उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड से बलात्कार की घटनाओं की खबरें आईं। भला राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र कैसे पीछे रहता - यहां भी बाहरी उत्तरी दिल्ली के शाहाबाद डेयरी इलाके में चार साल की बच्ची के साथ बलात्कार हुआ। ऐसी खबरें नोएडा और गाज़ियाबाद से भी कथित रूप से आ रही हैं। उपरोक्त हालात से महिला आंदोलन रोषित है और जनवादी महिला समिति (दिल्ली एनसीआर) इन सभी घटनाओं की भर्त्सना करते हुए दिल्ली नोएडा गाजियाबाद आदि में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन कर गुस्से का इजहार कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम दिल्ली सरकार/उत्तर प्रदेश सरकार से सवाल करते हैं कि जब माननीय उच्चतम न्यायालय खुद से संज्ञान ले सकता है तो क्या राज्य की सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं कि वो महिला की गरिमा और सुरक्षा के लिए फौरन संज्ञान लेकर इंसाफ दिलाने में अग्रसर हों? क्यों जमीनी स्तर पर उपस्थित थाना इन घटनाओं पर फौरी कार्यवाही नहीं करते?

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए समिति की जिला नेता चंदा बेगम, रेखा चौहान, लता सिंह, पिंकी, सरोज देवी ने कहा कि हम सरकार और प्रशासन को चेता रहे हैं कि न्यायिक कार्यवाही में ढील बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रदर्शन को सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, सीपीआई एम बरौला ब्रांच सचिन धर्मपाल चौहान, सीटू नेता राजकरण सिंह, राकेश चौधरी, जयानंद आदि ने भी संबोधित किया।

दिनदहाड़े मुखर्जी नगर ज्वेलरी शोरूम में चली गोली

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। भारत की राजधानी दिल्ली में एक बड़े गैगस्टर का नाम सामने आ रहा है जो कि यह 4 गैग मिलकर एक बी कंपनी चला रहे है। बता दे कि यह गैगस्टर ज्वेलरी शोरूम के मालिकों को अपना निशाना बना रहे है। जो कि मुखर्जी नगर से आया है कि यहां बदमाशो ने एक करोड़ की रंगदारी मांगी और ना देने पर पर बदमाशों ने ज्वेलरी शोरूम पर पर फायरिंग की और एक पर्ची फेंक कर फरार हो गए। इस पर्ची में एक करोड़ की रंगदारी मांगने की बात कही गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पूरे मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो बदमाश बाइक पर सवार होकर दिनदहाड़े मुखर्जी नगर थाना इलाके के किंग्सवे कैंप स्थित सहगल ज्वेलरी शोरूम के बाहर पहुंचे और बदमाशों ने शोरूम के बाहर से गोलियां चलानी शुरू कर दिया। इसे देखकर पूरे इलाके में आसपास के लोग इधर-उधर भागने लगे। गोलियां चलाने के बाद बदमाशों ने एक पर्ची फेंकी, जिसमें बी गैंग लिखा था और साथ ही उसमें लिखा था कि अगर अपनी जान बचाना चाहते हो तो एक करोड़ रुपए दे दो वरना जान से हाथ धोना पड़ेगा। इसी के साथ-साथ उसे पर्ची में कुछ बदमाशों के नाम भी लिखे हुए थे। बी फॉर बवानिया गैंग, बी फॉर बमबिंह गैंग, बी फॉर बाली गैंग, बी फॉर भोला गैंग ऐसे नाम उस पर्ची पर लिखे थे। पुलिस ने शुरू की जांच बता दे कि मुखर्जी नगर थाना पुलिस को दी गई और इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची दिनदहाड़े गोलीबारी के मामले में जांच शुरू कर दी गई और पर्ची देखकर साफ हो गया की बदमाश बम्बिहा गैंग से ताल्लुक रखते हैं। बदमाश मौका-ए-वारदात पर पहुंचे थे और वारदात को अंजाम देने के बाद आजादपुर की तरफ फरार हो गए। फिर रिंग रोड से गीता कॉलोनी होते हुए पांडव नगर की तरफ भागे है। पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुट गई और दावा किया जा रहा है कि जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

भाजपा-कांग्रेस के पोस्टरों पर पोती कालिख

फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव ऐलान के साथ ही आचार संहिता लागू हो चुकी है। प्रशासनिक टीमें लगातार राजनीतिक पार्टियों के बैनर व पोस्टर हटाने का काम कर रही है।

रविवार सुबह फरीदाबाद में सडकों व फ्लाईओवर पर लगे भाजपा और कांग्रेस के पोस्टर व बैनर पर नेताओं के चेहरों पर कालिख पोती हुई मिली। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, फरीदाबाद विधायक नरेंद्र गुप्ता, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी, दीपक बाबरिया, भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा के अलावा लोकल नेताओं के पोस्टरों पर कालिख पोती गई। अभी यह सामने नहीं आया है कि पोस्टरों पर कालिख किसने पोती है। चार दिन पहले प्रशासन ने मीटिंग कर पोस्टर व बैनर हटाने का निर्णय लिया था। अमूमन चुनाव आयोग आचार संहिता लागू होने पर पोस्टर व बैनर को हटा देता है या फिर सफेद या आसमानी कलर से रंग देता है। इस मामले पर सहायक रिटर्निंग ऑफिसर आनंद शर्मा से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कॉल नहीं उठाई। गौरतलब है कि करनाल में पिछले दिनों विभिन्न स्थानों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के विवादित पोस्ट लगाए गए। इन पोस्टरों में सैनी और खट्टर को रोता हुआ दिखाया गया था।

पोस्टरों पर म्हारा हरियाणा नान स्टॉप हरियाणा का स्लोगन लिखा गया था।

आन्ध्र प्रदेश में कारखाने में विस्फोट: मानवाधिकार का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आंध्र प्रदेश के एक निजी औद्योगिक इकाई में विस्फोट में श्रमिकों की मृत्यु के मामले में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है।

आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस मामले में उसहने मीडिया की खबरों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुये यह नोटिस जारी किया है। विज्ञप्ति के अनुसार, मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि 21 अगस्त 2024 को, अनकापल्ली जिले के अच्युतपुरम विशेष आर्थिक क्षेत्र में एक निजी औद्योगिक इकाई में रिएक्टर विस्फोट में कम से कम 17 श्रमिकों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गये थे। आयोग ने कहा है कि इस मामले में सुरक्षा मानकों में किसी भी लापरवाही का पता लगाने के लिए गहन जांच के निर्देश दिए, विस्तृत रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर अपेक्षित है।

अधिकारियों की लापरवाही से पैदा हुए सीवर संकट : आतिशी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही से शहर में पैदा हुए सीवर संकट की वजह से दिल्ली महामारी के कगार पर पहुंच गई है। सुश्री आतिशी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि दिल्ली जल बोर्ड में जानबूझ कर वित्तीय संकट पैदा कर दिल्लीवालों का जीवन नर्क में डाला गया है। उन्होंने सीवर ओवरफ्लो की समस्या पर गंभीर चिंता जताते हुए मुख्य सचिव को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों का दौरा भी किया। उन्होंने कहा है कि सीवर संबंधित

संकट के समाधान की निगरानी करना मुख्य सचिव की जिम्मेदारी होगी। इस तरह से सीवर ओवरफ्लो होने के चलते कई बीमारियां पैदा हो सकती हैं और इससे दिल्ली में गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा है कि अधिकारियों की इस लापरवाही से शहर में पैदा हुए सीवर संकट की वजह से दिल्ली महामारी के कगार पर पहुंच गई है। उन्होंने मुख्य सचिव को कड़े शब्दों में निर्देश दिए हैं कि शहर के हर हिस्से में पर्याप्त संख्या में मैन पावर और मशीन की तैनाती की जाए, ताकि सीवर ओवरफ्लो की समस्या न हो।

साथ ही अगले 48 घंटों के अंदर जलबोर्ड को आवंटित बजट में से पर्याप्त धन जारी किया जाए और जलबोर्ड में जानबूझ कर फंड की कमी पैदा करने के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

मेट्रो परिचालन में बदलाव, छह बजे से शुरू चलेगी ट्रेन

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद से मेट्रो रेल में सफर करने वाले दैनिक यात्रियों के लिए राहत की खबर है। डीएमआरसी ने मेट्रो परिचालन के समय में बदलाव किया है। अब सोमवार से लेकर रविवार तक सातों दिन राजा नाहर सिंह स्टेडियम बल्लभगढ़ से चलने वाली मेट्रो 25 अगस्त से सुबह छह बजे से शुरू कर दिया गया है। अभी तक रविवार को सुबह आठ बजे से सेवा शुरू होती थी। दिल्ली एनसीआर में ऐसे सात कॉरिडोर हैं, जहां टाइमिंग में बदलाव किया गया है।

मेट्रो के प्रधान कार्यकारी निदेशक कॉरपोरेट कम्यूनिकेशन अनुज दयाल ने बताया दिल्ली एनसीआर के कॉरिडोर दिलशाद गार्डन से शहीद स्थल, नोएडा सिटी सेंटर से नोएडा इलेक्ट्रिक-सिटी, मुंडका से ब्रिगेडियर होशियार सिंह और बदरपुर बॉर्डर से राजा नाहर सिंह स्टेडियम बल्लभगढ़ में रविवार से सुबह आठ बजे के स्थान पर छह बजे से ही मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। इसी तरह मजलिस पार्क से शिव विहार, बॉटेनिकल गार्डन से जनकपुरी पश्चिम और ढांसा बस स्टैंड से द्वारका तक सुबह सात बजे से सेवा शुरू की गई है। दयाल ने बताया कि इन रूटों पर चलने वाले उन दैनिक यात्रियों को फायदा मिलेगा। जो प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने के लिए दिल्ली एनसीआर के शहरों में आते-जाते हैं। उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मेट्रो प्रबंधन ने ये फैसला किया है। रविवार के दिन समय में बदलाव होने से बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्रों को फायदा मिलेगा। सभी समय पर अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंच सकेंगे। क्योंकि अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएं रविवार को हुआ करती है। दयाल ने बताया कि सातों कॉरिडोर के अलावा अन्य रूटों पर मेट्रो परिचालन में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कार्यक्रम: 'रूस - एक भारतीय दृष्टिकोण' प्रदर्शनी का उद्घाटन

ऋषि तिवारी

नई दिल्ली। फिरोज शाह रोड, नई दिल्ली में मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन के पास डायना अलिपोवा (रूस के भारत में राजदूत की पत्नी), सुभाष वर्मा (राष्ट्रीय सलाहकार भारतीय यात्रा और पर्यटन विशेषज्ञ संघ), आयुष मोहन (सरोद वादक, मोहन ब्रदर्स), अन्य गणमान्य व्यक्तियों, कला प्रेमियों और मीडिया के सदस्यों के साथ। श्रीमती डायना अलिपोवा ने लाल फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, इसके बाद अतिथियों और क्यूरेटरों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन हुआ। डायना अलिपोवा ने उद्घाटन के समय कहा, यह प्रदर्शनी सीमाओं के पार लोगों के बीच संबंधों का प्रमाण है, जो सदियों से संपर्क में आने वाली संस्कृतियों के सेतु के रूप में कार्य करती है। यहाँ हम देखते हैं कि भारतीय कलाकारों ने अपने तरीके से रूस को कैसे समझा है, और यह देखना दिलचस्प है कि कुछ

कलाकार, जो वास्तव में कभी रूस नहीं गए हैं, ने घोंसले वाले गुड़िया या बर्फ से ढके परिदृश्यों के चित्रों के माध्यम से अपनी समझ प्रस्तुत की है। क्यूरेटर अक्षत सिन्हा और सविता गुप्ता ने बताया कि ह्लभारत और रूस के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध उन समयों से हैं जब वर्तमान समय का रूस और भारत अस्तित्व में नहीं थे। यह दोस्ती भाषा और दूरी की बाधाओं को पार करती है। अफनासी निकितिन की भारत यात्रा के समय से लेकर रेरिख परिवार की यात्रा और भारत में बसने तक, राज कपूर की 'आवारा' और बॉलीवुड की भावुक फिल्मों के रूसी में डब होने और रूस के राष्ट्रीय टीवी पर दिखाए जाने तक, और वर्तमान समय के व्यापार, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक। रक्षाबंधन का त्यौहार होने के बावजूद, यह देखकर बहुत खुशी होती है कि इतने सारे लोग (120+) इस प्रदर्शनी को देखने व कला और भारत-रूस के बंधन का समर्थन करने के लिए आए हैं।

अतिथि सुभाष वर्मा ने जोर देकर कहा, ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियों की आवश्यकता है जो देशों को करीब लाएं और कला को एकीकृत करने वाला बनाएँ, जैसे अधिक से अधिक लोग यात्रा करते हैं, न केवल पर्यटकों के रूप में। प्रसिद्ध सरोद वादक, आयुष मोहन, ने भी व्यक्तिगत अनुभव से कहा, जैसे हमारे (मोहन ब्रदर्स) संगीत प्रदर्शन दुनिया भर में लोगों को संगीत के तारों का उपयोग करके एकजुट करते हैं, वैसे ही कला के पास आत्मा को चंगा करने और आध्यात्मिक रूप से उत्थान करने की क्षमता है। रूस, एक भारतीय दृष्टिकोण - यह एक भारतीय व्यक्ति/कलाकार की दृष्टि से रूस को प्रस्तुत करने और संवाद शुरू करने का प्रयास करता है। प्रदर्शनी में चित्र, फोटोग्राफ और वस्तुएं (स्मृति चिह्न) शामिल हैं जो भारत की रूस के प्रति सद्भावना को दशार्ते हैं। प्रदर्शनी में 20+ भारतीय कलाकारों द्वारा चित्र, फोटोग्राफ और वस्तुएं प्रस्तुत की गई हैं।

एक नजर

आन्ध्र प्रदेश में कारखाने में विस्फोट: मानवाधिकार का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आंध्र प्रदेश के एक निजी औद्योगिक इकाई में विस्फोट में श्रमिकों की मृत्यु के मामले में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस मामले में उसहने मीडिया की खबरों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुये यह नोटिस जारी किया है। विज्ञप्ति के अनुसार, मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि 21 अगस्त 2024 को, अनकापल्ली जिले के अच्युतपुरम विशेष आर्थिक क्षेत्र में एक निजी औद्योगिक इकाई में रिएक्टर विस्फोट में कम से कम 17 श्रमिकों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गये थे। आयोग ने कहा है कि इस मामले में सुरक्षा मानकों में किसी भी लापरवाही का पता लगाने के लिए गहन जांच के निर्देश दिए, विस्तृत रिपोर्ट दो सप्ताह के भीतर अपेक्षित है।

माथुर ने धनखड़ से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शुक्रवार को सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने यहां मुलाकात की। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर यह जानकारी दी। श्री माथुर ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में श्री धनखड़ से मुलाकात की एवं उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया।

सेना का यू ए वी तकनीकी खराबी के कारण पाकिस्तानी सीमा में पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। सेना का एक मानवरहित यान (यू ए वी) शुक्रवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण नियंत्रण से बाहर होकर पाकिस्तानी सीमा में पहुंच गया। सूत्रों के अनुसार जब भारतीय सेना को पता चला कि यह यू ए वी पाकिस्तानी सैनिकों के पास है तो सेना ने पाकिस्तानी सेना को हॉटलाइन से संदेश भेजकर यू ए वी वापस लौटाने को कहा है। सूत्रों ने कहा है कि यह यू ए वी भारतीय सीमा में प्रशिक्षण उडान पर था कि सुबह नौ बजकर 25 मिनट पर तकनीकी खराबी के कारण यह नियंत्रण से बाहर हो गया और भारत के भीम्बर गली सेक्टर के सामने पाकिस्तान के निकियाल सेक्टर में चला गया। रिपोर्टों के जरिये जब सेना को पता चला कि यह पाकिस्तानी सीमा में पाकिस्तानी सैनिकों के पास है तो उसने हॉटलाइन से संदेश भेजकर यू ए वी को लौटाने को कहा है।

भारत, इंडोनेशिया ने आतंकवाद से मुकाबले पर संयुक्त कार्य समूह की बैठक की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंडोनेशिया ने शुक्रवार को जकार्ता में आतंकवाद से मुकाबले पर अपने संयुक्त कार्य समूह की छठी बैठक की। दोनों पक्षों ने बैठक में आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा की और इसका मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (आतंकवाद-रोधी) के.डी. देवल ने किया। जबकि इंडोनेशियाई पक्ष का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी एजेंसी के उप, अंधिका क्रिसनायुधंतो ने किया।

यहां जारी एक बयान में कहा गया कि भारत और इंडोनेशिया ने बैठक के दौरान व्यापक और निरंतर तरीके से आतंकवाद से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने सीमा पार आतंकवाद के लिए छद्म आतंकवादियों के इस्तेमाल की भी निंदा की। दोनों देशों ने घरेलू क्षेत्रीय और वैश्विक आतंकवाद खतरे के आकलन पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने आतंकवादियों द्वारा नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग, आतंकवादी उद्देश्यों के लिए इंटरनेट के दुरुपयोग, आतंक के वित्तपोषण और संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच सांठगांठ से संबंधित आतंकवाद विरोधी चुनौतियों पर चर्चा की।

एनपीएस की जगह आयी, नयी पेंशन योजना यूपीएस

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने वर्ष 2004 के बाद सेवा में आने वाले केन्द्रीय कर्मचारियों के लिये लागू नयी पेंशन योजना (एनपीएस) के विकल्प के रूप में शनिवार को एक नयी एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) लाने का फैसला किया है जिसमें कर्मचारियों को सेवानिवृत्त के बाद आखिरी वेतन की करीब 50 प्रतिशत सुनिश्चित पेंशन मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आज यहां हुई बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी। रेल, सूचना प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उनके साथ भावी कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन भी थे जिन्होंने यूपीएस को तैयार करने में केन्द्रीय भूमिका निभायी थी। एकीकृत पेंशन योजना एक अप्रैल 2025 से लागू होगी। श्री वैष्णव ने कहा कि यूपीएस में कर्मचारी को 25 वर्ष की सेवा के बाद आखिरी वर्ष के औसत वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन मिलेगी। यूपीएस के लिये कर्मचारियों के अंशदान को एनपीएस की मौजूदा व्यवस्था के 10 प्रतिशत के बराबर ही रखा गया है जबकि सरकार ने अपने अंशदान को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। इस पेंशन योजना में पारिवारिक पेंशन, गारंटी शुदा न्यूनतम पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद एकमुश्त भुगतान के भी प्रावधान किये गये हैं।

संक्षिप्त खबरें

नगरवासी बिजली कटौती से परेशान

किरतपुर। नगर में पिछले काफी समय से विद्युत कटौती का बुरा हाल है` शासन के आदेश अनुसार नगर में 20 घंटे विद्युत सप्लाई एवं गांव देहात में 18 घंटे सप्लाई के आदेश हैं उसके बावजूद नगर में सुबह 5 से ही भारी विद्युत कटौती की जाती है। सुबह 5 से 6 तक रोस्टिंग एवं उसके बाद 12 बजे तक लगभग कम से कम 10 बार विद्युत कटौती की जाती है। दिन में बार-बार विद्युत कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं। एसडीओ प्रमोद कुमार से संपर्क करने पर उनके द्वारा कोई संतोष जनक जवाब नहीं दिया जाता। उनके द्वारा बता दिया जाता है कि कंट्रोल रूम से सप्लाई बंद होगी। जिसका कारण उन्हें नहीं पता होता है और ना ही वह उपभोक्ता को विद्युत कटौती के विषय में पूर्ण जानकारी दे पाते। जबकि कुछ उपभोक्ता से खंड अधिकारी का कहना है कि किरतपुर में अतिरिक्त चार्ज पर हूं। वहीं दूसरी ओर शासन के आदेशानुसार जिस अधिकारी की तैनाती जिस नगर में की गई है उस अधिकारी को अपना निवास उसी नगर में बनाना पड़ेगा, मगर यहां अतिरिक्त चार्ज के उपखंड अधिकारी अपने आवास जिला मुख्यालय पर चले जाते हैं। उपभोक्ता को यदि कोई भी परेशानी होती है तो उस परेशानी के समाधान के लिए उनको काफी मशक्कत उठानी पड़ती है।शाम 6 बजे के बाद उपखंड अधिकारी व ओवर अभियंता दोनों अधिकारी अपने निवास बिजनौर पहुंच जाते हैं। उन्हें विद्युत कटौती के समय कारण का कुछ पता नहीं होता। नगर वासियों का कहना है कि उच्च अधिकारियों को मामले को संज्ञान में लेकर ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सत्य-सख्त कार्यवाही करनी चाहिए। जो शासन के आदेशों का पालन बिल्कुल भी नहीं कर रहे।

सड़क पर पुलिस से अभद्रता: सिपाही से बोला युवक- वर्दी उतार दो... तो दो मिनट में भूत बना दूंगा; वीडियो वायरल

बरेली। बरेली के फरीदपुर में टोल प्लाजा पर डायल 112 के सिपाहियों की किसी बात को लेकर एक युवक से कहासुनी हो गई। युवक के हौसले इतने बुलंद थे कि उसने पुलिसकर्मियों से अभद्रता कर दी। उसने एक सिपाही को धमकी भी दी। कहा कि वर्दी उतार दो तो दो मिनट में भूत उतार दूंगा। वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक शनिवार रात टोल प्लाजा पर रोडवेज बस और ट्रक की टक्कर होने की सूचना पर पीआरवी के सिपाही पहुंचे थे। पुलिसकर्मियों ने ट्रक और बस चालक से थाने चलने के लिए कहा। इस पर ट्रक चालक ने कार्रवाई करने से मना कर दिया। वहीं रोडवेज बस चालक ने ट्रक चालक से आपसी समझौता कर लिया और उसे नुकसान के 1500 रुपये दे दिए।

पुलिसकर्मियों को दीं गालियां

इसी दौरान टोल प्लाजा पर खड़े एक युवक से पुलिसकर्मियों की कहासुनी हो गई। युवक के हौसले इतने बुलंद थे कि उसने पुलिसकर्मियों से गालीगलौज कर दी। उसने एक सिपाही से कहा कि वर्दी उतार दो अभी दो मिनट में भूत बना दूंगा। इस तरह की धमकी सुन यूपी पुलिस के सिपाही भी दंग रह गए। काफी देर तक वहां हंगामा होता रहा। बाद में युवक बेखौफ होकर वहां से चला गया।

पुलिस से अभद्रता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फरीदपुर थाने के इंस्पेक्टर क्राइम संतोष सिंह को संबंध में जब जानकारी हुई। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मियों ने युवक के खिलाफ तहरीर देने से मना कर दिया। वहीं सिपाहियों ने यहां तक कह दिया कि उनके साथ इस तरह की घटनाएं आए दिन होती रहती है। इसलिए वह कार्रवाई नहीं कराएंगे।

राज्य सूचना आयुक्त वीरेंद्र सिंह वत्स ने की समीक्षा बैठक, बोले- सूचना न देने से गड़बड़ी का संदेह

वाराणसी। राज्य सूचना आयुक्त ने वरुणा नदी में गिर रहे नालों के पानी को गंभीरता से लेते हुए वाराणसी में रविवार को विभागों के साथ बैठक किया। विभागों को अगली बैठक में कार्ययोजना तैयार कर आने की बात कही। साथ ही कहा कि सूचना न देने से गड़बड़ी का संदेह होता है।

राज्य सूचना आयुक्त वीरेंद्र सिंह वत्स ने रविवार को सर्किट हाउस में विभागों की बैठक ली। जिसमें उन्होंने दो विभाग के लोगों के न पहुंचने पर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही अद्यतन जानकारी लेकर उन्हें लखनऊ तलब किया। बैठक में नमामि गंगे, जल जीवन मिशन, अर्थ एवं संख्या व पर्यटन विभाग के लोग उपस्थित रहे। राज्य सूचना आयुक्त ने आरटीआई (फ्लैक) के तहत आ रहे सवालों का उल्लेख करते हुए विभागों को दिए जा रहे बजट का ब्योरा भी मांगा।उन्होंने सूचना समय से दिए जाने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि जनसूचना अधिकार जनता का सबसे बड़ा हथियार है। कहा कि जो सूचना देय है उसे समय से दे देनी चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभाग जनसूचना की समीक्षा बैठक नियमित निश्चित रूप से करें। साथ ही कहा कि विभाग के लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए राज्य सूचना आयोग जनसूचना अधिकार के प्रति जागरूकता के लिए एक कार्यशाला आयोजित करेगा।

मिल्कीपुर उपचुनाव: सपा ने अटकलों पर लगाया विराम सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत को बनाया प्रत्याशी

अयोध्या मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने प्रत्याशी को लेकर चल रही सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए अजीत प्रसाद पर दांव लगाया है। रविवार को लखनऊ पार्टी कार्यालय पर हुई जिले के सपा नेता व कार्यकताओं की बैठक में अजीत प्रसाद के प्रत्याशी बनने पर आम सहमति बनने के बाद इसकी घोषणा हुई है। सभी ने एकजुट होकर मिल्कीपुर उपचुनाव जिताने का संकल्प लिया है। मिल्कीपुर विधायक रहे अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के बाद इस सीट पर उपचुनाव होना है। सुरक्षित सीट पर पार्टी ने पहले से ही सांसद पुत्र अजीत प्रसाद को प्रत्याशी बनाने के संकेत दिए थे, फिर भी दो अन्य नेता भी दावेदारी कर रहे थे। प्रत्याशी पर अंतिम निर्णय लेने के लिए रविवार को सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लखनऊ कार्यालय पर पार्टी के सभी पूर्व विधायकों, पदाधिकारियों, बूथ व सेक्टर एजेंटों समेत लगभग 700 लोगों के साथ बैठक की और प्रत्याशी को लेकर चर्चा की। सभी से सुझाव मांगे।

सीएम योगी ने दिए निर्देश- यूपी की हर जेल और थाने में भव्यता और भक्तिभाव के साथ मनाई जाए जन्माष्टमी

लखनऊ जन्माष्टमी के अवसर पर पूरे प्रदेश में घरों और मंदिरों के साथ-साथ पुलिस थानों, कारागारों और पुलिस लाइन में भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव पूरे हर्षोल्लास और भक्तिभाव से मनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व से पूर्व सभी रिजर्व पुलिस लाइंस, पुलिस थानों एवं कारागारों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व परंपरागत भक्तिभाव से मनाए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सीएम ने प्रदेश भर में कृष्णलीला, झांकी और शोभायात्रा के आयोजनों के दौरान वहां सुरक्षा, सफाई व अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से करने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल के प्रबंध करने के भी निर्देश दिए हैं। सीएम योगी के निर्देशों का अनुपालन करते हुए उत्तर प्रदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा के महानिदेशक पीवी रामा शास्त्री ने प्रदेश के समस्त कारागारों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी को परंपरागत रूप से मनाए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

श्रीकृष्ण जन्मस्थली मथुरा में बरती जाए विशेष सतर्कता...मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी पर्व को लेकर रविवार को अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़ी श्रद्धा एवं धूम-धाम से मनाया जाता है, जिसमें सम्मिलित होने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मथुरा नगर स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि/शाही ईदगाह मस्जिद स्थल अत्यन्त संवेदनशील है। यह स्थल आईएसआई व विभिन्न आतंकवादी संगठनों के निशाने पर भी है। इसको देखते हुए भी विशेष सतर्कता एवं समुचित पुलिस प्रबंध किए जाएं।

झांकियों, शोभायात्राओं के दौरान न उत्पन्न हो विवाद की स्थिति...इसके साथ ही सीएम योगी ने पूजा अर्चना, शोभायात्रा के दौरान किसी भी तरह के विवाद की स्थिति न बने, इसको लेकर भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विवादित स्थलों पर झांकियों को सजाने, शोभायात्रा के मार्ग में विवाद एवं नए मार्गों को लेकर अक्सर विवाद देखने को मिलते हैं। इसके साथ ही, परंपरा से हटकर कार्यक्रमों के आयोजन तथा गैरपरंपरागत जुलूस/शोभायात्रा निकाले जाने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग का भी उपयोग किया जाता है। वहीं, दूसरे संप्रदाय के धार्मिक स्थलों में पूजा अर्चना के दौरान उनके करीब से शोभायात्राओं के गुजरते समय ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, शोभायात्राओं/कार्यक्रमों के समय आपत्तिजनक टीका-टिप्पणी/नारेबाजी आदि को लेकर पूर्व में कई स्थानों पर विवाद की स्थिति सामने आई है। ऐसी स्थिति कहीं भी न बने, इसके लिए संवेदनशीलता के साथ सभी आवश्यक प्रबंध किए जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा को देखते हुए वीडियोग्राफी कराई जाए। सभी कार्यक्रम स्थलों के आसपास तथा शोभायात्रा के मार्ग पर स्थित सीसीटीवी कैमरों को कियाशील कराया जाए। महत्वपूर्ण संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरा से भी चेकिंग कराई जाए।

कहीं भी न हो अशोभनीय नृत्य का कार्यक्रम

सीएम ने निर्देश दिया कि समस्त जनपदों में गश्त चेकिंग के लिए पुलिस पार्टी नियमित रूप से निकाली जाए। प्रातः गश्त चेकिंग पार्टी (पोस्टर पार्टी) द्वारा सघन रूप से चेकिंग करते हुए सुनिश्चित किया जाए कि कहीं पर कोई आपत्तिजनक पोस्टर न लगा हो। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा भी इस त्यौहार को शालीनता एवं हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने की परंपरा रही है। समस्त सुरक्षा व्यवस्था के अतिरिक्त यह भी सुनिश्चित करें कि यह पवित्र त्योहार परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास व शालीनता के साथ मनाया जाए। इस अवसर पर किसी भी प्रकार का अशोभनीय नृत्य का कार्यक्रम न हो। संबंधित पुलिस आयुक्त, जनपद प्रभारी एवं सेनानायक पहले से ही इस संबंध में किए जाने वाले कार्यक्रमों का अवलोकन करें और प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार का अशोभनीय एवं अश्लीलतापूर्ण संवाद अथवा नृत्य न होने पाए।

आयोजन स्थलों पर हो पर्याप्त पुलिस की व्यवस्था

सीएम योगी ने निर्देश दिए कि समस्त जनपदों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से संबंधित समस्त आयोजन, लीला स्थल, पंडाल, मंदिर एवं शोभायात्राओं को सूचीबद्ध कर योजनाबद्ध पुलिस की व्यवस्था की जाए। साथ ही समस्त आयोजनों में आने वाले श्रद्धालुओं की संभावित संख्या का आंकलन करते हुए सुदृढ़ सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी नई परंपरा की अनुमति कदापि न दी जाए। असामाजिक, साम्प्रदायिक तत्वों की सूची को अपडेट करें और आवश्यकता पड़ने पर इन साम्प्रदायिक एवं अवांछनीय तत्वों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि समस्त जनपदों की पुलिस लाइन तथा इस्कान मंदिरों में वृहद कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जहां काफी अधिक संख्या में श्रद्धालु, महिला, पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग सम्मिलित होते हैं। इन कार्यक्रमों को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपदीय प्रभारी द्वारा प्रभावी सुरक्षा और यातायात प्रबंधन किया जाए।

विवाद सुलझाने का करें प्रयास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विगत वर्षों में या इस वर्ष अभी तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व से संबंधित जिन-जिन स्थानों पर किसी प्रकार का विवाद सामने आया हो, वहां पुलिस एवं राजस्व विभाग के गजटेड अधिकारियों द्वारा अभी से स्थिति का अध्ययन कर लिया जाए एवं विवाद को सुलझाने तथा संवेदनशीलता को दूर करने के लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सीएम योगी ने कहा कि अधीनस्थ कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि वे अपनी बीट में जाकर सभी प्रकार के विवाद की जांच करें और बीट सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जाकर विवाद को समय रहते हल कराएं। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी द्वारा आवश्यकतानुसार विभिन्न विवाद के स्थलों, मार्गों का भ्रमण भी कर लिया जाए।

इंकार कर रही है शिक्षिका मैंने नहीं हटवाया तिलक मामूली बात को धार्मिक रुप दे दिया सोशल मीडिया में

किरतपुर। किरतपुर क्षेत्र के गांव भनेड़ा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्रों द्वारा माथे पर तिलक लगाकर आने से उपजा विवाद दो अध्यापिकाओं का आपसी मनमुटाव का कारण हो सकता है। माथे पर लगे तिलक वे सर पर ओढ़ी टोपी के कारण विवाद हिन्दू-मुस्लिम में तब्दील हो गया। जिसे सोशल मीडिया पर हवा मिली। हालांकि जिस अध्यापिका का हवाला देकर बताया गया है कि वह तिलक लगाकर आने वाले बच्चों का तिलक मिटवा देती है और टोपी ओढ़कर आने बच्चों को दुलारती है। उस अध्यापिका ने ऐसी किसी भी बात से साफ इंकार किया है। सोशल मीडिया पर जिस तरह वीडियो वायरल की गयी उसने इस प्रकरण को पूरी तरह से धार्मिक रुप दे दिया। मामला तूल पकड़ रहा है बीएसए ने क्षेत्रीय खण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को प्रकरण की जांच के आदेश दिये हैं। गौरतलब है कि जनपद बिजनौर में किरतपुर क्षेत्र के गांव भनेड़ा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे कक्षा छः के बच्चों में दो-चार बच्चे घर से जब विद्यालय आते हैं तब उनके अभिभावक माथे पर तिलक लगा देते हैं ऐसी ही दो-चार बच्चे जब कक्षा में आते हैं तब उनके सर पर टोपी होती है। शिक्षकों के लिये यह मामूली बात है किसी भी शिक्षक या शिक्षिका ने कोई तवज्जो नहीं दी। मगर रविवार को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई जिसमें अभिभावकों, बच्चों द्वारा आरोप लगाया है कि कक्षा में एक मुस्लिम अध्यापिका तिलक लगाकर आने पर बच्चों के साथ अच्छा सुलूक नहीं करती और उन्हें डाटती डपटती है। उनका तिलक मिटवा दिया जाता है। आरोप है कि जो मुस्लिम बच्चा टोपी लगा कर आता है उसे वह अध्यापिका दुलारती है। मुख्य अध्यापक राजेन्द्र सिंह ने बताया कि ऐसा कुछ भी नहीं है जैसा सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में तिलक लगाने की घटना जैसे ही उन्हें पता चली वैसे ही उन्होंने अध्यापिकाओं से पूरी जानकारी हासिल की। उन दोनों अध्यापिकाओं का कहना है कि हमारे हवाले से जो बात फैलायी जा रही ऐसा कुछ भी नहीं है। बहरहाल बीएसए ने विकास खण्ड किरतपुर के खण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) सुर्यकांत गिरि को जांच के निर्देश दिये गये हैं।

मायावती का एलान - सपा-कांग्रेस आरक्षण विरोधी भविष्य में भी इनसे कोई गठबंधन नहीं करेंगे

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा-कांग्रेस को आरक्षण विरोधी बताते हुए इन दलों के साथ भविष्य में भी किसी भी तरह के गठबंधन से इन्कार किया है। रविवार को सोशल साइट पर जारी किए गए अपने बयान में उन्होंने सपा-कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस से सवाल किया कि सत्ता में रहते इन्होंने जातीय जनगणना क्यों नहीं करवाई।

उन्होंने कहा कि कल (शनिवार) प्रयागराज में संविधान सम्मान समारोह करने वाली कांग्रेस पार्टी को बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के अनुयायी कभी माफ नहीं करेंगे, जिसने संविधान के मुख्य निमार्ता बाबा साहेब को उनके जीते-जी व देहान्त के बाद भी भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं किया। साथ ही, बाबा साहेब की मूवमेन्ट को गति देने वाले कांशीराम जी का देहान्त होने पर इसी कांग्रेस ने केन्द्र में अपनी सरकार के रहते इनके सम्मान में एक दिन का भी राष्ट्रीय शोक तथा सपा सरकार ने भी राजकीय शोक घोषित नहीं किया। इनकी ऐसी दोगली सोच, चाल और चरित्र से जरूर सजग रहें।

इसके अलावा केन्द्र में बीजेपी की सत्ता आने से पहले कांग्रेस ने अपनी सरकार में राष्ट्रीय जातीय जनगणना क्यों नहीं कराई थी जो अब इसकी बात कर रहे हैं, जवाब दें? जबकि बीएसपी इसकी हमेशा ही पक्षधर रही है, क्योंकि इसका होना कमजोर वर्गों के हित में बहुत जरूरी है। संविधान के तहत अनुसूचित जाति और जनजाति को मिले आरक्षण में अब वर्गीकरण व क्रीमीलेयर के जरिये, इसे निष्प्रभावी बनाने व खत्म करने की चल रही साजिश के विरोध में कांग्रेस, सपा व भाजपा आदि का भी चुप्पी साधे रखना क्या यही इनका दलित प्रेम है, सचेत रहें।

सपा व कांग्रेस आदि जैसी इन आरक्षण विरोधी पार्टियों के साथ अब किसी भी चुनाव में इनसे कोई गठबंधन करना क्या अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों के हित में उचित होगा। यह कतई नहीं होगा ऐसे में अब इनको खुद अपने दम पर खड़े होना है, यही सलाह है।

एएमयू के बाहर फायरिंग मामले में दो छात्र सहित चार गिरफ्तारी

अलीगढ़ एएमयू के सेंचुरी गेट के पास पुरानी चुंगी पर 23 अगस्त शाम दो गुटों में मारपीट के दौरान रिक्शा चालक को गोली लगने के मामले में 13 नामजदों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। चार आरोपी दबोचे गए हैं, जिनमें से एएमयू के दो छात्र बताए गए हैं। बाकी की तलाश सीसीटीवी की मदद से की जा रही है।

यह मुकदमा सिविल लाइंस के हमदर्द नगर के रफीक ने कराया है। मुकदमे के अनुसार, उनका रिक्शा चालक भाई शेरखान पुरानी चुंगी पर एक दुकान पर चाय पी रहा था। तभी दोपहिया वाहनों पर बीस से अधिक युवक वहां आए। उनका आपस में झगड़ा हुआ। फायरिंग भी हुई, जिसमें उनके भाई के गोली लग गई। इस मुकदमे में एक पक्ष से गोल मार्केट निवासी उमर उर्फ वाड, जमालपुर निवासी समीर, रेलवे क्वार्टर निवासी फैजान, पुरानी चुंगी निवासी हासिर, शमशाद मार्केट निवासी अब्दुल्ला, जमालपुर निवासी अरशद व दूसरे पक्ष से जीवनगढ़ गली नंबर आठ निवासी मुस्तफा, टीचर्स कालोनी निवासी नैयर शेख, धौरामाफी निवासी सहजर आजमी, दोदपुर का अब्दुल्ला, धौर्रा माफी निवासी शारिक, एएमयू के एमएम हाल निवासी आकिब धौरामाफी निवासी अब्दुल्ला आदि नामजद किए गए हैं। एसओ सिविल लाइंस दिनेश सिंह के अनुसार, नामजदों में अधिकांश एएमयू छात्र बताए गए हैं, उनकी पहचान के लिए एएमयू से संपर्क किया गया है।

गुलदार की समस्या बन न जाए शहर वासियों के लिए बहुत बड़ा जोखिम!!

आजकल जनपद बिजनौर के अंतर्गत एक भीषण समस्या गुलदार की बन चुकी है!! जिसकी चपेट में पिछले 1 साल से 24 व्यक्तियों की जान सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार जा चुकी है, कई जाने जो गुलदार के हमले से गई हैं उनका लेखा-जोखा भी नहीं है साथ ही कई लोग जो मोटरसाइकिल बैलगाड़ी स्कूटर से चलते हैं वह घायल भी हुए हैं जिनकी संख्या लगभग सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार 30 है!

इसके अलावा पालतू जानवर बछिया बकरी कुत्ता बिल्ली घोड़ी आदि भी जो अपना रैन बसेरा जंगलों में पेड़ों में रहकर छुपाकर ही करते थे वह भी बहुत संख्या में गुलदार का शिकार हो चुके हैं जिनका भी कोई सरकारी रिकॉर्ड नहीं रखा गया है!! इसके अलावा जंगली जानवर माही गीदड़ हिरन आदि जंगलों में से विलुप्त हो गए हैं! गुलदार के कारण अधिकतर किसानों ने अपने खेतों पर समूह में जाना शुरू कर दिया है और अधिकतर किसानों ने अपने खेतों पर जाना बंद भी कर दिया है जिसे देखा जाए तो खेती को भी भारी नुकसान हो रहा है! लेकिन इसके बावजूद भी जिला प्रशासन वन विभाग अधिकारी जनप्रतिनिधि उतने सचेत नहीं है जितना कि उन्हें होना चाहिए!!

मेरा अनुमान है कि जिस रफ्तार से गुलदारों की संख्या जनपद में बढ़ रही है वह अगले एक-दो साल में हजारों की संख्या में पहुंचकर बिजनौर शहर में एवं आसपास के कस्बों में भी दिखाई देंगे! वन विभाग के आंकड़े अनुसार गुलदारौ की संख्या वर्तमान में 500 है और मेरा मानना है एक गुलदारानी साल में दो बार बियाती है एक बार में दो से तीन शावक देती है तो अगर इस हिसाब से हिसाब लगे तो गुलदार की संख्या करीब 3000 पहुंचेगी जो नियंत्रण से बाहर एवं खतरे के अंतर्गत हो जाएगी साथ ही ,मैं सरकार का यहां भी ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि गुलदार से हमले में करने वालों को 500000 मुआवजा सरकार देती है जो कि देखा जाए तो एक एक्सीडेंट क्लेम में घायल व्यक्ति को 5 लाख का मुआवजा मिलता है और गुलदार के हमले से हुई आकस्मिक अकाल मृत्यु उसमें जवान बच्चे, बूढ़े, महिला सब चपेट में आए हैं जिसे देखा जाए तो मुआवजे की संख्या 1 करोड रुपए भी काम है क्योंकि यह गुलदार के शावक हमारे केंद्र सरकार की ही देन है केंद्र सरकार के द्वारा ही छुड़वाए गए थे!! गुलदार की विशेषता यह है कि यह संपूर्ण मांसाहारी है जिससे कि उसे सिर्फ मांस के कुछ नहीं दिखता चाहे वह इंसान का हो चाहे जंगली जानवर का !!

मेरा प्रशासन से जनप्रीनिधि से एवं वन विभाग अधिकारी से यह अनुरोध है कि बिजनौर जनपद को इस गंभीर समस्या से निजात दिलाने का कष्ट करें एवं इस समस्या को अपने व्यक्तिगत रूप से देखकर जनपद को निजात दिलाई जाए मैं भी एक किसान हूं मेरा गांव गड?ना है वहां के लोगों ने भी मुझसे कई बार इस गंभीर समस्या के बारे में बताया तो मैंने आज प्रेस के माध्यम से अपना यह तर्क विषय के रूप में रखने के साथ प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना चाहा ,मेरे गांव के कुछ किसान गुलदार के डर से अपने खेत पर भी नहीं जा रहे हैं।।

एमपी सिंह(से० नि०) पुलिस उपाधीक्षक
निवास गीता नगरी बिजनौर

अस्पताल में नर्स से हैवानियत: डॉक्टर को लेकर सामने आया चौंकाने वाला सच

मुरादाबाद। स्वास्थ्य विभाग की जांच में ठाकुरद्वारा में नर्स से दुष्कर्म का मुख्य आरोपी शाहनवाज बीयूएमएस डॉक्टर नहीं, झोलाछाप निकला है। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि हमारे यहां शाहनवाज का पंजीकरण नहीं है। उसकी डिग्री के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है।

इसकी रिपोर्ट बनाकर सीएमओ व डीएम को भेजी जा चुकी है। शाहनवाज एबीएम अस्पताल का संचालक होने के साथ वहां ओपीडी भी करता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह मरीजों को अंग्रेजी दवाएं लिखता था, जबकि सीएमओ कार्यालय में एबीएम अस्पताल में ओपीडी के लिए एमबीबीएस डॉ. हिमांशु चौधरी व सर्जन डॉ. सरताज आलम का पंजीकरण था।

इन्हीं के नाम पर शाहनवाज अस्पताल चला रहा था। क्षेत्र में जान पहचान का लाभ लेकर व लोगों से खुद को बीयूएमएस डॉक्टर बताकर उनका इलाज भी कर रहा था। अस्पताल में किसी स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ के दस्तावेजों का पंजीकरण न होने के बावजूद वहां डिलीवरी के केस आते थे।

चर्चा है कि शाहनवाज ने अपनी पत्नी को भी बीयूएमएस डॉक्टर के रूप में लोगों से परिचित कराया था। डिलीवरी के केस उसकी पत्नी ही देखती थी। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमरदीप नायक ने कहा कि हमारे कार्यालय में शाहनवाज का पंजीकरण बीयूएमएस डॉक्टर के तौर पर नहीं है। उसे ओपीडी करने का अधिकार नहीं है।

बीएएमएस व बीयूएमएस डॉक्टरों के क्लीनिक की जांच शुरू..शाहनवाज के मामले के बाद आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्साधिकारी ने बीएएमएस व बीयूएमएस डॉक्टरों के क्लीनिक की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा कि जितने क्लीनिक व अस्पताल पंजीकृत हैं, सबकी जांच होगी। जो डॉक्टर एलोपैथिक की प्रैक्टिस कर रहे हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए लिखेंगे। जो क्लीनिक पहले सील किए जा चुके हैं, उनकी सघनता से जांच होगी कि कहीं दोबारा तो नहीं खुल गए हैं।

दुष्कर्म के आरोपी के मकान और मदरसों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी...ठाकुरद्वारा में नर्स से दुष्कर्म के आरोपी एबीएम अस्पताल के संचालक शाहनवाज के पिता के तीनों मदरसों और मकान पर पुलिस प्रशासन ने बुलडोजर चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रशासन की जांच में सामने आया है कि आरोपी का मकान और मदरसों का कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर बना है। प्रशासन ने रिपोर्ट बनाकर शासन को भेज दी है। मदरसों का पंजीकरण निरस्त करने की भी संस्तुति की गई है। शासन से हरी झंडी मिलते ही मकान और मदरसे को जमींदोज किया जाएगा।

दुष्कर्म का आरोपी शाहनवाज डिलारी के राजपुर केसरिया गांव का रहने वाला है। गांव में उसका मकान है, जबकि उसका पिता हकीम सगीर अहमद सकलैनी तीन मदरसों का संचालन एक ही भवन में कर रहा है।शुक्रवार को एसडीएम ठाकुरद्वारा, सीओ ठाकुरद्वारा और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की टीम ने गांव पहुंचकर जांच पड़ताल की थी। जांच में सामने आया है कि मकान और मदरसे का कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर है। पुलिस प्रशासन की टीम जल्द ही अब बुलडोजर से मकान और मदरसे को जमींदोज करेगी। डीएम अनुज सिंह ने बताया कि मदरसा सरकारी जमीन पर बना हुआ है। आरोपियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई भी की जाएगी।

महीने में चार दिन आते थे सर्जन, बाकी दिन झोलाछाप के सहारे...मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के एबीएम अस्पताल में जिन सर्जन के नाम पर सर्जरी के मरीज भर्ती किए जाते थे, वह सिर्फ महीने में चार दिन ही आते थे। यह बात खुद सर्जन डॉ. सरताज आलम ने स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि जुलाई में वह काशीपुर से मुरादाबाद रहने आ गए। यहां दूसरे अस्पताल में उन्होंने सर्जन के तौर पर नियुक्ति ले ली।

ट्रांसफर-पोस्टिंग पर BJP ने दिखाया RJD को आंकड़ों वाला आईना

तेजस्वी जी कितना माल छापे थे!

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। कितना छापे तेजस्वी जी! अपने पिता लालू जी का कीर्तिमान ध्वस्त कर पाए या नहीं, माल छापने में! उपरोक्त बयान है, बीजेपी नेता और वरिष्ठ प्रवक्ता नीरज कुमार के। नीरज कुमार ने आंकड़ों और तथ्यों को सामने रखते हुए एक्स पर सवाल पोस्ट करते हुए तेजस्वी यादव से पूछा है। नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव के कार्यकाल में हुए ट्रांसफर पोस्टिंग और उसको लेकर हुए विवाद और भ्रष्टाचार के आरोपों का पूरा लेखा जोखा शेयर किया है। नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव से पूछा है कि जब आप तत्कालीन डिप्टी सीएम रहे, उस वक्त आपने कितना माल छापा! नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव के 2016 वाले कार्यकाल की याद दिलाई है। उन्होंने कहा है कि उस समय पथ निर्माण विभाग में बड़े पैमाने पर तबादला किया गया। विपक्ष ने उस वक्त तेजस्वी यादव को घेरा था। इस तबादले में पैसों के लेनदेन की बात सामने आई थी।

वरिष्ठ प्रवक्ता नीरज कुमार आगे बताते हैं कि तेजस्वी यादव ने 2016 में पथ निर्माण विभाग में 1 अभियंता प्रमुख, 6 मुख्य अभियंता, 57 अधीक्षण अभियंता और 112 कार्यपालक अभियंताओं का तबादला किया। इसके अलावा 138 सहायक अभियंताओं का तबादला किया। उस वक्त विपक्ष ने काफी हल्ला मचाया। कहा गया कि इस तबादले के खेल में जमकर पैसे की धांधली हुई है। तेजस्वी ने उस वक्त ये कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि ये लोग चार वर्षों से एक ही जगह जमे हुए थे। उसके बाद नीरज कुमार जीतन राम मांझी के 26 फरवरी, 2024 के दिए बयान को कोट करते हुए पूछते हैं कि आखिर आपके ऊपर आरोप कैसे लगे तेजस्वी जी?

जीतन राम मांझी ने आरोप लगाते हुए कहा था कि पिछली महागठबंधन की सरकार में तेजस्वी यादव ने ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर 50-50 लाख रुपए लेकर करोड़ रुपए कमाए हैं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बड़े पैमाने पर सीओ के ट्रांसफर-पोस्टिंग का खेल करने जा रहे थे, लेकिन समय रहते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऐसा नहीं होने दिया। हालांकि, तेजस्वी यादव ने हजारों करोड़ रुपए जरूर कमा लिए है। नीरज कुमार ने आगे बताया कि साल 2023 के जून माह में करीब 1000 कर्मचारी और अधिकारियों का तबादला किया गया था। राजस्व और भूमि सुधार विभाग में 480 अधिकारियों का तबादला हुआ। हालांकि आदेश पारित होने के 25 दिनों के अंदर सीएम नीतीश कुमार ने इसे रद्द कर दिया था।

उन्होंने आगे कहा कि स्वास्थ्य विभाग में भी 500 तबादलों को रद्द किया गया था। बता दें कि महागठबंधन की सरकार में राजद नेता आलोक मेहता भूमि एवं राजस्व विभाग में मंत्री थे और तेजस्वी यादव को डिप्टी सीएम के अलावा स्वास्थ्य मंत्रालय का भी जिम्मा था। इन तबादलों में लाखों रुपये की राशि वसूलने का आरोप आरजेडी कोटे के मंत्रियों पर लगा था। वरिष्ठ प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव के विभाग में हुए इस तबादले को लेकर मुख्यमंत्री ने खुद संज्ञान लिया था। कारण ये था कि इन तबादलों में शिकायत मिली थी कि गड़बड़ी की गई है और पैसे का लेनदेन हुआ है। खुद मुख्यमंत्री का बयान जान लीजिए- मुख्यमंत्री ने 26 जुलाई, 2023 को कहा था कि ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए पहले से नियम तय है। तबादले के बाद हमको हर पार्टी के लोगों ने शिकायत की थी। इसके बाद हमने जांच कराई तो गड़बड़ी सामने आई। फिर हमने विभाग को उसे रद्द करने को कहा। अब नए सिरे से ट्रांसफर की लिस्ट तैयार की जाएगी।

वरिष्ठ बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने आगे कहा कि 30 जून, 2023 की रात को ट्रांसफर-पोस्टिंग के पांच आदेश जारी किए गए थे। जिसके तहत 517 पदाधिकारियों के तबादले की अधिसूचना जारी की गई थी। 30 अफसरों को मूल कैडर में वापस भेजा गया था। बाकी 487 को बिहार के अलग-अलग ब्लॉक में पोस्टिंग की गई थी।

इनमें सबसे ज्यादा 395 अंचलाधिकारी यानि सीओ की ट्रांसफर-पोस्टिंग की गई थी। करीब 75 फीसदी सीओ का एक झटके में तबादला कर दिया गया था। इसमें भ्रष्टाचार और पैसे का लेनदेन हुआ था। 16 फरवरी, 2024 को नीतीश सरकार (ढ्ढ३ड्ड ङ्क्ष४१) ने तेजस्वी यादव (व्ङ्क्षर्ँद्द ष्५) के डिप्टी सीएम रहते विभागों में किए गए कामों की समीक्षा के आदेश जारी किए। नीरज कुमार ने साफ कहा कि इससे साफ जाहिर होता है कि तेजस्वी के कार्यकाल में ट्रांसफर पोस्टिंग में जमकर पैसों का खेल हुआ। अब तेजस्वी यादव खुद से पूछें कि उनके कार्यकाल के स्थानांतरण पर इतने सवाल कैसे उठे?

चिराग पासवान फिर चुने गए लोजपा-आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष

रांची में पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया फैसला

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/रांची। केंद्रीय मंत्री और हाजीपुर के सांसद चिराग पासवान को एक बार फिर से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का अध्यक्ष चुना गया है। रांची में आयोजित पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया। इस मौके पर लोजपा-आर की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा गया कि पार्टी को उनके कुशल नेतृत्व पर पूर्ण भरोसा है। पार्टी उनके मार्गदर्शन में एक नई ऊंचाई हासिल करेगी।

चिराग पासवान ने इस मौके पर सभी पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों का दिल से आभार प्रकट किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वो पद्म विभूषण रामविलास पासवान के सपनों की पार्टी बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

चिराग पासवान ने कहा कि अलग-अलग राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। हमलोग एनडीए का हिस्सा हैं। झारखंड में गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेंगे। ह्यसबका साथ, सबका विकासह्ल को लेकर हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि आने वाले समय में लोजपा-आर झारखंड में कई कार्यक्रम आयोजित करेगी। चिराग पासवान ने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस बार झारखंड में एनडीए की सरकार बनेगी। एनडीए के नेतृत्व में विकसित झारखंड बनेगा। हेमंत सरकार के प्रति लोगों में नाराजगी है। लोग अब बदलाव चाहते हैं। एलजेपी आर इस वर्ष होने वाले झारखंड विधानसभा चुनावों में भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने को लेकर अभी से रणनीति बनाने में लगी है। रांची में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में चुनावी रणनीति पर भी चर्चा हुई।

चिराग पासवान की पार्टी लोजपा-आर ने झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले 28 सीटों पर दावा ठोंका। इससे पहले नीतीश कुमार की जेडीयू ने भी 11 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। राष्ट्रीय स्तर पर दोनों ही पार्टियां बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए की सहयोगी पार्टियां हैं, ऐसे में झारखंड में भी लोजपा-आर और जेडीयू के लिए बीजेपी कुछ सीटें छोड़ सकती है। इसके अलावा लोकसभा चुनाव में बीजेपी का झारखंड में आजसू पार्टी के साथ भी गठबंधन हुआ था। हालांकि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी का आजसू पार्टी के साथ तालमेल नहीं हो पाया था।

विधायक ने किया योजनाओं का उद्घाटन

दीपक तिवारी।

- गायघाट एवं बन्दरा में कार्यक्रम
- विधायक बोले,क्षेत्र विकास उनकी प्राथमिकता में शामिल

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट विधायक निरंजन राय ने नुनफारा पंचायत के कैला बखरी में विधायक निधि से 12 लाख 29 हजार आठ सौ की लागत से निर्मित सड़क एवं गायघाट प्रखंड के ककरीया मलंग स्थान में दो लाख एकतालीस हजार आठ सौ की लागत से निर्मित चबुतरा का उद्घाटन किया इस दौरान विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनसमस्याओं पर प्राथमिकता के आधार पर काम कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता में शामिल है। इस अवसर पर मुख्य रुप से राजद के जिला महासचिव सह विधायक प्रतिनिधि विनय कुमार यादव, जिला प्रवक्ता अरविंद राय , पंसस चंदेश्वर राय , अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष शौकत अली मुन्ना , पूर्व पंसस दिनेश राय , युवा नेता बबलू कुमार , मो. नसीम , डा. सुरेन्द्र यादव आदि उपस्थित थे।

राहुल गांधी मेंटल केस...मनोज तिवारी की बात पर ललन सिंह भी उखड़ गए

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार की राजधानी पटना पहुंचे बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने राहुल गांधी के 'जाति जनगणना' वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। मनोज तिवारी ने राहुल गांधी के मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठाते हुए उनकी जांच की मांग की है। मनोज तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी खुद अपनी जाति पूछे जाने पर भड़क जाते हैं, लेकिन दूसरों से जाति पूछने से नहीं चूकते। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण होना चाहिए। दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी राहुल गांधी पर वार किया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी मेंटल हैं, उनकी जांच होनी चाहिए।

उनकी जात पूछने पर उनको गाली लग जाती है, और वो दूसरे की जात पूछ रहे हैं। मेंटल हेल्थ चेकअप होना चाहिए। मनोज तिवारी ने आगे कहा कि देश के हर बच्चे में प्रतिभा है और जो लोग सत्ता में रहने के आदी हो जाते हैं, उन्हें सत्ता से बाहर आने पर मछली की तरह तड़पाहट होती है। मनोज तिवारी ने मोदी सरकार द्वारा पेंशन स्कीम को मंजूरी देने की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इससे देश के 10 करोड़ परिवारों को फायदा होगा। उन्होंने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वे खुद सत्ता में रहते हुए नौकरी देने का वादा करके मुकर गए, जबकि मोदी सरकार बिहार के विकास के लिए काम कर रही है।

बीजेपी सांसद ने कहा कि विपक्ष को सिर्फ विरोध करने की आदत है। दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा है। ललन सिंह ने कहा कि राहुल गांधी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जातिगत जनगणना को लेकर गलत आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि जब वे इंडिया गठबंधन में साथ थे, तब नीतीश कुमार ने इस मुद्दे पर प्रस्ताव पारित करने की मांग की थी। लेकिन, राहुल गांधी ने ममता बनर्जी के कहने पर इसे खारिज कर दिया था। आज घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। वह जनता को भ्रमित कर रहे हैं। वह एक स्लोगन देते हैं। वह उनका काम है, करते रहें। उनकी बात का आधार नहीं है।

धान की रोपनी लक्ष्य से अधिक,अब पौधों को बचाने की चिंता

बारिश काफी कम होने से किसान परेशान

दीपक तिवारी।

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी जिले में इस बार धान की रोपनी लक्ष्य के अनुरूप हुई है। इतना ही नही जो लक्ष्य था, उससे अधिक क्षेत्र में रोपनी हुई है। जिले में 106889.552 हेक्टेयर में धान की रोपनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। कृषि विभाग की मानें तो लक्ष्य से अधिक 107070.50 हेक्टेयर में धान की रोपनी हुई है। हालांकि अब किसानों को उक्त धान के पौधों को बचाने की चिंता सताने लगी है। बारिश नही होने और धूप अधिक पड़ने का प्रतिकूल प्रभाव धान के पौधों पर पड़ने लगा है।

धान की रोपनी लक्ष्य का 100.17 प्रतिशत हुआ है। धान के खेतों में पानी तो नहीं लगा है, पर दो-चार दिनों पर हो रही हल्की बारिश से धान की फसल को इससे संजीवनी मिल रही है। हालांकि अच्छी उपज के लिए धान के खेतों में पानी लगा रहना जरूरी है। मॉनसून की बेरुखी से जिले में सामान्य से काफी कम बारिश हुई है। जुलाई के महीने में तो महज 8 से 9 दिन ही बारिश हुई, जबकि अगस्त महीने में भी अब तक 8 से 11 दिन तक बारिश हुई है।

जुलाई महीने में जिले में औसतन 388.10 मिलीमीटर वर्षा होने चाहिए, जबकि महज 208.84 मिलीमीटर वर्षा हुई। इसी तरह अगस्त में 211.30 मिलीमीटर वर्षा होनी चाहिए, जबकि 24 अगस्त तक 142.14 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। जुलाई महीने में सामान्य से 179.16 मिलीमीटर कम बारिश रिकार्ड की गई। यही स्थिति अगस्त महीने में है। अब तक 200 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हो जानी चाहिए, जबकि महज 142.14 मिलीमीटर ही वर्षा हुई है।

जिले के परसौनी, मेजरगंज, बैरगनिया और चोरौत आदि प्रखंडों में अगस्त महीने में काफी कम वर्षा हुई है। दूसरी तरफ सावन-भादो में आसमान में आग बरस रहा है। तापमान 38-39 डिग्री के आसपास रह रहा है। धान के खेतों में नमी रहने की वजह से पौधे तो हरे-भरे दिख रहे हैं, पर प्रचंड धूप की वजह से उसका पोषण सही से नहीं हो पा रहा है। रून्नीसैदपुर के किसान राम श्रृंगार सिंह कहते हैं कि बेहतर उत्पादन के लिए धान के खेतों में पानी लगा रहना जरूरी है। यही बात किसान हरेराम सिंह भी कहते हैं। किसानों का कहना है कि धान के खेतों में पानी लगे रहने से उसका पोषण होता है। इससे उत्पादन बेहतर होता है।

अगस्त महीने में बैरगनिया प्रखंड में 62.40, बाजपट्टी में 189.40, बथनाहा में 208.60, बेलसंड में 104.40, बोखड़ा में 229.60, चोरौत में 97.60, डुमरा में 177.60, मेजरगंज में 56.00, नानपुर में 200.20, परिहार में 129.40, परसौनी 47.00, पुपरी में 105.40, रीगा में 178.60, रुन्नीसैदपुर 174.40, सोनबरसा 169.60 सुप्पी में 132.40 और सुरसंड 153.60 मिलीमीटर बारिश हुई है।

मौत के बाद भी युवक से चिपका रहा सांप!

चिता पर ही छोड़ा,सवाल- पोस्टमार्टम के दौरान क्यों नहीं दिखा?

संवाददाता।

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक व्यक्ति को सांप काटने के बाद उसे झाड़ फूंक के लिए ले जाया गया। उसके बाद हालत ज्यादा खराब होने पर अस्पताल ले जाया गया। जब उसकी मौत हो गई तो पुलिस जांच के लिए आई। इसके बाद मृतक को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। वहां से आने के बाद जब उसका अंतिम संस्कार किया जा रहा था और उसे मुखाग्नि देने का समय आया, तब उसके शरीर से पौने दो फीट का सांप बाहर निकला, जिसने उसे काटा था।

मामला चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र का है। यहां कुंभी गांव के रहने वाले 41 वर्षीय धर्मवीर कुमार यादव को 22 अगस्त की रात सांप ने डस लिया। परिजनों ने बताया गुरुवार की शाम धर्म वीर कुमार अपने गाय को चारा देने के लिए हरा चारा उठा रहा था। इस दौरान किसी जहरीले जीव ने काट लिया। इसके बाद उसे भगवती स्थान में झाड़-फूंक किया, लेकिन भगवती स्थान में जब हालत बिगड़ने लगे तो ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए निजी अस्पताल दल सिंह सराय ले जाने लगे। इस दौरान रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

धर्मवीर की मौत के बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मामले की जांच करने पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। 23 अगस्त को शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया गया उसके बाद शाम को सिमरिया घाट पर मृतक का शव दाह संस्कार के लिए पंहुचा। धर्म वीर यादव को मुखाग्नि दे रहे 10 वर्षीय पुत्र शिवशंकर कुमार ने बताया जब अंतिम संस्कार के लिए चिता पर लाश दे रहे थे तो सांप निकला। मोबाइल फोन से ग्रामीणों ने सांप की तस्वीर ली और उसे मार दिया। सांप रसेल वाइपर प्रजाति का बताया जा रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि चिता से निकलने वाला सांप वही है, जिसके काटने से धर्मवीर की मौत हुई थी। हालांकि, इस दावे पर यकीन करना मुश्किल है। क्योंकि, सांप काटने के बाद धर्मवीर को झाड़-फूंक के लिए ले जाया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। अंत में पोस्टमार्टम हुआ। इसके बाद लाश गांव आई। गांव के लोगों ने उनका शव उठाया और श्मशान घाट तक ले गए। इस दौरान सांप कैसे धर्मवीर के शरीर से चिपका रहा।आशंका जताई जा रही है कि सांप डसने के बाद धर्मवीर के पैंट के अंदर जाकर फंस गया था, जो दाह संस्कार के दौरान कपड़ा खोलने पर बाहर निकाला होगा। संभावना यह भी है कि जिस सांप ने धर्मवीर को काटा हो वो कोई और हो और चिता में दूसरा सांप आ गया हो।

मौसम: बिहार में मॉनसून फिर हुआ कमजोर

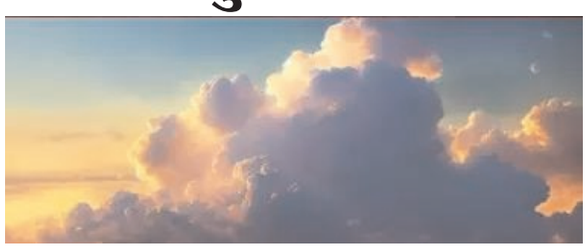

संवाददाता।

पटना। मौसम विभाग ने मॉनसून के आने से पहले कहा था कि इस दफे देश में अच्छी बारिश होगी। देश के बाकी हिस्सों से इस मामले में पटना अभी तक अलग ही है। यहां के किसान से लेकर शहरी लोग अच्छी बारिश की बाट जोह रहे हैं। हालांकि बीच-बीच में बारिश ठीक हुई, लेकिन जून से लेकर अगस्त में अभी तक ऐसा माहौल नहीं बना, जिससे लगे कि मॉनसून आया हुआ है। कुछ और जिलों में भी यही हाल रहा। धान की खेती के लिए जिस वक्त मॉनसून के पानी की जरुरत थी, उस वक्त बरसात हुई ही नहीं। अब मौसम विभाग ने अगले 7 दिन के लिए ताजा पूवार्नुमान जारी किया है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 'परसों निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम बंगाल के उत्तरी भागों और झारखंड के आसपास बना हुआ था। पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ कर कल ये दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश और निकटवर्ती उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश पर बना हुआ है। उसी क्षेत्र पर संबद्ध चक्रवाती परिसंचरण 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। मॉनसून ट्रफ अब जैसलमेर, खजूराहो, निम्न दबाव के क्षेत्र से होते हुए रांची, उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। जैसे-जैसे ये सिस्टम आगे बढ़ेगा, बारिश की गतिविधियां बिहार में कम होती चली जाएंगी। अगले दो दिन के दौरान मॉनसून की गतिविधि फिर से कमजोर हो जाएगी। अगले दो दिन तक तपन और उमस बिहार के अनेक भागों में बनी रहेगी।'पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने 26 अगस्त को वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया और नवादा जिलों के एक या दो स्थानों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 27 अगस्त को भारी बारिश के लिए जमुई और बांका में येलो अलर्ट दिया गया है। जबकि बाकी जिलों में ऐसा कोई भी अलर्ट नहीं है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के पूवार्नुमान के मुताबिक 26 और 27 अगस्त को राजधानी पटना समेत पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सारण, सिवान, गोपालगंज, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, गया, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया में अनेक स्थानों पर बारिश की संभावना है।

बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ेगी जनसुराज पार्टी,40 सीट पर महिला

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। जनसुराज पार्टी के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इसके साथ ही यह भी कहा कि पार्टी 40 सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारेगी। वहीं 2030 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी 70 से 80 सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारेगी। प्रशांत किशोर रविवार को पटना के बापू सभागार में आयोजित जन सुराज महिला संवाद कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। प्रशांत किशोर ने कहा कि जब तक महिलाओं को आर्थिक आजादी नहीं मिलेगी, तब तक उनकी भागीदारी समाज में समानता के आधार पर नहीं हो सकती है। इसलिए इस बार चुनाव में 40 महिलाओं को कैंडिडेट के तौर पर खड़ा किया जाएगा। प्रशांत किशोर ने यह भी मांग की कि महिलाओं को रोजगार और व्यापार करने के लिए 4 फीसदी ब्याज पर कर्ज मिले, इसके लिए सरकारी गारंटी जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार में इस बार जनता की सरकार बनने वाली है, 2 अक्टूबर को जन सुराज पार्टी के गठन का ऐलान किया जाएगा।

प्रशांत किशोर ने जातीय जनगणना की मांग पर कहा कि राहुल गांधी को सबसे यह बताना चाहिए कि जाति जनगणना से अगर गरीबी दूर होती, तो बिहार में गरीबी दूर क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि 60 साल तक कांग्रेस की सरकार देश में था। इस दौरान जाति जनगणना करा कर देश की गरीबी क्यों नहीं दूर की गई।

अपराधियों में शासन-प्रशासन का भय नहीं,घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि: विधायक

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखण्ड के नुनफारा पंचायत के सरपंच सुंदरेश्वर राम, वार्ड सदस्य उदय कुमार , वार्ड सदस्य चनरदेव राम ने गायघाट विधायक निरंजन राय के समक्ष राजद की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर आरजेडी विधायक निरंजन राय ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा की जिस तरह बिहार में हत्या, लूट , रेप की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। उससे यही दिखता है अपराधियों में शासन-प्रशासन का भय नहीं रहा ।

केन्द्र की मोदी सरकार जिस तरह लेटरल इन्ट्री के सहारे उच्च पदो पर नियुक्ति करने की कोशिश की। वह आरक्षण पर सीधा प्रहार है । आने वाला समय में युवा नेता तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार में राजद की सरकार बनेगी । इस अवसर पर मुख्य रुप से जिला महासचिव सह विधायक प्रतिनिधि विनय कुमार यादव , जिला प्रवक्ता अरविंद राय , पंसस चंदेश्वर राय , युवा नेता बबलू कुमार , अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष शौकत अली मुन्ना , पूर्व पंसस दिनेश राय , मो. नसीम उपस्थित थे।

'नीतीश कुमार से मिला आश्वासन'

मुख्यमंत्री से मिलते ही 2025 के लिए ताल ठोकने लगे अनंत सिंह

संवाददाता।

पटना। बाहुबली नेता और पूर्व विधायक अनंत सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। उसके बाद अनंत सिंह ने मुलाकात के बाद बाहर आने के क्रम में मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से क्षेत्र की जनता और बाकी समस्या को लेकर मुलाकात हुई। नीतीश कुमार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि आपका काम हो जाएगा। अनंत सिंह ने ये भी कहा कि उन्होंने नीतीश कुमार से साफ कहा कि वे 2025 का चुनाव लड़ेंगे और नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। अनंत सिंह ने बातों ही बातों में इस बात को साफ कर दिया कि वे ही 2025 में चुनाव लड़ेंगे।

इसी महीने अनंत सिंह बेउर जेल से रिहा किए गए हैं। 16 अगस्त, 2024 को सुबह उनकी रिहाई हुई। बाढ़ और सचिवालय थाना में दर्ज अलग-अलग दो मामलों में उनकी रिहाई का आदेश पटना हाई कोर्ट की ओर से दिया गया था। कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में रिहाई का आदेश दिया था। अनंत सिंह की रिहाई के बाद उनके समर्थकों में काफी खुशी थी। बेउर जेल के बाहर और उनके गृह जिले मोकामा में उनके स्वागत के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा।

ध्यान रहे कि अनंत सिंह के नदवां स्थित घर से एके-47 जैसे घातक हथियार की बरामदगी को लेकर अनंत सिंह को निचली अदालत ने 10-10 साल की सजा हुई थी। उसके बाद उन्हें विधायक के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। अनंत सिंह को इसी महीने हाई कोर्ट ने इन आरोपों से बरी कर दिया। अनंत की रिहाई के बाद तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया आई थी। विपक्षी दलों का आरोप था कि नीतीश सरकार की मदद से रिहाई हुई है। उससे पहले पूर्व सांसद आनंद मोहने की भी जेल से रिहाई हुई थी।

जिस पर काफी राजनीति हुई थी। ध्यान रहे कि कुछ दिन पहले पैरोल पर जेल से बाहर निकलने वाले अनंत सिंह ने नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने बिहार से शराबबंदी हटाने की मांग की थी। उन्होंने मीडिया से कहा था कि शराबबंदी होने की वजह से युवा अलग तरह के नशा करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि हम मांग करते हैं कि शराब की जगह-जगह दुकानें खुलना चाहिए। अनंत सिंह ने ये भी कहा था कि नीतीश कुमार सबसे बढ़िया नेता हैं। नीतीश कुमार बिहार को बनाए हैं। उससे पहले लालू के राज में क्या था? बच्चे स्कूल जाते थे और किडनैप हो जाते थे। तेजस्वी यादव को लेकर अनंत ने कहा, ये सभी एक-दो सीटें मुश्किल से जीतेंगे। उससे ज्यादा नहीं जीतेंगे। कभी नीतीश कुमार के करीबी रहे अनंत सिंह बाद में अलग भी हो गए थे। 2015 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अनंत सिंह ने पार्टी छोड़ दी थी।

उन्होंने मोकामा से निर्दलीय चुनाव लड़ा और जेल में रहते हुए जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार को हरा दिया था। एक समय में नीतीश कुमार के खिलाफ दिए गए उनके बयान चर्चा में रहते थे। अनंत सिंह और नीतीश कुमार के रिश्ते में उतार-चढ़ाव शुरू से रहा है। लेकिन अब अनंत सिंह लगातार मुख्यमंत्री की तारीफ कर रहे हैं।

चरण सिंह

विचार

नीतीश भी दूसरे समाजवादियों की तरह बुढ़ापे में कराएंगे फजीहत !

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि ऐसी है कि वह वंशवाद और परिवारवाद के आरोप से बचे हुए हैं। भ्रष्टाचार के आरोप से भी बचे हुए हैं। सुशासन बाबू भी कहलाए जाते रहे हैं। फिर भी उन पर सत्ता लोलुपता और सत्ता के लिए पलटी मारने का बड़ा आरोप लगता रहा है।

बिहार में उन्होंने जार्ज फर्नांडीज, शरद यादव और लालू प्रसाद तक को पटखनी दी पर कभी राजद के साथ और कभी बीजेपी के आने से उनकी छवि खराब हुई है। हालांकि इसके लिए लालू प्रसाद भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं।

ऐसे में प्रश्न उठ रहा है कि क्या नीतीश दूसरे समाजवादियों की तरह वंशवाद के चक्कर में पड़कर अपनी फजीहत कराना चाहेंगे। क्योंकि आजकल उनके साथ कई कार्यक्रम में उनके बेटे निशान भी देखे गए हैं। यह भी जमीनी हकीकत है कि चाहे मुलायम यादव हों, लालू प्रसाद हों, राम विलास पासवान हों यहां तक की चौधरी चरण सिंह पर भी वंशवाद को आगे बढ़ाने का आरोप है। अंत समय में उनके अंदर भी पुत्र मोह जाग गया था। अपने बेटे अजीत सिंह को पार्टी सौंप दी थी। हालांकि अभी तक नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत को राजनीति से दूर रखे हुए हैं ? पर बार बार पलटी मारने की वजह से उनकी छवि खराब हो रही है। अब फिर से उनके लक्षण राजद के साथ मिलने के लग रहे हैं। वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। क्योंकि नीतीश कुमार जो बिहार के दौरे कर रहे हैं उनमें बीजेपी के नेता नहीं दिखाई दे रहे हैं। चाहे पूर्णिया का उनका दौरा हो या फिर मुजफ्फरपुर का। दोनों जगह नीतीश अकेले दिखाई दिए।

सोशल मीडिया पर वह कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ बोलने से बच रहे हैं, जबकि बीजेपी दोनों ही नेताओं के खिलाफ जमकर बोल रही है। ऐसे ही राहुल गांधी नीतीश कुमार के खिलाफ बोलने से बच रहे हैं।

भले इंडिया गठबंधन में आने से नीतीश कुमार को राजनीतिक फायदा हो जाए पर यदि वह फिर से पलटी मारेंगे तो उनकी फजीहत बहुत होगी। क्योंकि इस बार वह कह चुके हैं अब किसी भी हालत में बीजेपी को नहीं छोड़ेंगे हालांकि इस तरह की बात तो वह कई बार बोल चुके हैं।

पड़ोसियों के बीच अकेला पड़ा भारत

-सनत कुमार जैन-

भारत अपने पड़ोसी देशों के बीच में अकेला खड़ा नजर आ रहा है। पड़ोस के देशों के साथ हमारे संबंधों में एक शून्यता पैदा हो गई है। किसी भी देश के लिए उसके पड़ोसियों से अच्छे संबंध होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। हर सुख- दुख में सबसे पहले पड़ोसी ही खड़ा होता है। कहा जाता है, पड़ोसी भाग्य से मिलते हैं। मित्र तो बनाए जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी को नहीं बनाया जा सकता है। भारत हमेशा गुटनिरपेक्ष देशों का समर्थक रहा है। भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बनाने की कोशिश की है। विभाजन में पाकिस्तान एक अलग देश बना था। उसके साथ हमारे संबंध हमेशा तनाव पूर्ण रहे। स्वतंत्रता के समय और उसके पश्चात 1965- 1971 इत्यादि में हमें पाकिस्तान से बड़े युद्ध भी लड़ना पड़े हैं। 1962 में चीन के साथ भारत का युद्ध हुआ। जबकि इसके पहले भारत और चीनी भाई-भाई के नारे लगे थे। तमाम विसंगतियों के बाद भी भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों से बेहतर रिस्ते बनाने की कोशिश की। जिसके कारण भारत अन्य देशों की तुलना में लगातार विकास करता रहा। लोकतांत्रिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्थाओं में भारत का प्रदर्शन हमेशा विकासशील रीष्ट्रों मे सर्वश्रेष्ठ रहा है। 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेश का निर्माण हुआ। भारत ने उसे पर अधिकार जमाने के स्थान पर मुजीबुर्र रहमान को वहां का शासक बनाया। बांग्लादेश को अपना एक अच्छा पड़ोसी बनाया। हमने अपनी सीमाओं को पाकिस्तान और चीन से सुरक्षित करने में कई सीमावर्ती राज्यों के साथ समझौते कर, उन्हें अपने साथ मिलाया। नेपाल, भूटान श्रीलंका, वर्मा इत्यादि देशों के साथ हमेशा हमारे सामाजिक आर्थिक और व्यापारिक रिश्ते बेहतर रहे। पिछले कुछ वर्षों में हमारे पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते तनाव पूर्ण होते चले गए। पड़ोसी देश चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत भारत के पड़ोसी देशों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाया। भारत की विदेश नीति खड़े-खड़े तमाशा देखने की रही। जिसके कारण हमारे पड़ोसी देशों के साथ वर्तमान में बहुत अच्छे संबंध नहीं है। भारत की तुलना में पड़ोसी देशों की चीन के साथ ज्यादा निकटता है। पड़ोसी देशों के साथ मिलकर चीन ने भारत की सीमाओं पर नई चुनौती खड़ी कर दी है। 2009 के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध बहुत अच्छे थे। शेख हसीना की पढ़ाई लिखाई भारत में हुई थी। उन्होंने अपना कठिन समय भारत में काटा था। लेकिन यह बात भी उतनी ही सही है, 2014 के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले बढ़े। भारत के अलावा चीन के साथ भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे रहे।

पश्चिम बंगाल का रेडीमेड उद्योग सारे देश की सस्ते रेडीमेड कपड़ों की जरूरत को पूरा करता रहा है। उस ओर भारत सरकार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने ध्यान नहीं दिया। बांग्लादेश ने रेडीमेड कपड़ों के निर्यात में विशेष रूप से ध्यान दिया। चीन के बाद बांग्लादेश सबसे बड़ा रेडीमेड वस्त्रों का निर्यातक बन गया। लगातार सत्ता में बने रहने के कारण बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अहंकार और भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। बांग्लादेश के 15 से 24 वर्ष के 30 फीसदी युवा बेरोजगार हो गए। सामाजिक विघटन बांग्लादेश में तेज हुआ। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के स्थान पर तानाशाही, शासन और प्रशासन में आ गई। भ्रष्टाचार बढ़ गया। अदानी समूह द्वारा बिजली सप्लाई का जो अनुबंध बांग्लादेश के साथ किया गया। उससे पूरे बांग्लादेश में यह संदेश गया, कि बिजली सौदे में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। जिसके कारण भारत के खिलाफ भी बांग्लादेश में वातावरण बनने लगा था। 2024 के आम चुनाव के पहले शेख हसीना ने विपक्षी दलों को जेल भेज दिया। विपक्षी दलों ने भारत सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। भारत ने बांग्लादेश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला झाड़ लिया था। जिस तरह से शेख हसीना ने चुनाव कराए। भारी बहुमत से शेख हसीना चुनाव भी जीत गई। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी, वह अपना सिंहासन ज्यादा दिनों कायम नहीं रख पाई। उन्हें अपना देश छोड़कर भागना पड़ा। वर्तमान में भारत के पड़ोसी देशों से बहुत अच्छे संबंध नहीं होना, सीमाओं पर लगातार कानून व्यवस्था की चुनौती, पड़ोसी देशों के साथ चीन के बेहतर संबंध, भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। जब सारी दुनिया की महाशक्तियां, आर्थिक मंदी और तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर खड़ी हैं। ऐसे समय पर भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर गए हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति से उनकी मुलाकात हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ शांति का प्रस्ताव रखा है। 4 समझौते भी उन्होंने यूक्रेन के साथ किए हैं। शांति बनाए रखने के लिए मोदी की इसके पहले रूस के राष्ट्रपति पुतिन से भी बात हुई थी। अब यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात हुई है। वर्तमान स्थिति में रूस और यूक्रेन के बीच में युद्ध विराम हो जाता है। तो यह रुस और यूक्रेन के साथ - साथ भारत के लिए एक अच्छी खबर और एक अवसर होगा। इसका असर भारत के आर्थिक और राष्ट्रीय परिपेक्षय में बेहतर होगा। भारत सरकार को पड़ोसी देशों के साथ अपने रिस्ते मजबूत बनाने की दिशा में प्राथमिकता से कार्य करना होगा।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

-रजनीश कपूर-

भारत में बढ़ते हुए कैंसर रोग के मरीजों, दिल के रोग के मरीज, मोटापे और अन्य बीमारियों का कारण भी कहीं रोजमर्रा खाने वाले नमक और चीनी में मौजूद ये प्लास्टिक के कण तो नहीं? यदि ऐसा है तो यह एक गंभीर मामला है।घरेलू नमक और चीनी में पाये जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि इन्हें आप अपनी आँख से देख भी नहीं सकते। चिंता की बात यह है कि प्लास्टिक के इतने सूक्ष्म कण आपके शरीर में कई सालों तक रह सकते हैं। इतने वर्ष तक यदि ऐसे कण आपके शरीर में रह जाएँगे तो इनका आपकी सेहत पर दुष्प्रभाव तो पड़ेगा ही।

मिलावटी उत्पादों से सेहत पर दुष्प्रभाव ही पड़ेगा

भारत में बढ़ते हुए कैंसर रोग के मरीजों, दिल के रोग के मरीज, मोटापे और अन्य बीमारियों का कारण भी कहीं रोजमर्रा खाने वाले नमक और चीनी में मौजूद ये प्लास्टिक के कण तो नहीं? यदि ऐसा है तो यह एक गंभीर मामला है। घरेलू नमक और चीनी में पाये जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि इन्हें आप अपनी आँख से देख भी नहीं सकते।पिछले सप्ताह एक एनजीओ द्वारा किए गए शोध से पता चला कि देश में अधिकतर नमक और चीनी निर्माता हमें प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खिला रहे हैं। टॉक्सिक्स लिंक नाम की एक एनजीओ के पर्यावरण अनुसंधान विभाग द्वारा किए गए एक शोध के बाद यह दावा किया। जबसे यह खबर उजागर हुई तो उपभोक्ताओं के मन में कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। भारत में बढ़ते हुए कैंसर रोग के मरीजों, दिल के रोग के मरीज, मोटापे और अन्य बीमारियों का कारण भी कहीं रोजमर्रा खाने वाले नमक और चीनी में मौजूद ये प्लास्टिक के कण तो नहीं? यदि ऐसा है तो यह एक गंभीर मामला है।घरेलू नमक और चीनी में पाये जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि इन्हें आप अपनी आँख से देख भी नहीं सकते। चिंता की बात यह है कि प्लास्टिक के इतने सूक्ष्म कण आपके शरीर में कई सालों तक रह सकते हैं। इतने वर्ष तक यदि ऐसे कण आपके शरीर में रह जाएँगे तो इनका आपकी सेहत पर दुष्प्रभाव तो पड़ेगा ही। अब चूँकि यह शोध सामने आया है तो इसे गंभीरता से लेते हुए इसकी विस्तृत जाँच भी होनी चाहिए और साथ ही दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही भी की जानी चाहिए।आज के दौर में हम जितना भी सादा भोजन करें हम किसी न किसी मात्रा में नमक और चीनी तो लेते ही होंगे। यदि इन जरूरी तत्वों के सेवन से हमें कैंसर और दिल के रोग होने लग जाएँ तो इंसान कहाँ जाए ? यदि मिलावटी मसालों की बात होती है तो हम अपनी दादी-नानी के घरेलू नुस्खे आजमा कर रोजमर्रा के मसालों को घर में ही कूट-पीस सकते हैं। यदि दूषित पानी और कीटनाशक से उगी सब्जियों और फलों की शिकायत मिले तो हम जैविक खेती की मदद से शुद्ध सब्जियों और फलों का सेवन कर लेते हैं। परंतु यदि हर घर में इस्तेमाल होने वाले नमक और चीनी में ही इस कदर मिलावट होने लगे तो आपक्या करेंगे ? लालच इंसान को किस हद तक ले जाता है कि मुनाफे के चक्कर में कुछ चुनिंदा उद्योगपति आम जनता को जहर परोस रहे हैं।माइक्रोप्लास्टिक्स इन सॉल्ट एंड शुगर नाम की इस स्टडी में टॉक्सिक्स लिंक ने टेबल सॉल्ट, रॉक सॉल्ट, समुद्री नमक और स्थानीय कच्चे नमक सहित 10 प्रकार के नमक और ऑनलाइन तथा स्थानीय बाजारों से खरीदी गई पांच प्रकार की चीनी का टेस्ट करने के बाद इस स्टडी को पेश किया। अध्ययन में यह चौकने वाला सच सामने आया कि नमक और चीनी के सभी नमूनों में अलग-अलग तरह के माइक्रोप्लास्टिक्स शामिल थे। इनमें फाइबर, पेलेट्स, फिल्म्स और फ्रैगमेंट्स पाये गये।शोध के अनुसार इन माइक्रोप्लास्टिक्स का आकार 0.1 मिमी से 5 मिमी के बीच पाया गया। सबसे अधिक माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा आयोडीन युक्त नमक में पाई गई, जो मल्टीकलर के पतले फाइबर और फिल्म्स के रूप में थे। जाँच रिपोर्ट के अनुसार, चीनी के नमूनों में, माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 11.85 से 68.25 टुकड़े प्रति किलोग्राम तक पाई गई, जिसमें सबसे अधिक मात्रा गैर-ऑर्गेनिक चीनी में पाई गई। वहीं गौरतलब है कि नमक के नमूनों में प्रति किलोग्राम माइक्रोप्लास्टिक्स की मात्रा 6.71 से 89.15 टुकड़े तक पाई गई। आयोडीन वाले नमक में माइक्रोप्लास्टिक्स की सबसे अधिक मात्रा (89.15 टुकड़े प्रति किलोग्राम) और ऑर्गेनिक रॉक सॉल्ट में सबसे कम (6.70 टुकड़े प्रति किलोग्राम) पाई गई।उल्लेखनीय है कि इस विषय पर किए गए पिछले शोधों में पाया गया है कि औसत भारतीय हर दिन 10.98 ग्राम नमक और लगभग 10 चम्मच चीनी का सेवन करता है, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सीमा से काफी अधिक है। ऐसे में यदि हमारे शरीर में माइक्रोप्लास्टिक भी प्रवेश कर रहा है तो यह हमें कितना नुकसान पहुँचाएँगे इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। माइक्रोप्लास्टिक के कण मानव शरीर में मिलावटी भोजन के अलावा हवा और पानी के जरिये भी प्रवेश कर सकते हैं। एक अन्य शोध में यह भी पता चला कि माइक्रोप्लास्टिक मानव शरीर में फेंफड़े, हृदय जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंगों में बड़ी आसानी से प्रवेश कर लेते हैं। इतना ही नहीं एक शोध में यह भी पाया गया कि नवजात व अजन्में बच्चों में भी माइक्रोप्लास्टिक प्रवेश कर चुके हैं।चिंता का विषय यह है कि भारत में निर्मित चीनी और नमक में इतनी मात्रा में मिलने वाले ऐसे तत्व क्यों पाये जा रहे हैं? क्या ऐसी स्टडी पहली बार हुई है? इससे पहले भी कई तरह के शोध मिलावटी उत्पादों को लेकर हुए हैं। क्या उन पर उचित कार्यवाही की गई? क्या सरकार ने ऐसे कड़े नियम बनाए कि ऐसी गलती करने पर निमार्ताओं के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए? वैज्ञानिक शोध का मतलब स्पष्ट रूप से यही होता है कि जिस भी शोध में कुछ भी हानिकारक पता चले, उसे जनता के सामने पेश किया जाए। परंतु क्या ऐसे शोध को केवल जनता के सामने लाने से ही समस्या का हल निकल जाएगा? यदि उपभोक्ता जागरूक हो जाए और देश के सरकारी विभाग इस बात को सुनिश्चित कर लें कि किसी भी हाल में जनता को मिलावटी उत्पाद नहीं बेचे जा सकते, तो शायद स्थिति कुछ बेहतर हो। परंतु हमारे देश में जहां हर काम भ्रष्टाचार के पेपर वेट के सहारे होता है वहाँ कब, क्या और कितना होगा यह बताना मुश्किल है ?फिलहाल हर उपभोक्ता को जागरूक होना जरूरी है। इसके साथ ही देश में टॉक्सिक्स लिंक या अन्य सचेत एनजीओ का होना भी जरूरी है जो जनहित में ऐसे शोध जनता के सामने लाते हैं। आनेवाले समय में देखना यह होगा कि देश भर में काम कर रही ऐसी तमाम एनजीओ के शोध को सरकार कितनी गंभीरता से लेती है और दोषियों के खिलाफ क्या कानूनी कार्यवाही की जाती है। तब तक के लिए हमें सचेत रहना चाहिए और जहां तक संभव हो मिलावटी उत्पादों से बचना चाहिए।

अरुण श्रीवास्तव

देश एक है तो पेंशन एक क्यों नहीं...

इसी स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास ने कहा था कि, अब समय आ गया है कि हमें एक देश एक चुनाव की तरफ बढ़ना चाहिए"। अब यह बात अलग है कि, इसके दूसरे दिन ही हमारे देश के चुनाव आयोग ने दो ही राज्यों में चुनाव कराने की घोषणा की जबकि होने चार राज्यों में हैं। इससे तो यही लगता है कि कहने और करने में कितना अंतर होता है। ऐसा भी नहीं कि देशवासियों को ये वाक्य पहली बार सुनने को मिला हो। सरकार और सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता आएदिन इस तरह की बात करते हैं। गली-चौराहे की बहसों में तो आम जनता भी यह कहने लगी है कि 'वन नेशन वन इलेक्शन ही क्यों एक देश संविधान, एक देश एक विधान ही नहीं एक देश एक शिक्षा, एक देश एक चिकित्सा, एक देश एक नौकरी की उम्र और एक देश एक सेवानिवृत्त की आयु भी होनी चाहिए।

एक देश छोड़िए एक प्रदेश में न शिक्षा व्यवस्था एक है और न स्वास्थ्य व्यवस्था। एक तरफ सरकारी स्कूल और अस्पताल हैं तो दूसरी ओर कान्वेंट स्कूल और फाइव स्टार होटल को टक्कर देने वाले अस्पताल। इसे एक बार उठाकर ठंढे बस्ते में भी डाल दें तो भी नौकरी पाने की नौकरी से इससे निवृत्त होने की आयु एक क्यों नहीं? ये रबी और खरीब की फसल जैसा तो है नहीं। एक ही प्रदेश में प्राइमरी स्कूलों के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष तो माध्यमिक शिक्षक की 60 वर्ष और उच्च शिक्षा के शिक्षकों की 65 वर्ष, ऐसा क्यों?

यहां पर ओपीएस, एनपीएस और नयी नवेली यूपीएस के अंतर बताने में आंकड़ों के जाल में उलझाने का कोई इरादा नहीं है। आज के इंटरनेट के दौर में सारी चीजें उपलब्ध हैं। मोटा-मोटी यह कि, गर यूपीएस इतनी अच्छी पेंशन स्कीम है तो सबके लिए क्यों नहीं? न्यू पेंशन स्कीम के बेहतर विकल्प के तौर पर क्यों प्रस्तुत किया जा रहा है, प्रस्तुत किया भी जा रहा है तो यह विकल्प क्यों दिया जा रहा है? सन् 2004 के बाद सरकारी नौकरी पर आये कर्मचारियों की तो यही मांग थी कि नयी पेंशन योजना समाप्त कर हमें पुरानी पेंशन योजना में शामिल किया जाए। एक और नई पेंशन स्कीम की सुरंग में ढकेला (हालांकि कोई जबरदस्ती है नहीं) जाए। बेहतर तो ये होता कि, नई पेंशन स्कीम में मांग के अनुरूप सुधार किया जाता या इसे समाप्त कर पुरानी पेंशन स्कीम उनके लिए भी बहाल कर दिया जाता जैसा कि कुछ प्रदेशों (खासकर गैर भाजपाई) में किया गया है। पर ऐसा नहीं किया गया। सरकार ने इसे अपने नाक का बाल बना लिया है। हो सकता है कि इससे यह संदेश जाए कि सरकार विपक्षी दलों, राहुल गांधी के आगे झुक गई है। वैसे समय को लेकर भी सवाल उठना लाजिमी है। चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले और चोर रास्ते से ले आना भी गलत मंशा की ओर भी इशारा करता है। सोचिए... गर चार सौ पार वाली सरकार होती तो क्या इस तरह की पेंशन स्कीम ले आती? कोई बिल या ड्राफ्ट संयुक्त संसदीय समिति को भेजती ? वापस लेती ?

याद करिए इसी देश के अन्नदाता एक साल से अधिक अपने देश की राजधानी दिल्ली में जाने के राज्यों की सीमाओं पर बैठे रहे पर राक्षसी बहुमत वाली सरकार ने इन्हें जानें नहीं दिया। सड़कों पर कीलें गाड़ दीं अमूमन ऐसा युद्ध के समय पराजित सेनाएं करतीं हैं। वापस लेना पराजय के ही लक्षण हैं। बहरहाल बात मुद्दे की। शनिवार 25 अगस्त को अवकाश वाले दिन कैबिनेट की बैठक के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) की घोषणा की। उनके अनुसार ये स्कीम केंद्रीय कर्मचारियों के लिए है। इससे लगभग 23 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे। चाहें तो राज्य सरकारें भी अपने यहां लागू कर सकती हैं। ध्यान रहे कि यह स्कीम अप्रैल 25 से लागू होगी फिर इसकी घोषणा इतने पहले क्यों कर दी गई? चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक करके नये वित्तीय वर्ष से लागू की जा सकती थी। नोटबंदी के तर्ज.पर 31 मार्च 2024 की रात आठ बजे भी की जा सकती थी। 25 वर्ष की सेवा पर 50% पेंशन मिलने की गारंटी देती है यह नई नवेली स्कीम। कम सेवा वाले निराश होकर अभी से धरना-प्रदर्शन न करने लगे इसके मद्देनजर उन्हें कम धनराशि देने का आश्वासन दिया गया है। इसमें सरकार ने अपना अंशदान बढ़ाया है यह भी मंत्री जी ने बताया और खूबियां भी संवाददाता सम्मेलन में बतायी।

अब इस लेख का मूल सवाल यह है कि यदि नयी नवेली पेंशन स्कीम इतनी ही अच्छी है ओल्ड पेंशन स्कीम से भी अच्छी है तो फिर इससे सेना के विभिन्न अंगों में शामिल जवानों को क्यों नहीं, मंत्रियों सांसदों व विधायकों को यूपीएस का लाभ क्यों नहीं? देश एक है तो पेंशन एक क्यों नहीं?

-डा. जयंतीलाल भंडारी-

वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। निस्संदेह सरकार को ध्यान देना होगा कि कल तक पूरी दुनिया में भारत का सेवा निर्यात तेज रफ्तार से बढ़ रहे चमकीले सेक्टर के रूप में रेखांकित होता रहा है, लेकिन अब भारत के इसी प्रभावी सेवा निर्यात की रफ्तार सुस्त हो गई है। ऐसे में सेवा निर्यात की रफ्तार बढ़ाना जरूरी है। सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन से सेवा क्षेत्र को बढ़ावा मिला है। यह जरूरी है कि निर्यातकों के समक्ष शुल्क के अलावा जो नॉन टैरिफ बाधाएं हैं, उन्हें दूर किया जाए।

विदेश व्यापार घाटा कम करना जरूरी

हाल ही में 14 अगस्त को वाणिज्य विभाग के द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार विदेश व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार माह अप्रैल से जुलाई 2024 में 85.58 अरब डॉलर रहा है। पिछले वर्ष इसी समान अवधि में विदेश व्यापार घाटा 75.15 अरब डॉलर था। खासतौर से चीन से व्यापार घाटा और बढ़ा है। ऐसे में अब इस समय देश के समक्ष विदेश व्यापार के बढ़ते घाटे को कम करने और निर्यात बढ़ाने की नई जरूरत दिखाई दे रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक इस वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में कृषि निर्यात बढ़ाने की रणनीतिक पहलों को उपयुक्त रूप से क्रियान्वित करके कृषि निर्यात बढ़ाने का कारगर प्रयास किया जाएगा। केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक इस वर्ष भारत से वस्तु एवं सेवा निर्यात बढ़ाने के हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले दिनों बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट और अमरीका और जापान सहित दुनिया के कई देशों में मंदी के डर के परिदृश्य के बाद भारत के विदेश व्यापार घाटे की नई चुनौतियां उभर कर दिखाई दे रही है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश भारत का 8वां सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और पिछले वर्ष 2023-24 में भारत ने बांग्लादेश को 11 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात किया है। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि इस वित्त वर्ष में भारत के द्वारा कुल निर्यात का लक्ष्य पिछले वर्ष से भी कुछ अधिक 800 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाने का सुनिश्चित किया गया है, ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, लाल सागर संकट और कंटेनर की कमी की वजह से निर्यात के इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ-साथ आयात में उपयुक्त रूप से कमी करके विदेश व्यापार घाटे को कम किया जाना होगा। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की गठबंधन सरकार के द्वारा रणनीतिक रूप से विदेश व्यापार के बढ़ते घाटे को नियंत्रित करने और निर्यात की रफ्तार बढ़ाने के मद्देनजर मिशन मोड़ पर आगे बढ़ा जाना होगा।

इसके लिए पांच तरह के बहुआयामी उपाय सुनिश्चित किए जाने होंगे। एक, भारत के विदेश व्यापार में नई जान फूंकने के लिए द्विपक्षीय वार्ताएं बढ़ाई जाएं। दो, वर्ष 2024-25 के बजट के तहत निर्यात बढ़ाने के लिए सुनिश्चित किए गए अभूतपूर्व बजट आवंटनों का शुरूआत से ही कारगर उपयोग किया जाए। तीन, सेवा निर्यात को हर संभव तरीके से बढ़ाया जाए। चार, निर्यातकों को शुल्क के अलावा आने वाली बाधाओं (नॉन टैरिफ बैरियर) से राहत दी जाए और पांच, नए संभावित निर्यात बाजार तलाशे जाएं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि यकीनन इस समय नई गठबंधन सरकार वैश्विक व्यापार की चुनौतियों के बीच भारत से निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटे को कम करने के लक्ष्य को सामने रखकर आगे बढ़ रही है। पिछले दिनों 11 जुलाई को नई दिल्ली में बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी के आसपास स्थित देशों का संगठन) में भारत ने नई जान फूंकने की कोशिश की। भारत के द्वारा लगातार द्विपक्षीय व्यापार और आपसी सहयोग बढ़ाने की पहल नेबरहुड फर्स्ट और एक्ट ईस्ट तथा सागर नीति के तहत विदेश व्यापार बढ़ाने की पहल की जा रही है। इसी तरह भारत ने रूस सहित मित्र देशों और विभिन्न विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं से कारोबार बढ़ाने की नई कवायद शुरू की है। इसी परिप्रेक्ष्य में 8 से 10 जुलाई तक प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे के दौरान रूस और ऑस्ट्रिया के साथ द्विपक्षीय वाताओं से विदेश व्यापार की नई संभावनाएं आगे बढ़ाई हैं।

यकीनन वित्तमंत्री सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का बजट उद्योगों को समृद्ध करने का भी बजट है। इस बजट के माध्यम से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करते हुए आयात घटाने व कृषि एवं वस्तु निर्यात बढ़ाने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश से निर्यात और रोजगार सृजन दोनों में अहम योगदान देता है और इसके प्रोत्साहन के लिए इस बजट में खास ख्याल रखा गया है। वित्तमंत्री ने बजट में देश के 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है। केंद्र, राज्य और निजी सेक्टर की आपसी सहभागिता से प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। उद्यमी को ऐसे औद्योगिक पार्क में जाकर सिर्फ उत्पादन शुरू करना होता है। नए बजट के प्रावधानों के तहत 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले सुविधा वाले औद्योगिक क्लस्टर या पार्क के विकसित होने से कम से कम 100 प्रकार के आइटम का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सकता है। वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। निस्संदेह सरकार को ध्यान देना होगा कि कल तक पूरी दुनिया में भारत का सेवा निर्यात तेज रफ्तार से बढ़ रहे चमकीले सेक्टर के रूप में रेखांकित होता रहा है, लेकिन अब भारत के इसी प्रभावी सेवा निर्यात की रफ्तार सुस्त हो गई है। ऐसे में सेवा निर्यात की रफ्तार बढ़ाना जरूरी है। सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन से सेवा क्षेत्र को बढ़ावा मिला है। यह जरूरी है कि निर्यातकों के समक्ष शुल्क के अलावा जो नॉन टैरिफ बाधाएं हैं, उन्हें दूर किया जाए। अभी तक करीब 200 नॉन टैरिफ बाधाएं चिन्हित की गई हैं। ये ऐसी बाधाएं हैं जो कई देश अपने आर्थिक लक्ष्यों और विदेश व्यापार को ध्यान में रखकर निर्मित करते हैं। ये सामान्यतया अनुचित और आयातकों से भेदभावकारी होती हैं। खासतौर से इनमें दस्तावेज से संबंधित प्रक्रियाएं, मौसमी शुल्क, टैरिफ कोटा, वस्तुओं की जांच और प्रमाणन, गुणवत्ता, आयात संबंधी पाबंदियां आदि शामिल हैं। ये बाधाएं मुख्य रूप से समुद्री उत्पाद, फार्मास्युटिकल्स, खनिज पदार्थ आदि से संबंधित है। पिछले कई वर्षों से ऐसी बाधाओं से चीन, रूस सहित कई देशों की सरकारों को अवगत कराया गया है।

आम तौर पर नॉन टैरिफ बैरियर दूर करने में कई साल लग जाते हैं। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि सरकार के द्वारा अतिशीघ्र नॉन टैरिफ बैरियर से संबंधित एक ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया जाना लाभप्रद होगा, जिस पर सभी निर्यातक नॉन टैरिफ बैरियर की शिकायत दर्ज करा सकें, निर्यातकों के समक्ष विभिन्न देशों में आने वाली चुनौतियों का पता लगाया जा सके। साथ ही यदि ऐसे भी नियम विश्व व्यापार संगठन के अनुकूल नहीं हो तो सरकार के हस्तक्षेप से निर्यातकों को इससे जूझने से बचाने के उपाय किए जा सके। एक महत्त्वपूर्ण कदम यह भी उठाया जा सकता है कि चीन से गैर शुल्क बाधाएं समाप्त कराए जाने हेतु यूरोपीय देशों की तरह भारत के द्वारा भी चीन पर दबाव की रणनीति के तहत चीनी आयातों पर असाधारण आयात प्रतिबंध लगाने की रणनीति अपनाई जाए। पिछले माह 12 जून को यूरोपीय आयोग ने चीन में बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर 48 फीसदी तक आयात शुल्क लगाना सुनिश्चित किया है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

इसलिए भाजपा की लिस्ट में देरी, आरएसएस ने हैट्रिक लगाने के लिए दिया ये अहम सुझाव

चंडीगढ़। भाजपा ने राज्य की 90 विधानसभा सीटों पर पैनल तैयार कर लिए हैं, मगर अंतिम मुहर पर थोड़ा समय लग सकता है। भाजपा की केंद्रीय समिति की बैठक रविवार को 25 अगस्त को होनी है। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पीएम नरेंद्र मोदी समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। बताया जा रहा है कि केंद्रीय समिति की इस बैठक में फिलहाल जम्मू कश्मीर के भाजपा के उम्मीदवारों पर अंतिम मुहर लगाई जानी है।

बैठक में हरियाणा के उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा अभी नहीं होगी। केंद्रीय समिति की अगली बैठक में चर्चा होने की संभावना है। इस बात की पुष्टि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने की है। बड़ौली ने कहा- अभी हरियाणा के उम्मीदवारों को लेकर मंथन चल रहा है। पैनल को फाइनल करने की प्रक्रिया अभी बाकी है। फिलहाल रविवार को हरियाणा के उम्मीदवारों पर चर्चा होना अभी संभव नहीं है।

भाजपा के सूत्रों ने बताया है कि केंद्रीय चुनाव समिति की अगली बैठक में हरियाणा के उम्मीदवारों पर चर्चा किए जाने की संभावना है। भाजपा की अगली बैठक 28 या 29 को होने की संभावना है। उसके

बाद ही उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा भाजपा की चुनाव समिति की दो दिवसीय बैठक में 90 सीटों के उम्मीदवारों पर चर्चा हुई थी। बैठक में हर एक सीट का पैनल तैयार किया गया है। पैनल में राज्य के पूर्व सांसद, लोकसभा चुनाव हारे उम्मीदवार, मौजूदा विधायक व मंत्री, सांसदों के बेटे व बेटियों, भाजपा नेताओं के रिश्तेदार और राज्यसभा सांसद के अलावा भाजपा के अन्य पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। जिन जगहों पर दिग्गजों ने दावा ठोक रखा है, वहां सिर्फ उन्हीं उम्मीदवारों के नाम शामिल किए गए हैं।

पैनल बनाने के बाद भी टिकटों पर चलता रहा मंथन, सीएम भी दिल्ली पहुंचे...भाजपा की चुनाव समिति की ओर से पैनल बनाए जाने के बाद भी शुक्रवार देर रात विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के घर पर मंथन चलता रहा। बैठक में हरियाणा के प्रभारी सतीश पुनिया,सीएम नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली व संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ मौजूद रहे। बैठक में पैनलों के उम्मीदवारों को लेकर फिर से चर्चा हुई और कई विधानसभा की सीटों के उम्मीदवारों के नामों को लेकर पेच फंसा हुआ है। इस बैठक के अगले ही दिन शनिवार को सीएम नायब सिंह सैनी को कुरुक्षेत्र रैली से फिर से दिल्ली बुला लिया गया। जबकि चंडीगढ़ में उनकी प्रेस कांफ्रेंस थी।

इस प्रेस कांफ्रेंस को रद्द कर दिया गया और वह सीधे दिल्ली पहुंचे और पहले केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की। उसके बाद सभी प्रभारियों के साथ सीएम और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ बैठक का दौर चला।

भाजपा के सूत्रों ने बताया है कि इस बार टिकटों को फाइनल करना इतना आसान नहीं है। टिकट फाइनल करते वक्त भाजपा को संघ, सांसदों और संगठन की भी सुननी है। इसलिए इस बार टिकटों में थोड़ा विलंब हो सकता है।

आरएसएस का सुझाव, हैट्रिक के लिए नए लोगों को ज्यादा मौका दें

पिछले दिनों फरीदाबाद में भाजपा और आरएसएस के बीच दो दिवसीय बैठक हुई थी। बैठक में आरएसएस ने भाजपा नेताओं से कहा है कि पिछले दस साल की सत्ता होने से सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर है और इसे खत्म करने के लिए ज्यादा से ज्यादा नए लोगों को मौका दिया जाना चाहिए। आरएसएस का तो सुझाव यह है कि 70 फीसदी नए लोगों को उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। यदि भाजपा आरएसएस का सुझाव मानती है तो मौजूदा कई विधायकों के टिकट कट सकते हैं। हालांकि पिछली बार भी भाजपा ने कई विधायकों के टिकट काट दिए थे। इसके साथ आरएसएस ने यह भी कहा है कि टिकट देते वक्त किसी तरह आपस में बिखराव नहीं होना चाहिए।

आरएसएस ने बूथ मैनेजमेंट को और ज्यादा सक्रिय करने पर बल दिया है। संघ का कहना है कि लोकसभा चुनाव में बूथ स्तर के पदाधिकारी समझते रहे कि मोदी के नाम पर सब लोग वोट डालने आएंगे, जबकि ऐसा हुआ नहीं था। इसलिए हर बूथ पर फोकस करना जरूरी है। आरएसएस के प्लान पर काम करते हुए भाजपा रविवार को सभी बूथों पर कार्यालय खोलेगी और लोगों से संपर्क साधेगी। वहीं आरएसएस ने इस बार भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ उनके कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रहेगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा मतदान किया जा सके।

चुनाव की तारीखों में हो सकता है बदलाव, भाजपा ने उठाई है मांग

हिसार। हरियाणा में आगामी चुनावों की तारीखों में बदलाव हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब चुनाव सात या आठ अक्तूबर को हो सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव की तारीख बदलने की मांग की है, जिसके बाद चुनाव आयोग इस पर विचार कर रहा है।

इस संबंध में मंगलवार को चुनाव आयोग की ओर से औपचारिक घोषणा की जा सकती है। चुनाव आयोग के संभावित निर्णय का सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के चुनावी रणनीतियों पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। अब सभी की नजरें मंगलवार को होने वाली घोषणा पर टिकी हैं, जिसमें यह साफ हो सकेगा कि हरियाणा के मतदाता किस दिन अपना वोट डालेंगे।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने तर्क दिया है कि एक अक्तूबर के आसपास वीकेंड व छुट्टियां हैं। इस कारण लोग बाहर घूमने जा सकते हैं, जिसका असर मतदान प्रतिशत पर पड़ सकता है। साथ ही यह भी कहा है कि अगली तारीख निर्धारित करते समय यह ध्यान रखा जाए कि मतदान की तिथि से एक दिन पहले और मतदान के अगले दिन अवकाश न हो। ऐसा होने से ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान में हिस्सा ले सकेंगे। बड़ौली ने पत्र में बताया है कि 28 व 29 को शनिवार व रविवार है। एक अक्तूबर को मतदान होने की वजह से छुट्टी है। दो अक्तूबर को गांधी जयंती और तीन को अग्रसेन जयंती है। 30 की छुट्टी लेकर छह दिन का लंबा वीकेंड पड़ रहा है। ऐसे में लोग छुट्टियां मनाने प्रदेश के बाहर जा सकते हैं, जिससे मतदान प्रतिशत प्रभावित हो सकता है। इस पर मुख्य चुनाव अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया, उन्हें भाजपा का पत्र मिला है, जिस पर उपयुक्त फैसला लेने के लिए इसे निर्वाचन आयोग को भेज दिया गया है।

दो साल पहले पंजाब में विधानसभा चुनाव की बदली गई थी तारीख...चुनाव आयोग इससे पहले भी तारीख में बदलाव कर चुका है। साल 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव की तारीख 14 फरवरी निर्धारित की गई थी। इसके दो दिन बाद रविदास जयंती थी। पंजाब के काफी लोग रविदास जयंती मनाने उत्तर प्रदेश के वाराणसी जाते हैं। राजनीतिक दलों के अनुरोध के बाद मतदान की तारीख में परिवर्तन कर 20 अक्तूबर किया गया था।

बिश्नोई समाज ने भी मतदान की तारीख बदलने की मांग की...भाजपा के बाद बिश्नोई समाज महासभा ने भी मतदान की तारीख में बदलाव की मांग की है। महासभा के अध्यक्ष देवेंद्र बुडिया ने कहा-हर साल राजस्थान के बीकानेर में गुरु जंभेश्वर भगवान की समाधि स्थल पर अमावस्या के दिन बड़ा मेला आयोजित होता है, जिसमें हरियाणा समेत पूरे देश के बिश्नोई समाज के लाखों श्रद्धालु मेले में पहुंचते हैं। इस बार एक अक्तूबर को आसोज की अमावस्या पर मुक्तिधाम मुकाम में मेला निर्धारित है।

दादा-पोते व चाचा-भतीजे के बीच होगी इस बार सिरसा में सियासी जंग

सिरसा सिरसा में इस बार दो विधानसभा सीटों पर चुनाव काफी रोचक होने जा रहा है। यहां पर एक सीट पर जहां दादा के सामने पोते ने ताल ठोक दी है, वहीं दूसरी सीट पर चाचा-भतीजा आमने सामने रहेंगे। डबवाली व रानियां की इन सीटों पर इस बार चौटाला परिवार के बीच ही मुकाबले ने चुनाव का रोमांच बढ़ा दिया है। सिरसा की रानियां सीट पर पिछली बार हुए चुनाव में निर्दलीय के तौर पर चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने जीत हासिल की थी। चौधरी रणजीत चौटाला इनेलो सुप्रीमो चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के भाई हैं। रानियां से जीत के बाद चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने भाजपा को समर्थन दिया था और भाजपा ने उनको कैबिनेट मंत्री बनाया था। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को ज्वाइन करके चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने हिसार लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन वह जीत नहीं पाए।

अब एक बार फिर वह रानियां में सक्रिय हो गए हैं। रणजीत चौटाला ने

कहा है कि वह हर हाल में रानियां सीट पर चुनाव लड़ेंगे। इस बीच इस सीट पर उनके पोते अर्जुन चौटाला ने एंट्री मार दी है। अर्जुन चौटाला इनेलो के ऐलनाबाद से विधायक व प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला के पुत्र हैं। दो दिन पहले अर्जुन चौटाला ने प्रेस वार्ता करके जहां रानियां से चुनाव लड़ने की बात कही थी, वहीं अपने दादा रणजीत चौटाला पर रानियां को उपमंडल न बनवा पाने के आरोप भी लगाए थे।

डबवाली से चाचा-भतीजे के बीच जंग...डबवाली से मौजूदा विधायक अमित सिहाग कांग्रेस नेता डॉ. केवी सिंह के पुत्र हैं। वह पिछले चुनाव में डबवाली से कांग्रेस की सीट पर विजयी हुए थे। आपको बता दें कि डॉ. केवी सिंह चौटाला गांव के हैं और चौटाला परिवार से संबंधित हैं। वह कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के ओएसडी भी रह चुके हैं। अमित सिहाग ने विधायक रहते हुए डबवाली की समस्याओं को विधानसभा में पुरजोर तरीके से रखा था। अब इस सीट पर उनके रिश्ते में भतीजे दिग्विजय सिंह चौटाला भी जोर आजमाइश कर रहे हैं। दिग्विजय के पिता डॉ. अजय सिंह चौटाला व उनकी माता नैना चौटाला इस सीट पर विधायक रह चुके हैं। ऐसे में अब दिग्विजय ने भी इस सीट पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवानी आरंभ कर दी है। दिग्विजय लगातार डबवाली का दौरा कर रहे हैं और ग्रामीणों से मुलाकात भी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बोले- कांग्रेस को 4 अक्टूबर के बाद दिखाएंगे असली फिल्म

सोनीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को सोनीपत के गांव सनपेड़ा में जोगी समाज द्वारा आयोजित हरियाणा स्वाभिमान रैली को संबोधित किया। रैली के दौरान मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि अभी तो यह सिर्फ ट्रेलर है, असली फिल्म 4 अक्टूबर को मतगणना के बाद दिखाई जाएगी। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को गैस सिलेंडर 500 रुपये में चाहिए तो उन्हें बीपीएल कार्ड बनवाना पड़ेगा।

सैनी ने कहा कि भाजपा कांग्रेस को दिखाएगी कि असल में सरकार कैसे चलाई जाती है। मुख्यमंत्री सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के लोगों ने देख लिया है कि बीसी समाज के बेटे ने क्या काम करके दिखाया है। उन्होंने जोगी समाज के लोगों की आजादी के संघर्ष में दी गई कुर्बानियों को याद किया और कहा कि जोगी

समाज ओबीसी समाज का ही एक हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी समाज का शोषण किया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समाज को अधिकार दिए हैं। सैनी ने यह भी कहा कि ओबीसी बिल को संसद में लाने पर सबसे पहले कांग्रेस ने ही विरोध किया था। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश में आचार संहिता लागू हो चुकी है, वरना और भी विकास कार्य करके विपक्ष को दिखाया जा सकता था। उन्होंने यह दावा किया कि भाजपा चुनावों के बाद कांग्रेस को दिखा देगी कि असली काम कैसे होता है। हरियाणा विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा पूरी तरह से एक्शन मोड में है, और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सोनीपत में कई बड़े कार्यक्रमों में भाग लिया। जोगी समाज के कार्यक्रम के बाद, मुख्यमंत्री सैनी शाम 4 बजे गोहाना में होने वाली जन आशीर्वाद रैली को भी संबोधित करेंगे। इस दौरान उनके साथ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा और अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

विनेश फोगाट का गोल्ड मेडल से हुआ भव्य सम्मान

रोहतक। ओलंपिक में देश का गौरव बढ़ाने वाली पहलवान विनेश फोगाट का रविवार को रोहतक के अस्थल बोहर स्थित नांदल भवन में सर्व खाप महापंचायत द्वारा भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर विनेश को शुद्ध सोने से बना पदक पहनाया गया और खाप प्रमुखों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। इस सम्मान समारोह का आयोजन विनेश के जन्मदिन के अवसर पर किया गया, जिसमें उनका जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विनेश को विशेष रूप से तैयार की गई मोती जड़ी कंठी में पांच तोले शुद्ध सोने से बने पदक से सम्मानित किया गया। यह पदक खापों के प्रतिनिधियों ने उन्हें प्रदान किया, जिसमें हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश की खापों के प्रमुख शामिल थे।

इस समारोह की तैयारियां शनिवार देर शाम तक नांदल भवन में चलती रहीं, जहां पंडाल और मंच की सजावट के लिए समाज के लोग और श्रमिक दिनभर जुटे रहे। रविवार की सुबह 10 बजे हवन के साथ इस विशेष दिन की शुरूआत हुई, जिसके बाद विनेश का सम्मान और उनके जन्मदिन का जश्न मनाया गया।

साइबर ठगी की 61 वारदातें: जालंधर में साइबर क्राइम गिरोह के पांच आरोपी गिरफ्तार

जालंधर। जालंधर की कमिश्नरेट पुलिस ने बहु-राज्य बैंक चेक धोखाधड़ी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पांच शातिरों को गिरफ्तार किया है जो अलग-अलग राज्यों से संबंध रखते हैं। गिरोह की गतिविधियां पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, यूपी, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक तक फैली हुई हैं। ये इन राज्यों के भोले-भाले लोगों को साइबर क्राइम में फंसाते थे और उनसे ठगी करते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने कुल 61 वारदातों को अंजाम देकर लाखों रुपये की ठगी की है। पुलिस ने 19 बैंक खाते जब्त किए गए हैं। इसके अलावा इन शातिर बदमाशों से 44 एटीएम कार्ड, 17 चेक बुक और छेड़छाड़ करने वाले उपकरण भी बरामद किए गए हैं। आरोपियों से जो 19 बैंक खाते मिले हैं उनकी भी जांच की जा रही है। क्योंकि आरोपी लोगों से ठगी करने के बाद राशि को इन्हीं बैंक अकाउंट्स में ट्रांसफर करते थे। जालंधर पुलिस के आरोपियों के गिरोह में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं। आरोपियों से उनके अन्य साथियों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

झज्जर पहुंची मनु भाकर: जिला उपायुक्त शक्ति सिंह ने बुके देकर किया स्वागत

झज्जर । ओलिंपिक में कांस्य पदक विजेता मनु भाकर रविवार को झज्जर पहुंची। यहां पहुंचने पर मनु भाकर का जोरदार स्वागत किया गया। झज्जर में गुरुग्राम रोड पर गौशाला के पास मनु का स्वागत किया गया। जिला उपायुक्त शक्ति सिंह ने मनु भाकर का स्वागत किया और आशीर्वाद दिया।

डीसी शक्ति सिंह ने कहा कि मनु भाकर ने पदक जीतकर झज्जर जिले का नाम विदेश तक चमकाने का काम किया हैं, हमें उन पर गर्व हैं। युवाओं को मनु भाकर से प्रेरणा लेनी चाहिए। इसके बाद मनु भाकर का खानपुर खुर्द गांव में स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने बुके, फूल मालाओं से उसका स्वागत किया।

भारतीय निशानेबाज और दो

बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के पिता राम किशन भाकर ने कहा कि मैं लोगों के प्यार के लिए बेहद आभारी हूं। गांव के लोगों ने हमें बहुत प्यार दिया है। मैं उन सभी का सम्मान करता हूं। पूरे देश को मेरी बेटी पर गर्व है।

गोकुलधाम गोशाला में की गायों की पूजा...मनु भाकर ने कहा कि फिलहाल उसका पूरा फोकस खेल पर है। जब तक शरीर में जान है, वह खेलेंगे और उसके बाद कोचिंग के बारे में सोचूंगी। शादी को लेकर किए गए सवाल पर मनु ने शरमाते हुए कहा कि शादी की बात कहां से आ गई। उसने अभी इस बारे में कुछ नहीं सोचा है। भगवान आगे जो करेगा, वह देखा जाएगा। उसका पूरा फोकस खेलों पर है और गोल्ड जीतना है।

पंजाब में दो दिन भारी बारिश की चेतावनी पांच जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

चंडीगढ़। पंजाब में पिछले कुछ दिनों से मानसून सुस्त चल रहा है, लेकिन अगले दो दिन पंजाब के लोगों के लिए मुश्किल भरे हो सकते हैं। मौसम विभाग ने पंजाब के कुछ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग ने पांच जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम केंद्र चंडीगढ़ की तरफ से पंजाब के पांच जिलों में 27 व 28 अगस्त को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिनमें अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और रूपनगर शामिल हैं, जबकि बाकी जिलों में इस दौरान हल्की व मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इससे पहले रविवार को मौसम का मिजाज मिलाजुला रहा। आसमान पर कभी बादल छा जाते तो कभी धूप खिली। पंजाब में कई जगहों पर

शनिवार को बारिश हुई है। हालांकि तापमान में इसका खास असर नहीं पड़ा। पंजाब में सबसे गर्म फरीदकोट रहा। फरीदकोट का अधिकम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। बीते 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश रोपड़ में 12.5 एमएम हुई है। इसी तरह भाखड़ा डैम के एरिया में 10.5 एमएम, बालाचौर में 3.5 एमएम, श्री आनंदपुर साहिब में 2 एमएम, बरनाला में 2 एमएम, समराला में 1.5 एमएम, फिरोजपुर में 1 एमएम और पटियाला में भी 1 एमएम बारिश हुई है।

हरियाणा में भी तेज बारिश का अलर्ट...पंजाब के अलावा हरियाणा में भी दो दिन भारी बारिश का अलर्ट है। हरियाणा के आठ जिलों में तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

जिंदल परिवार और भाजपा का राजनीतिक भविष्य को तय करेगी हिसार में हार-जीत

हिसार। जिंदल परिवार को भाजपा में शामिल करने के बाद इस बार हिसार सीट पर हार-जीत राजनीतिक रूप से कद्दावर इस परिवार और भाजपा का राजनीतिक भविष्य को तय करेगी। हिसार विधानसभा सीट से पांच बार जीत चुका जिंदल परिवार और दो बार से विधायक डॉ. कमल गुप्ता के लिए इस बार भाजपा को जीत दिलाना सबसे बड़ी चुनौती है। वर्ष 2019 के चुनाव में हिसार एयरपोर्ट सबसे बड़ा मुद्दा था।

चुनाव आचार संहिता लागू होने से महज कुछ दिन पहले ही हिसार एयरपोर्ट से छोटे हवाई जहाज की ट्रायल उड़ान शुरू की गई। डॉ. कमल गुप्ता ने पिछले चुनाव में हिसार एयरपोर्ट को पूरी तरह से विकसित करने की घोषणा थी, लेकिन अब तक मुकाम तक नहीं पहुंची। नए बस अड्डे, इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की घोषणा पर भी कुछ नहीं हुआ। पार्किंग स्थल बनाना, कचरे का निस्तारण, यातायात सुचारू करने के लिए नई सड़कों का निर्माण, शहर को फाटक मुक्त बनाने के काम भी पूरे नहीं हो सके। बेसहारा पशु, सीवरेज की समस्या ज्यों की त्यों है।

ये सब मुद्दे जनता की जुबां पर हैं और इनके समाधान के लिए अक्सर प्रदर्शन करते रहे हैं। ऐसे में इस सीट से 9 बार जीत चुकी कांग्रेस खोई जमीन को हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगाएगी। हिसार से डॉ. कमल गुप्ता के अलावा सावित्री जिंदल, पूर्व मेयर गौतम सरदाना और तरूण जैन टिकट के प्रबल दावेदरा हैं। कांग्रेस से रामनिवास राड़ा, बजरंग गर्ग, अशोक मंगालीवाला, हनुमान ऐरन का नाम सबसे ऊपर है। आम आदमी पार्टी भी किसी अग्रवाल को मैदान में उतार सकती है। जजपा तथा इनेलो से अभी कोई नामचीन चेहरा सामने नहीं है।

यह रहेंगे मुद्दे...सीवरेज, नया बस अड्डा, बेसहारा गोवंश, यातायात जाम, पशु डेयरी शिफ्ट कराना, स्वच्छ पेयजल के अलावा प्रॉपर्टी आईडी, फैमिली आईडी चुनावी मुद्दे रहेंगे।

ये रही उपलब्धियां...हिसार से निकलने वाले रोड फोरलेन हुए हैं। वाशिंग यार्ड, अंडरपास, आरयूबी का निर्माण भी हुआ। लुवास के नए कैंपस का पहला चरण बनकर तैयार हो चुका है। शहर में 50 बस क्यू शेल्टर बनाए जा रहे हैं।

राजनीति और व्यापार में अगुवाई वाला शहर...चौधरी भजनलाल के समय करीब 13 साल तक हिसार को सीएम सिटी का गौरव मिला। पिछले दो दशक से शहर विधायक को मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी मिली है। स्टील नगरी के तौर पर पहचान रखने वाला हिसार व्यापारियों का शहर माना जाता है। शहर के साथ लगता अग्रोहा अग्रवाल समाज का सबसे बड़ा धाम है। हर साल देश भर से हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचते है। खासतौर पर

शरद पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाले मेले में सबसे ज्यादा भीड़ उमड़ती है।

अग्रवाल समाज का हिसार के बड़े हिस्से पर प्रभाव है। अधिकतर बड़े उद्योग अग्रवाल समाज के लोगों ने स्थापित किए हैं। यहां तैयार होने वाला स्टील 22 देशों में पहुंचता है। हिसार के बटन तथा कॉटन का भी 17 देशों में निर्यात हो रहा है। कारोबार में अग्रवाल समाज के साथ-साथ पंजाबी तथा बनिया समाज का भी हिस्सा है। छोटे कारोबार में पंजाबी, अनाज मंडी-सब्जी मंडी में सैनी समाज भी बराबर का हिस्सेदार है। कारोबार में बड़ी भागीदारी रखने वाली तीनों जातियों में राजनीतिक जंग भी रहती है। अब तक इन जाति के विधायक ही जीतते रहे हैं। दूसरे नंबर पर भी इन तीनों के बीच ही टक्कर रहती है। ऐस में सभी प्रमुख दल इन तीन जातियों के उम्मीदवारों को ही टिकट देना पहली प्राथमिकता रखते हैं।

अग्रवाल समाज से बने 14 विधायक...हिसार सीट पर अग्रवाल और पंजाबी मतदाता करीब 12-12 प्रतिशत हैं। तीसरे नंबर पर करीब 10 प्रतिशत सैनी समाज के मतदाता हैं। वर्ष 1952 से लेकर अब तक की बात करें तो इस सीट पर सबसे अधिक 14 बार अग्रवाल समाज के विधायक बने हैं। एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं वाले जैन समाज से भी एक बार विधायक बना है। एक बार लोकदल की टिकट पर सैनी समाज से भी विधायक चुना गया।

यातायात जाम सबसे बड़ी परेशानी....हिसार शहर की सबसे बड़ी समस्या यातायात जाम है। दिल्ली रोड पूरे शहर को जोड़ने का काम करता है। बस अड्डे से नागोरी गेट, पारिजात चौक, लक्ष्मीबाई चौक, कैंप चौक, डाबड़ा चौक, जिंदल चौक तक सबसे अधिक जाम की स्थिति रहती है। जाम से राहत दिलाने के लिए पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने एलिवेटिड रोड का प्रस्ताव तैयार कराया था, जो सिरे नहीं चढ़ा। दिल्ली रोड से वाहनों का दबाव कम करने के लिए सेक्टर 1-4 से महाबीर कॉलोनी, तोशाम रोड से राजगढ़ रोड तक नाले पर सड़क बनाने की घोषणा पर काम शुरू नहीं हो सका है।

प्रतिक्रिया...हिसार विधायक ने 2014 में जो वादे किए थे उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ है। नया बस अड्डा, क्रिकेट स्टेडियम, एयरपोर्ट, नागरिक अस्पताल, नई सड़कों का निर्माण का काम पूरा नहीं हुआ। एयरपोर्ट के नाम पर लोगों से छलावा करते रहे, वह भी पूरा नहीं करा पाए। एक फ्लाइट तक हिसार से नहीं उड़ी। -रामनिवास राड़ा, कांग्रेस प्रत्याशी 2019 , हिसार।

शहर के कई हिस्सों में स्ट्रीट लाइटें नहीं हैं। रात के समय लोगों को काफी दिक्कतें होती हैं। शहर की सड़कों की हालत बेहद खराब हैं। कई बार लोग नगर निगम से अनुरोध कर चुके, लेकिन कोई निदान नहीं हो रहा। -पूजा ,कामकाजी महिला।

पुराने शहर में सीवरेज ओवरफ्लो की शिकायत है। मिलगेट रोड के लोग कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं। सैनियान मोहल्ला, महाबीर कॉलोनी, संत नगर में मामूली बारिश में ही सड़कें तलाब बन जाती हैं। लोगों के घरों में गंदा पानी आता है। एयरपोर्ट पर कुछ काम हुए हैं, सड़कों पर तिरंगा लाइट लगी हैं। - रेनू, गृहिणी।

शहर में मुख्य सड़कें अच्छी हालत में हैं। हिसार से कैमरी, तोशाम और बालसमंद रोड को शहर के हिस्से में फोरलेन किया गया है। इससे काफी राहत मिली है। सूर्य नगर फाटक पर अंडरपास बन चुका है। रेलवे स्टेशन को भी नए सिरे से बनाया जा रहा है। - गोपीराम।

2014 से 2019 में तो कई काम हुए, लेकिन बीते पांच साल में अपेक्षित काम नहीं हुए। पिछले दो साल से सीवरेज तथा यातायात जाम की समस्या है। बस अड्डे को शिफ्ट करने के लिए 2019-20 में ही प्रयास किए जाते तो आज तक यह कार्य हो चुका होता। - कृष्ण मलिक।

हिजबुल्ला के हमले की योजना पर इस्राइल ने फेरा पानी लेबनान पर किए हवाई हमले, 48 घंटे का आपातकाल घोषित

यरुशलम हमास और इस्राइल बीते 10 महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस बीच, इस्राइल और लेबनान के हिजबुल्ला के बीच भी युद्ध छिड़ता दिख रहा है। इस्राइल ने रविवार की सुबह दक्षिणी लेबनान में कई हवाई हमले किए। इसका कहना है कि हिजबुल्ला इस्राइल पर हमला करने की योजना बना रहा था। इसलिए एहतियातन यह हमले किए गए। हालांकि, यह हमला गाजा संघर्ष विराम वार्ता को विफल कर सकता है।

हिजबुल्ला ने भी किया था हमला...वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्ला ने शनिवार को इस्राइल की ओर ताबड़तोड़ मिसाइल हमले किए थे। इस हमले में इस्राइली सीमा के अंदर स्थित कई घर तबाह हो गए।बताया जा रहा है कि हिजबुल्लाह ने ये हमले शुक्रवार को हुए इस्राइली हमले के जवाब में किया था।

उड़ानें प्रभावित...लेबनान में हवाई हमलों का सबसे ज्यादा असर उड़ानों पर पड़ा है। इस्राइल के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने आने वाली उड़ानों को डायवर्ट कर दिया है। वहीं, कुछ उड़ानों में देरी भी हो रही है। वहीं, यहां के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने घरेलू मोर्चे पर विशेष स्थिति की घोषणा की। उन्होंने इस्राइली सेना द्वारा लेबनान में एहतियाती हमले शुरू करने के बाद रविवार सुबह छह बजे से 48 घंटे के राष्ट्रव्यापी आपातकाल का एलान किया है।

ईरान कर रहा बदला लेने का दावा...ईरान समर्थित समूह पिछले महीने के अंत में इस्राइल द्वारा एक शीर्ष कमांडर की हत्या का बदला लेने का दावा कर रहा है। इस बीच, इस्राइली सेना ने कहा कि हिजबुल्ला देश पर भारी मात्रा में रॉकेट और मिसाइलों से हमला करने की योजना बना रहा था। इसलिए एहतियात बरते हुए हमला किया गया।

संघर्ष विराम वार्ता पर खतरा...पूरे उत्तरी इस्राइल में हवाई हमले के सायरन बजने की खबरें आईं। वहीं, बेन-गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने आने वाली उड़ानों को डायवर्ट करना शुरू कर दिया। बता दें, यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब मिस्र हमास के खिलाफ इस्राइल के युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से वार्ता के एक नए दौर की मेजबानी कर रहा है, जो अब अपने 11वें महीने में है। हिजबुल्ला ने कहा है कि अगर संघर्ष विराम होता है तो वह लड़ाई रोक देगा।

पिछले सप्ताह इस्राइल के रक्षा मंत्री ने कहा था कि वह ईरान समर्थित समूह के साथ संभावित लड़ाई की आशंका के बीच लेबनानी सीमा की ओर अधिक सैनिकों को तैनात कर रहे हैं।

अपने नागरिकों को बचाने के लिए किए हमले: हगारी...इस्राइल के सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने रविवार को कहा, 'खतरों को दूर करने के लिए एक आत्मरक्षा कार्रवाई के तहत इस्राइली सेना लेबनान में आतंकी ठिकानों पर हमला कर रही है। इन ठिकानों से हिजबुल्ला इस्राइली नागरिकों पर हमले करने की योजना बना रहा था।'

लेबनानी नागरिकों को दूर जाने की दी चेतावनी...उन्होंने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा, 'हम देख सकते हैं कि हिजबुल्ला लेबनानी नागरिकों को खतरे में डालते हुए इस्राइल पर व्यापक हमला करने की तैयारी कर रहा है। इसलिए हम उन क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को चेतावनी देते हैं, जहां हिजबुल्ला के ठिकाने हैं, वे वहां से तुरंत कहीं दूर चले जाएं।'

लेबनानी मीडिया ने देश के दक्षिण में हमलों की सूचना दी, लेकिन तुरंत अधिक विवरण नहीं दिया। सोशल मीडिया फुटेज में दक्षिणी लेबनान में हमलों की झलक दिखाई दी। इस्राइली मीडिया ने उड़ान रद्द होने की खबर के लिए इस्राइल एयरपोर्ट अथॉरिटी का हवाला दिया।

नेपाली ने फर्जी आधार कार्ड से बेची बिहार में जमीन,पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता।

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी में नेपाली नागरिक इदरीस बैठा को फर्जी आधार कार्ड बनवाकर अपने सौतेले भाई की जमीन बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इदरीस ने भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सीतामढ़ी जिले में अपने सौतेले भाई लालाबाबू बैठा और रफीक बैठा की जमीन को फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेच दिया था।

दरअसल, भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा होने के कारण दोनों देशों के नागरिकों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं और अक्सर सीमा पार से विवाह और पारिवारिक संबंध भी देखने को मिलते हैं। इसका फायदा उठाकर इदरीस ने फर्जी तरीके से भारतीय पहचान पत्र बनवाए और अपने सौतेले भाइयों को अपना शिकार बनाया। पुलिस के अनुसार, इदरीस ने पहले फर्जी आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड बनवाया। इसके बाद उसने इन दस्तावेजों का इस्तेमाल करके अपने सौतेले भाइयों की जमीन अपने नाम करवा ली और उसे बेचकर फरार हो गया। मामले का खुलासा होने पर पीड़ित पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

एसपी के निर्देश पर पुलिस ने इदरीस के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। काफी समय से फरार चल रहे इदरीस को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में इदरीस के अन्य साथियों की भी तलाश कर रही है, जिनमें उसके भाई कुदरुस बैठा, शकुर बैठा, छोटन बैठा, बशीर बैठा और हसीना खातून शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि ये सभी आरोपी भी फर्जी दस्तावेजों के जरिए अवैध गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। पुलिस सीमावर्ती इलाकों में फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके अपराध को अंजाम दिया जाता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसे मामलों में सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

ऑपरेशन के दौरान युवक के पेट से निकला चाबी का गुच्छा-चाकू और नेलकटर

देखते रह गये डॉक्टर्स

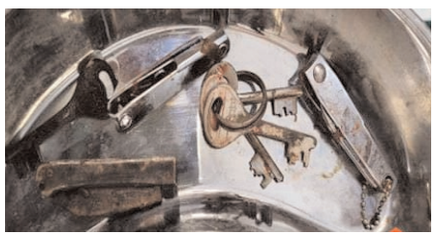

संवाददाता।

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण से हैरान करने वाली खबर आई है। पेट में दर्द की शिकायत के बाद डॉक्टर ने जब एक्स-रे करवाया तो प्लेट को देखकर हैरान रह गये फिर परिजनों को इस बात की जानकारी दी कि मरीज के पेट में लोहे का सामान दिख रहा है। डॉक्टर ने ऑपरेशन कराने की सलाह दी। जब परिजन तैयार हुए तब डॉक्टरों की टीम ने युवक के पेट का ऑपरेशन किया तो उसमें से जो निकला उसे देखकर डॉक्टर्स भी हैरान रह गये. युवक के पेट से चाकू-चाबी का गुच्छा और नेल कटर निकाला गया। पेट के अंदर से लोहे का सामान मिलने से परिजन भी दंग रह गये। वही अस्पताल में भर्ती अन्य मरीजों के परिजन जब यह बात जाने तो यह सोचने पर मजबूर हो गये कि यह कैसे हुआ? युवक की मां ने बताया कि वो मोतिहारी के चांदमारी इलाके में रहती हैं उनका बेटा यश मानसिक रूप से बीमार है। उसे लोहे खाने की आदत थी लेकिन इसकी जानकारी मां को भी नहीं थी।

नेपाल: बस दुर्घटना में मृतक 25 शवों को भारतीय वायुसेना के विमान से नासिक भेजा गया

दीपक/मधुकर।

जनकपुरधाम। शुक्रवार कोतनहुं जिला में पोखरा से काठमांडू आ रहे भारतीय बस म्याग्दी नदी में गिर गयी। इसमें बस के चालक,क्लीनर सहित 27लोगो की मृत्यु हो गयी है।

शनिवार को भारतीय वायुसेना विमान3810से चितवन से 25शव को महाराष्ट्र के नासिक भेजा गया।वही चालक तथा उप चालक का शव (शव वाहन से)गोरखपुर भेजा गया। भरतपुर भारत सरकार के युवा खेलकूद तथा रक्षा राज्य मंत्री निखिल खाडसे, महाराष्ट्र के विधायक संजय शुभ करें भी उसी विमान से गये। भारत सरकार के राज्य मंत्री निखिल खाडसे विधायक,संजय शुभ करें तथा भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने घायलों से अस्पताल में हालचाल पूछे। उपरोक्त जानकारी चितवन के जिलाधिकारी इन्द्र देव यादव ने दी है।

'रेड स्क्वायर का बीमार-बूढ़ा आदमी है पुतिन', जेलेंस्की ने मजाक

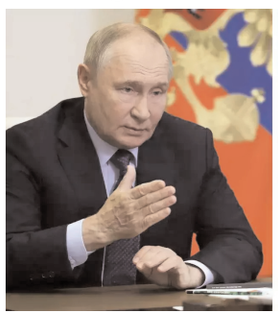

कीव यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मजाक उड़ाया। जेलेंस्की ने पुतिन को 'रेडस्क्वायर का बीमार बूढ़ा आदमी' बताया। जेलेंस्की शनिवार को सोवियत संघ से यूक्रेन की आजादी के 33 साल पूरे होने पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने नव-विकसित यूक्रेनी 'ड्रोन मिसाइल' का प्रचार किया और कहा कि यह मिसाइल रूस को युद्ध से पीछे धकेल देगी।

जेलेंस्की ने कहा कि नया हथियार पलियानित्सिया, घरेलू रूप से निर्मित ड्रोन की तुलना में तेज और अधिक शक्तिशाली है, जिसका उपयोग कीव ने अब तक रूस के खिलाफ लड़ने, उसकी तेल रिफाइनरियों और सैन्य हवाई क्षेत्रों पर हमला करने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि हमारा दुश्मन अब जानेगा कि जवाबी कार्रवाई का यूक्रेनी तरीका क्या है।

जेलेंस्की ने रूस के 71 वर्षीय राष्ट्रपति पुतिन और मॉस्को से आने वाली परमाणु बयानबाजी का वर्णन करने के लिए उपहासपूर्ण भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक वीडियो में कहा, 'रेड स्क्वायर का एक बीमार बूढ़ा व्यक्ति जो लगातार लाल बटन से सभी को धमकी देता है, वह अपनी कोई भी लाल रेखा हमें निर्देशित नहीं करेगा।'

जेलेंस्की ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं एक बार फिर इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हमारे नए हथियार निर्णय, जिसमें पलियानित्सिया भी शामिल है, कार्य करने का हमारा यथार्थवादी तरीका है, जबकि हमारे कुछ साझेदार दुर्भाग्य से निर्णय लेने में देरी कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'पलियानित्सिया' शब्द, जो यूक्रेनी ब्रेड का एक प्रकार है, रूसियों के लिए उच्चारण करना बहुत कठिन है। इसका उपयोग कभी-कभी विनोदी रूप से युद्ध के दौरान यूक्रेनियन और रूसियों को अलग बताने के तरीके के रूप में किया गया है। जेलेंस्की ने ड्रोन मिसाइल के बारे में कहा, 'रूस के लिए यह बताना भी मुश्किल होगा कि वास्तव में उस पर क्या हमला हुआ है।'

इसके अलावा, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने शीर्ष कमांडर कर्नल जनरल ऑलेक्जेंडर सिरस्की को जनरल के पद पर पदोन्नत किया। ऑलेक्जेंडर को पदोन्नति का यह तोहफा छह अगस्त को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की सीमा पार से हुई घुसपैठ की ओर इशारा करता है। कीव के अनुसार, यूक्रेन के आक्रमण ने कुर्स्क क्षेत्र में 90 से अधिक बस्तियों पर कब्जा कर लिया है।

राजनाथ सिंह ने किया अमेरिकी नौसैनिक वॉरफेयर फैसिलिटी सेंटर का दौरा

वॉशिंगटन। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह चार दिवसीय दौरे पर अमेरिका में हैं। उन्होंने मैरीलैंड में अमेरिकी नौसैनिक वॉरफेयर फैसिलिटी सेंटर का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका एक साथ काम करने और एक-दूसरे के अनुभवों से लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इसका जिक्र किया। राजनाथ सिंह ने कहा, "कार्डरॉक में नौसेना वॉरफेयर फैसिलिटी सेंटर का दौरा किया और उनके प्रयोगों को देखा। उन्होंने आगे कहा, भारत और अमेरिका एक साथ काम करने और एक-दूसरे के अनुभवों से लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं।

राजनाथ सिंह ने की जेक सुलिवन और लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात...इससे पहले शनिवार को राजनाथ सिंह ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्होंने आपसी हित के प्रमुख रणनीतिक मामलों पर चर्चा की। जेक सुलिवन से मिलने के अलावा राजनाथ सिंह ने यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) द्वारा आयोजित रक्षा उद्योग सम्मेलन में अमेरिकी रक्षा कंपनियों के साथ भी बातचीत की। उन्होंने अमेरिकी कंपनियों को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में मेक इन इंडिया कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए भारतीय भागीदारों के साथ काम करने के लिए आमंत्रित भी किया। राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच रक्षा सहयोग की मजबूती को लेकर चर्चा हुई। इसके अलावा रक्षा मंत्री ने मौजूदा रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा करने और उन्हें और गहरा करने पर भी सहमति जताई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन एटक मैनाटांड की बैठक सम्पन्न

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन एटक मैनाटांड की बैठक मैनाटांड मंदिर परिसर में आनन्द श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, बैठक को संबोधित करते हुए पं चम्पारण जिला एटक प्रभारी सह बिहार राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी यूनियन के संरक्षक ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि आज मैनाटांड बाल विकास परियोजना में लूट मचा हुआ है, सेविका सहायिका को मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है, खराब और बेकार मोबाइल से काम करने के लिए बाध्य किया जा रहा है जिससे तंग आकर सेविकाओं ने बाल विकास परियोजना कार्यालय में अपना अपना मोबाइल सामूहिक रूप से जमा करा दी है जो एक सराहनीय कदम है, अधिकारी सिर्फ काम खोज रहे हैं लेकिन केन्द्र संचालन के लिए साधन की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी कोई नहीं ले रहा है, नेटवर्क काम नहीं करने की स्थिति में काम में विलंब होने से सेविकाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, इस तरह का शोषण और दमन यूनियन बर्दाश्त नहीं करेगा, पर्यवेक्षिकाओ द्वारा सेविकाओं को प्रताड़ित एवं अपमानित करने की घटनाओं की शिकायत लगातार मिल रही है, यूनियन चुप चाप बैठने वाला नहीं है, यदि सुधार नही हुआ तो यूनियन बाल विकास परियोजना कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा, श्री क्रांति ने आगे कहा कि जब सब काम आंन लाईन होगा तो प्रति माह केन्द्रों की जा रही वसूली भी आंन लाईन हो और विभाग पे फोन नम्बर जारी कर दे, श्री क्रांति ने जल्द ही जिला डी पी ओ एवं जिला पदाधिकारी के समक्ष इन समस्याओं को उठाने की बात कही।बैठक में प्रमिला, देवी, अंजली, मंजू, अलविन केरकेटा,गीता, त्रिभुवन, अजीत दास, विकाउ गिरी, राजा, विनय श्रीवास्तव, धनन्जय यादव, जिला उपाध्यक्ष गोदावरी देवी, समाज सेवी खलिकुज्जमा आदि उपस्थित रहे।

नेपाल से देवघर जा रही कावरियों से भरी बस समस्तीपुर में पलटी

संवाददाता।

समस्तीपुर । नेपाल से देवघर जा रहे तीर्थ यात्रियों की बस दुर्घटना का शिकार हो गई। जिसमें 35 से अधिक लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी में महिला पुरुष बच्चे सभी शामिल हैं ।बताया जाता है कि समस्तीपुर के मुसरीघरारी चौक के पास एनएच 28 पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने तीर्थ यात्रियों से भरी बस में टक्कर मार दी।

जिसके बाद बस पलट गई और उसमें सवार 43 लोगों में से 35 से अधिक लोग जख्मी हो गए।जिनमें 8 लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मुसरीघरारी थाना थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी जख्मी को अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जिनमें 20 से अधिक देवघर जा रहे तीर्थ यात्री को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। वहीं बाकी अन्य जख्मी को मुसरीघरारी के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जिस ट्रक के द्वारा टक्कर मार गया था, उस ट्रक को भी पुलिस ने जप्त कर लिया है। फिलहाल सभी जख्मी का इलाज जिले के अलग-अलग अस्पतालों में किया जा रहा है।

जख्मी कावरियों में गीता देवी, सीमा कुमारी, विश्वनाथ मुखिया बिंद, शोभा कुमारी राजेश्वर प्रसाद शाह मुस्कान शाह, फेकन मुखिया, शिव कुमारी, सियापति देवी, अमन प्रजापति, रामरती देवी ,सुजीत कुमारी, राम किशोरी राम, नागेंद्र शाह, रामभा शाह, सुखिया देवी, लक्ष्मी झा ,रविंद्र कुमार ,रामेश्वर शाह, सुबोध प्रसाद झा, लक्ष्मण मुखिया, सुमन मिश्रा, काजल कुमारी, उषा देवी आदि शामिल है।

विदेश मंत्री सिजार्तो का यूरोपीय संघ पर आरोप

बुडेस्ट (हंगरी) हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिजार्तो ने शनिवार को यूरोपीय संघ पर रूस से तेल आपूर्ति बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रूस से यूक्रेन के रास्ते तेल आपूर्ति विवाद में यूरोपीय आयोग द्वारा मध्यस्थता नहीं करने के फैसले से पता चलता है कि इसके पीछे ब्रुसेल्स था। सिजार्तो ने यह दावा, यूरोपीय संघ द्वारा प्रतिबंधों पर मध्यस्थता करने के हंगरी और स्लोवाकिया के अनुरोध को अस्वीकार करने के एक दिन बाद आया है। वहीं, यूरोपीय आयोग के प्रवक्ता ने सिजार्तो के बयान पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

बता दें कि यूक्रेन ने रूसी तेल उत्पादक लुकोइल को जून में प्रतिबंध सूची में डाल दिया था, जिसके बाद से हंगरी और पड़ोसी स्लोवाकिया विरोध कर रहे हैं। यूक्रेन ने लुकोइल कंपनी के तेल को यूक्रेनी क्षेत्र से स्लोवाकिया और हंगरी की रिफाइनरियों तक जाने से रोक दिया है। के विदेश मंत्री सिजार्तो ने कहा, 'यूरोपीय संघ ने घोषणा की है कि हंगरी और स्लोवाकिया की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने में वह मदद नहीं करेगा, यह बताया है कि हंगरी और स्लोवाकिया की ऊर्जा आपूर्ति में चुनौतियां और समस्याएं पैदा करने के लिए ब्रुसेल्स से कीव को आदेश भेजा गया था।

संसद सत्र से पहले बतौर PM कीर स्टार्मर का पहला भाषण, लेबर पार्टी ने कंजर्वेटिव शैली बदलने के दिए संकेत

लंदन। ब्रिटेन में पिछले महीने लेबर पार्टी लगभग 14 साल बाद सत्ता पर काबिज हुई। भारतवंशी ऋषि सुनक के इस्तीफे के बाद कीर स्टार्मर प्रधानमंत्री बने। अब कीर स्टार्मर के पहले भाषण पर सबकी नजरें हैं। संसद सत्र से ठीक पहले बतौर पीएम कीर स्टार्मर के पहला भाषण काफी अहम साबित हो सकता है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री के कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में हो रही तैयारियों को लेकर आई खबर के मुताबिक मंगलवार को कीर स्टार्मर रोज गार्डन में भाषण देंगे।

इस दौरान कुछ आम लोगों को भी आमंत्रित किया जा सकता है। संडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक लोगों को बुलाने का फैसला इस बात का साफ संकेत है कि लेबर पार्टी के नेता कीर कंजर्वेटिव पार्टी की कामकाजी शैली को बदल डालने का इरादा रखते हैं।

इन मुद्दों पर बात कर सकते हैं कीर स्टार्मर...गौरतलब है कि ब्रिटेन में बीते चार जुलाई को आम चुनाव के बाद नई सरकार का गठन हुआ है। इसके बाद सरकार ने कई अहम घोषणाएं की हैं। स्टार्मर जनता को आगाह करेंगे कि बीते 14 साल में कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार से जो चीजें उन्हें विरासत में मिली हैं, उसके कारण हालात बहुत उत्साहजनक नहीं हैं। संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) का सत्र शुरू होने से पहले ब्रिटिश पीएम के भाषण के जो अंश सामने आए हैं इसके मुताबिक लेबर पार्टी ने विरासत में मिले आर्थिक संकट के अलावा सामाजिक विषमताओं का भी जिक्र किया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री का शुरूआती जीवनकाल और राजनीतिक सफर...कीर स्टार्मर ब्रिटेन में मौजूदा सबसे बड़े विपक्षी दल लेबर के अध्यक्ष हैं। पेशे से वकील कीर स्टार्मर मुख्य अभियोक्ता रह चुके हैं। लेबर पार्टी के अनुसार, उनका पूरा करियर जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने के लिए रहा है। स्टार्मर पूर्वी इंग्लैंड के सरी में ऑक्सटेड नामक एक छोटे से शहर में पले-बढ़े। उनके पिता एक कारखाने में कारीगर के रूप में काम करते थे और उनकी मां अस्पताल में एक नर्स थीं। कई परिवारों की तरह स्टार्मर को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उनकी मां ने जीवन भर एक दुर्लभ और गंभीर बीमारी से संघर्ष किया। कीर ने अपने बचपन का ज्यादातर समय अपनी मां को अस्पताल जाते हुए देखा, जहां उनके पिता हमेशा उनके साथ रहते थे। इन सब चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने लीड्स विश्वविद्यालय और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की। राजनीति में आने के बाद कीर स्टार्मर पहली बार 2015 में 52 साल की उम्र में संसद के लिए चुने गए।

दक्षिण फ्रांस में यहूदियों के धार्मिक स्थल पर आगजनी का प्रयास, एक पुलिसकर्मी घायल

पेरिस। दक्षिणी फ्रांसीसी शहर ला ग्रांडे-मोटे में यहूदी धर्मस्थल पर आगजनी की कोशिश मामले में एक शख्स को हिरासत में लिया है। बता दें, यह घटना हाल के महीनों में हुए हमलों की श्रृंखला में नवीनतम है, जिसने फ्रांस के यहूदियों को परेशान कर दिया है। यहूदी आमतौर पर शनिवार की सुबह सब्बाथ मनाने के लिए धर्मस्थल पर जाते हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दो विशिष्ट पुलिस इकाइयों ने शनिवार को निम्स शहर में छापेमारी के बाद संदिग्ध को हिरासत में लिया। आंतरिक मंत्री गेराल्ड डार्मनिन ने बताया कि संदिग्ध ने पुलिस पर गोलीबारी की थी। उन्होंने कहा कि धर्मस्थल पर आगजनी हमले के कथित अपराधी को हिरासत में ले लिया गया है।

तीन इस्राइली सैनिकों की मौत

हमास और इस्राइल बीते 10 महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। वहीं, इस्राइल के तीन रिजर्व सैनिक गाजा पट्टी में चल रही लड़ाई में मारे गए। इसकी जानकारी इस्राइली सेना ने शनिवार को दी।

सेना ने बताया कि मध्य गाजा में दो सार्जेंट प्रथम श्रेणी और एक सार्जेंट मेजर मारे गए। सेना के प्रवक्ता डेनियल हागरी ने बताया कि दो लोग बम विस्फोट में मारे गए जबकि तीसरा सैनिक उस समय मारा गया जब आतंकवादियों ने सैनिकों के एक समूह पर गोलीबारी की।

पाकिस्तान में बम विस्फोट में तीन बच्चों की मौत, 16 घायल

दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में शनिवार को एक बम विस्फोट में दो बच्चों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तानी पुलिस अधिकारियों के

मुताबिक, बम विस्फोट पिशिन में पुलिस मुख्यालय के पास हुआ। यहां एक रिमोट कंट्रोल बम को मोटरसाइकिल में रखा गया था, जिसमें विस्फोट होने से घायल हुए लोगों में सात पुलिस कर्मी भी शामिल हैं।

हिंदू-मुस्लिमों ने की ढाकेश्वरी शक्तिपीठ की रक्षा

पिछले दिनों बांग्लादेश में भारी राजनीतिक उथल-पुथल हुई और देशभर में छात्र आंदोलन तथा पूर्व पीएम शेख हसीना के भारत भाग जाने के बाद हिंदू-मुस्लिम दंगे भी हुए, लेकिन श्री ढाकेश्वरी शक्तिपीठ सर्वधर्म समभाव का प्रतीक बनी रही।

यहां हसीना सरकार के पतन के बाद से कई हिंदू, मुस्लिम और स्थानीय समुदाय के लोगों ने मंदिर की रक्षा की। यह बात मंदिर के मुख्य पुजारियों में एक आशिम मैत्रो ने कही। मैत्रो ने बताया कि हसीना सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद जब वह मंदिर परिसर में थे तब डर रहे थे और पुराने मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। हमने दरवाजे व मुख्य द्वार बंद कर दिए। उस वक्त सभी जगह अराजकता थी और पुलिस भी नदारद थी। लेकिन उस वक्त से अब तक स्थानीय मुस्लिमों ने मंदिर के बाहर पहरा दिया ताकि मंदिर को कोई नुकसान न पहुंचे और तब से आज तक मंदिर में कुछ भी अप्रिय नहीं हुआ। मां ढाकेश्वरी के मंदिर को लोग धार्मिक और सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक रूप में देखते हैं।

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर विदेश मंत्री ने दी बधाई... यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बधाई दी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और प्रोत्साहित करने की इच्छा व्यक्त की। इस मौके पर यूक्रेनी समकक्ष दिमित्रो कुलेबा को बधाई देते हुए जयशंकर ने कहा, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलेबा, यूक्रेन सरकार और लोगों को बधाई। हम द्विपक्षीय संबंधों के और विकास के लिए तत्पर हैं। जयशंकर ने भारत और यूक्रेन के बीच मजबूत होते संबंधों को रेखांकित किया और गत वर्ष हासिल द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख मील के पत्थर साझा किए।

संक्षिप्त खबरें

रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं ने हिंदुजा के ऋण प्रस्ताव को खारिज

नई दिल्ली। रिलायंस कैपिटल के लेनदारों की समिति (सीओसी) ने हिंदुजा समूह की इकाई इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) द्वारा ?7,300 करोड़ के प्रस्तावित ऋण जुटाने के लिए प्रस्तुत टर्म शीट पर चिंता जताई है। इस महीने की शुरूआत में, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने आईआईएचएल को निर्देश दिया था कि वह रिलायंस कैपिटल के लिए समाधान योजना के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में ऋणदाताओं को अनुरोधित टर्म शीट प्रदान करे। आईआईएचएल ने निगरानी समिति की बैठक के दौरान इन दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर सहमति व्यक्त की, जो कि हितधारकों की गोपनीयता बनाए रखने पर निर्भर है। हालांकि, समाधान योजना को क्रियान्वित करने में देरी के कारण सीओसी और आईआईएचएल के बीच तनाव पैदा हो गया है, जिसे फरवरी में एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित किया गया था।लेनदारों की चिंता 7,300 करोड़ के ऋण प्रस्ताव से जुड़ी कठोर शर्तों पर केंद्रित है। इनमें से कुछ शर्तें समाधान योजना के निष्पादन के बाद ही पूरी की जा सकती हैं, जिससे रिलायंस कैपिटल के ऋणदाताओं को भुगतान निपटाने के लिए आवश्यक धन की निकासी जटिल हो जाती है। "आईआईएचएल ने कई शर्तों के आधार पर फंडिंग हासिल की है जो समाधान योजना से कहीं आगे तक जाती हैं। इन शर्तों में बीमा कंपनियों में 26% शेयरहोल्डिंग का हिंदुजा समूह की कंपनी एशिया को हस्तांतरण, आरसीएपी के शेयरों और डिबेंचर की डीलिस्टिंग, आईआईएचएल के ऋणदाताओं के पक्ष में सुरक्षा का निर्माण और पूर्णता, और नए गैर-सूचीबद्ध आरसीएपी एनसीडी जारी करना आदि शामिल हैं," नाम न बताने की शर्त पर एक ऋणदाता ने कहा।

भारत, वर GDP डेटा, राजकोषीय घाटा, एफआईआई निवेश रुझान

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने करीब एक फीसदी की बढ़त के साथ सकारात्मक ढङ्ग२३५ी रुख दिखाया और वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच अपनी रिकवरी रैली जारी रखी। आने वाला सप्ताह स्थानीय इक्विटी बाजारों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने की उम्मीद है, क्योंकि वायदा और विकल्प (एफएंडओ) की समाप्ति 29 अगस्त, 2024 को होने वाली है। मैक्रो मोर्चे पर, निवेशकों की निगाह 30 अगस्त को सरकारी बजट मूल्य, विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़ों पर रहेगी। सरकार ने 2025 वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1.38 लाख करोड़ रुपये का बजट घाटा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 4.51 लाख करोड़ रुपये से काफी कम है। उसी दिन, व्यापारियों की नजर इंफ्रास्ट्रक्चर आउटपुट और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों पर होगी। अमेरिकी बाजार के आंकड़ेः वैश्विक मोर्चे पर, निवेशक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका के कुछ आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखेंगे, जिसकी शुरूआत 26 अगस्त को डलास फेड मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स से होगी, उसके बाद 27 अगस्त को रेडबुक, सीबी कंज्यूमर कॉन्फिडेंस, 29 अगस्त को जीडीपी ग्रोथ रेट, शुरूआती बेरोजगारी दावे, लंबित गृह बिक्री, व्यक्तिगत आय, व्यक्तिगत खर्च, 30 अगस्त को बेकर ह्यूजेस ऑयल रिग काउंट।एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक डे ने कहा, निफ्टी ने एक और दिन सुस्त चाल का अनुभव किया। आरएसआई एक बुलिश क्रॉसओवर दिखा रहा है, और रुझान सकारात्मक बना हुआ है क्योंकि यह 21 ईएमए से ऊपर बंद हुआ। ह्लबाजार 24,650 से ऊपर रहने के दौरान ह्यखरीद-ऑन-डिप्सह्न रणनीति का पक्षधर लगता है। ऊपर की तरफ, निफ्टी को 24,850-24,900/25,000 पर प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। नीचे की ओर, यदि सूचकांक 24,650 से नीचे गिरता है, तो इसमें महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिल सकता है" डे ने कहा।कोटक सिक्योरिटीज के वीपी-टेक्निकल रिसर्च, अमोल अठावले ने टिप्पणी की, बैंक निफ्टी के लिए 20-दिवसीय एसएमए या 50,700 बुल्स के लिए तत्काल संदर्भ बिंदु होगा। "जब तक यह उसी से ऊपर कारोबार कर रहा है, तब तक बुलिश सेंटीमेंट जारी रहने की संभावना है। उच्च स्तर पर, यह 50-दिवसीय एसएमए या 51,500 तक बढ़ सकता है। आगे भी तेजी जारी रह सकती है, जो सूचकांक को 51,800 तक ले जा सकती है। दूसरी ओर, 50,700 से नीचे यह 50,250-50,000 के स्तर का पुनः परीक्षण कर सकता है।

Economy में मूल्य को मापने के लिए संपूर्ण उपभोग बास्केट में फोकस

नई दिल्ली। केंद्रीय बैंक के दर पैनल के बाहरी सदस्यों ने रॉयटर्स को बताया कि हेडलाइन मुद्रास्फीति-ल्ला'३ङ्कल्ल भारतीयों को सीधे प्रभावित करती है और इसे मौद्रिक नीति के लक्ष्य के रूप में बनाए रखा जाना चाहिए, बजाय इसके कि कोर मुद्रास्फीति पर स्विच किया जाए। भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी के बाहरी सदस्य शशांक भिड़े ने कहा कि अर्थव्यवस्था में वास्तविक मूल्य दबावों को मापने के लिए संपूर्ण उपभोग बास्केट को देखना आवश्यक है। भिड़े ने रॉयटर्स के साथ एक साक्षात्कार में कहा, "यदि हम लक्ष्य के लिए आंशिक बास्केट का उपयोग करते हैं तो यह समग्र मूल्य दबावों को प्रतिबिंबित नहीं करेगा और यदि लक्ष्य केवल कोर है, तो इसे किसी तरह से खाद्य मुद्रास्फीति या ईंधन मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को पकड़ना चाहिए, यदि अस्थिरता नहीं है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई ने देखा कि मुद्रास्फीति को उसके लक्ष्य स्तर पर स्थिर रखने के लिए नीति को सक्रिय रूप से अवस्फीतिकारी होना जारी रखना चाहिए। 22 अगस्त को जारी एमपीसी मिनट्स में, केंद्रीय बैंक ने उल्लेख किया कि जून में हेडलाइन मुद्रास्फीति में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, क्योंकि खाद्य मुद्रास्फीति दबाव में वृद्धि हुई है और ईंधन समूह में कम कोर (खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई) मुद्रास्फीति और अपस्फीति के प्रभाव को संतुलित किया है। एमपीसी के दूसरे बाहरी सदस्य जयंत वर्मा, जिन्होंने लगातार चार बैठकों में 25 आधार अंकों की दर कटौती के लिए मतदान किया, ने रॉयटर्स को बताया कि एमपीसी के लिए प्रमुख प्रश्नों में से एक यह है कि क्या उच्च खाद्य मुद्रास्फीति कोर मुद्रास्फीति में फैल जाएगी। रॉयटर्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि तीसरी बाहरी सदस्य आशिमा गोयल, जिन्होंने दो बैठकों में भी कटौती के लिए मतदान किया है, ने कहा कि शोध से पता चला है कि हेडलाइन मुद्रास्फीति दर लंबी अवधि में भारत में कोर मुद्रास्फीति की ओर बढ़ती है। हेडलाइन मुद्रास्फीति वह है जो जनता को अधिक प्रभावित करती है। लेकिन मुझे लगता है कि एमपीसी को कोर मुद्रास्फीति पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

TMC ने वित्त मंत्री को चिट्ठी लिखी, स्वास्थ्य-जीवन बीमा प्रीमियम पर 18% जीएसटी दर को निरस्त करने की मांग

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी नेता) डेरेक ओब्रायन ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी की तत्काल समीक्षा करने की अपील की। उन्होंने इसे वापस लेने का भी आग्रह किया। टीएमसी नेता ने सीतारमण को एक चिट्ठी लिखी, जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को वापस लेने की मांग की।

डेरेक ओब्रायन ने कहा, "स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी मध्यम वर्ग के 45 करोड़ भारतीयों पर बोझ है। ये बीमा योजनाएं संकट के समय वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है।" उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर उच्च जीएसटी दर लगाने से कई लोग बीमा योजनाओं का विकल्प नहीं चुन पाएंगे। साथ ही कई लोग अपनी नीति को नवीनीकृत भी नहीं कर सकेंगे। बड़ी संख्या में मध्यम वर्ग इससे प्रभावित हो रहे हैं।

डेरेक ओब्रायन ने बताया कि टीएमसी समेत विपक्षी पार्टियों ने इस मुद्दे को संसद में उठाया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वित्त मंत्री को चिट्ठी लिखकर बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को वापस लेने का अनुरोध किया। ओब्रायन ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के उस पत्र का भी हवाला दिया, जिसमें नागपुर डिवीजन लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन कर्मचारी संघ की चिंताओं को उठाया गया था।

टीएमसी नेता ने कहा, "छह अगस्त को 20 राजनीतिक दलों के 350 सांसदों ने संसद में इसका विरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने इस मामले में आपको चिट्ठी लिखी। टीएमसी नेता ने कहा, "केंद्र सरकार को इसका संज्ञान लेना चाहिए।" भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' (इंस्योरेंस फॉर ऑल) का लक्ष्य रखा है। इसे हासिल करने का एकमात्र तरीका स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी दर को निरस्त करना है। उन्होंने आगे कहा, "मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि नौ सितंबर, 2024 को जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में इस मामले की तत्काल समीक्षा करें और स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी दर को निरस्त करें। कई विपक्षी पार्टियों ने भी इसे निरस्त करने की मांग की। वित्तीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी में किसी भी संशोधन को जीएसटी परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।

स्टॉक एक्सचेंजों ने Q5 में इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम पर जुमार्ना?

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (क्ळडउ) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (इढउछ) पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ठरए) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (इरए) ने लगातार पांचवीं तिमाही में घरेलू तेल कंपनियों के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या का अनुपालन न करने पर जुमार्ना लगाया है, रविवार, 25 अगस्त को टाइम्स ऑफ इंडिया ने रिपोर्ट की। ये दोनों तेल कंपनियाँ भारत की सबसे बड़ी तेल रिफाइनर और ईंधन विपणक कंपनियों में से हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, ऑयल इंडिया, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स जैसी कंपनियाँ वे थीं जिन पर स्टॉक एक्सचेंजों ने जून 2024 को समाप्त तिमाही में लिस्टिंग आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहने के लिए जुमार्ना लगाया था। लिस्टिंग नियमों के अनुसार कंपनियों में स्वतंत्र निदेशकों का अनुपात कार्यकारी या कार्यात्मक निदेशकों के समान होना चाहिए और बोर्ड में कम से कम एक महिला निदेशक होनी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियों ने जवाब दिया कि स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति सरकार की जिम्मेदारी है और निगम का इस पर कोई नियंत्रण नहीं है। इंडियन ऑयल पर सेबी (एलओडीआर) के विनियमन 17(1) का अनुपालन न करने के लिए एनएसई और बीएसई से 5,36,900 का जुमार्ना लगाया गया है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मर्सिडीज-बेंज इंडिया पर पर्यावरण उल्लंघन का आरोप लगाया

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) ने शनिवार को लक्जरी कार निमार्ता मर्सिडीज-बेंज इंडिया द्वारा पुणे में अपने विनिर्माण संयंत्र में पर्यावरण मानकों का पालन न करने का आरोप लगाया और संयंत्र के संचालन की व्यापक समीक्षा की मांग की।मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने एक बयान में कहा कि उसे एमपीसीबी से कथित उल्लंघनों का वर्णन करने वाला कोई "लिखित नोटिस" या औपचारिक अनुरोध नहीं मिला है और यदि आवश्यक हो तो वह कोई भी "सुधारात्मक कार्रवाई" करने के लिए तैयार है।एमपीसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि शुक्रवार को संयंत्र के निरीक्षण के दौरान उसे दिशा-निर्देशों के कथित उल्लंघन का पता चला। बोर्ड ने विज्ञप्ति में कहा, "23 अगस्त, 2024 को किए गए नियमित निरीक्षण के दौरान, यह पाया गया कि पुणे के चाकन में मर्सिडीज बेंज असेंबली प्लांट महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) द्वारा निर्धारित प्रदूषण नियंत्रण दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रहा है। बोर्ड ने अपने क्षेत्रीय अधिकारी को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करें कि मर्सिडीज बेंज असेंबली प्लांट एमपीसीबी के सभी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करता है, एमपीसीबी ने कहा, "इसमें प्लांट के संचालन की व्यापक समीक्षा और आवश्यक सुधारात्मक उपायों के कार्यान्वयन शामिल होंगे। तत्काल कार्रवाई के उपाय के रूप में, एमपीसीबी ने मर्सिडीज बेंज की 25 लाख रुपये की बैंक गारंटी जब्त कर ली है, यह बात कहीमर्सिडीज बेंज इंडिया ने कहा, "कंपनी उच्च पर्यावरण और स्थिरता प्रथाओं को बनाए रखने और अनिवार्य नियमों और आवश्यकताओं का पालन करने के लिए उत्पादन गुणवत्ता में सबसे कड़े वैश्विक मानकों का पालन करने को उच्च प्राथमिकता देती है।

बोर्ड ने यह भी कहा कि ऑटोमोटिव नवाचार में अग्रणी के रूप में, मर्सिडीज बेंज से टिकाऊ उत्पादन प्रथाओं में एक उदाहरण स्थापित करने की उम्मीद है और कहा कि हम उच्च पर्यावरण मानकों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे अधिकार क्षेत्र में सभी औद्योगिक गतिविधियाँ प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन करें।" कदम ने कहा कि बोर्ड को इन मुद्दों को तुरंत हल करने में मर्सिडीज बेंज (इंडिया) से पूर्ण सहयोग की उम्मीद है।

सस्ता होने के बाद भी सोने ने दिया सेंसेक्स-निफ्टी से ज्यादा फायदा, चांदी ने कितने फीसदी दिया रिटर्न?

नई दिल्ली। इस बार के बजट में आयात शुल्क घटने से सोना हाल के दिनों में अच्छा खासा सस्ता हुआ है। बावजूद इसके जनवरी से लेकर अब तक इस बहुमूल्य मेटल ने सेंसेक्स और निफ्टी से ज्यादा फायदा दिया है। इस दौरान सेंसेक्स ने जहां 12.5 प्रतिशत मुनाफा दिया, वहीं निफ्टी ने 14 प्रतिशत लाभ पहुंचाया। सोने ने 15 और चांदी ने 11 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, 29 दिसंबर, 2023 को सोने की कीमत दिल्ली सराफा बाजार में 63,950 रुपये प्रति दस ग्राम पर थी। 23 अगस्त को यह 73,800 रुपये पर पहुंच गई। यानी 15 प्रतिशत की बढ़त। हालांकि, 20 अगस्त को कीमतें 74,000 के पार थीं, लेकिन हालिया आयात शुल्क घटने से कीमतों में गिरावट आई है। चांदी 78,500 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 87,000 रुपये किलो हो गई। यानी 11 प्रतिशत की तेजी।

चांदी इस साल में 96,000 रुपये तक पहुंची है। इस स्तर से इसकी कीमतें करीब 9,000 रुपये घट गई हैं। उधर, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स 29 दिसंबर को 72,240 पर बंद हुआ था। अब यह 81,086 पर पहुंच गया है। यानी 12.5 फीसदी का फायदा। इसी दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 21,731 सेबढ़कर 24,823 पर पहुंच गया। इसमें 14 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। विश्लेषकों का मानना है कि इस पूरे साल में शेयर बाजार के साथ सोने-चांदी में भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है। वैश्विक स्तर पर महंगाई के साथ ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद भी है। ऐसे में सोना जहां संकट के समय सुरक्षा का भरोसा देता है, वहीं आर्थिक गतिविधियों में तेजी से शेयर बाजार अच्छा रिटर्न देता है।

शुल्क घटने से बढ़ गई मांग... वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, आयात शुल्क में कटौती से देश में सोने की मांग में फिर से उछाल आया है। हाल में समाप्त हुए इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो की रिपोर्ट से पता चलता है कि खुदरा विक्रेताओं की ओर से ऑर्डर बुकिंग में काफी वृद्धि हुई है, खासकर आगामी त्योहार और शादी के सीजन की तैयारी में।

छड़ व सिक्के की ज्यादा खरीद... छड़ और सिक्के की खरीद में भी तेजी बनी है। ग्राहक और जूलर्स दोनों भविष्य की जरूरतों के लिए सस्ते भाव पर सोने का भंडार जमा कर रहे हैं। चालू वर्ष की दूसरी छमाही यानी जुलाई से दिसंबर के बीच सोने की अतिरिक्त 50 टन या उससे अधिक खरीदी का अनुमान है।

सेबी के आदेश को लेकर कानूनी सलाह ले रहे अनिल अंबानी, प्रवक्ता ने कहा- जल्द उठाएंगे उचित कदम

नई दिल्ली । सेबी की ओर से शेयर बाजार के लिए पांच साल का प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उद्योगपति अनिल अंबानी कानूनी सलाह ले रहे हैं। उन्होंने सेबी के आदेश की समीक्षा शुरू कर दी है। अंबानी के प्रवक्ता ने कहा कि जल्द ही इसे लेकर उचित कदम उठाएंगे।

अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने कहा कि रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़े एक मामले में सेबी के 11 अगस्त 2022 के अंतरिम आदेश का पालन करने के लिए अंबानी ने रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस पावर लिमिटेड के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को सेबी ने उद्योगपति अनिल अंबानी, आरएचएफएल के पूर्व प्रमुख अधिकारियों सहित 24 अन्य संस्थाओं को कंपनी से धन के डायवर्जन के लिए पांच साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है और उन्हें 5 साल की अवधि के लिए प्रतिभूति बाजार से जुड़ने, किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कर्मी के रूप में, या बाजार नियामक के साथ पंजीकृत किसी भी मध्यस्थ से जुड़ने से रोक दिया है।

साथ ही, नियामक ने आरएचएफएल को छह महीने के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। आरएचएफएल मामले में अंतिम आदेश पारित करते हुए, सेबी ने बताया कि अंबानी ने आरएचएफएल के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों की मदद से, आरएचएफएल से धन निकालने के लिए एक धोखाधड़ी योजना बनाई थी। इसकी मदद से उन्होंने अपने से जुड़ी संस्थाओं को ऋण जारी किए थे। फरवरी 2022 में, बाजार नियामक सेबी ने एक अंतरिम आदेश पारित किया था और कंपनी से धन निकालने के आरोप में आरएचएफएल, अंबानी और तीन अन्य व्यक्तियों (अमित बापना, रवींद्र सुधाकर और पिंकेश आर शाह) को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। इस कार्रवाई के बाद रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) का शेयर एनएसई पर 5.12 प्रतिशत गिरकर 4.45 रुपये और बीएसई पर 4.90 प्रतिशत गिरकर 4.46 रुपये पर आ गया।

भारत, ऑस्ट्रेलिया के बीच दसवें दौर की व्यापार वार्ता संपन्न

नई दिल्ली भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने के चल रहे प्रयासों के तहत 19-22 अगस्त के दौरान सिडनी में व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (उएउअ) के लिए दसवें दौर की वार्ता की। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी बयान के अनुसार, इस वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं, डिजिटल व्यापार, सरकारी खरीद, उत्पत्ति के नियम और कृषि प्रौद्योगिकी सहित प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया। मंत्रालय ने कहा कि 11वें दौर की वार्ता नवंबर में नई दिल्ली में होने वाली है। दोनों देशों ने दिसंबर 2022 में एक अंतरिम व्यापार समझौते को लागू किया था और अब वे इसके दायरे का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मौजूदा उएउअ वार्ता में, भारत गैर-टैरिफ बाधाओं को खत्म करने पर जोर दे रहा है जो ऑस्ट्रेलिया को अंगूर जैसे कृषि उत्पादों के निर्यात में बाधा डालती हैं। कृषि व्यापार का विस्तार और गैर-टैरिफ बाधाओं को संबोधित करनादोनों पक्षों ने औपचारिक अंतर-सत्रीय बैठकें भी की हैं, जिसमें आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते के तहत सहमति के अनुसार पाँच ट्रैक पर बातचीत की गई, साथ ही सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, नवाचार, कृषि प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों सहित 14 नए क्षेत्रों पर चर्चा की गई। भारत ने पहले ही ऑस्ट्रेलियाई उत्पादों को अपनी टैरिफ लाइनों के 70% के तहत पहुँच प्रदान कर दी है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने भारत से सभी उत्पादों पर टैरिफ को समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया भारत से अतिरिक्त उत्पादों पर टैरिफ में और कटौती की मांग कर रहा है, जबकि भारत गैर-टैरिफ बाधाओं को हटाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो भिंडी, अनार और अंगूर जैसे कृषि उत्पादों के निर्यात को प्रभावित करते हैं। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (ऋळफक) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, "हालांकि ऑस्ट्रेलिया इन उत्पादों पर शून्य टैरिफ पर सहमत हो गया है, लेकिन गैर-टैरिफ बाधाएं निर्यात में बाधा डालती रहती हैं।" श्रीवास्तव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में जेनेरिक दवाओं पर फार्मास्युटिकल मूल्य नियंत्रण के बारे में चर्चा चल रही है, जो भारत के लिए एक बड़ी चिंता है।

कौन हैं टेलीग्राम मैसेजिंग एप के संस्थापक पावेल ड्यूरोव? जिन पर फ्रांस में कसा गया

पेरिस। टेलीग्राम मैसेजिंग एप के फाउंडर और सीईओ पावेल ड्यूरोव को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें शनिवार शाम पेरिस के बॉर्गेट हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक, ड्यूरोव प्राइवेट जेट से अजरबैजान से बॉर्गेट हवाई अड्डे पहुंचे थे। उनके खिलाफ फ्रांस की प्रशासन ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। आइए जानते हैं कौन हैं पावेल ड्यूरोव और क्यों फ्रांस में मुश्किलों में घिर गए।

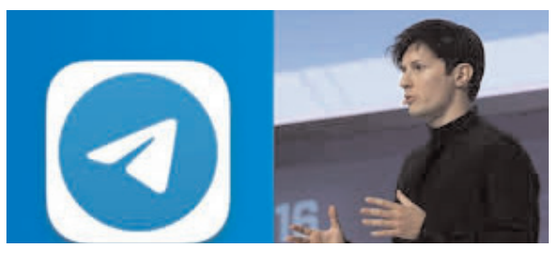

यह है आरोप... मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांसीसी सीमा शुल्क से जुड़े फ्रांस के धोखाधड़ी विरोधी कार्यालय के अधिकारियों ने शनिवार शाम को फ्रांसीसी-रूसी अरबपति को हिरासत में लिया। 39 वर्षीय ड्यूरोव के खिलाफ टेलीग्राम पर मॉडरेशन की कमी के कारण फ्रांसीसी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। आरोप है कि प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कथित तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग तस्करी और पीडोफाइल सामग्री साझा करने के लिए किया गया।

गिरफ्तारी पर नहीं बोल रहा कोई... टेलीग्राम ने फिलहाल इस संबंध में कुछ नहीं कहा है। फ्रांस के गृह मंत्रालय और पुलिस ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रूस के विदेश मंत्रालय का कहना है कि वह स्थिति को स्पष्ट करने के लिए कदम उठा रहा है। हालांकि, साथ ही यह सवाल भी किया कि क्या पश्चिमी गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ड्यूरोव की रिहाई की मांग करेंगे।

भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए KG-D5 ब्लॉक में नया कुआं खोला

नई दिल्ली । सरकारी स्वामित्व वाली तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने रविवार को कहा कि उसने बंगाल की खाड़ी में कृष्णा गोदावरी बेसिन में अपनी प्रमुख गहरे समुद्र परियोजना पर एक और कुआं खोला है, जिससे कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन को बढ़ाने में मदद मिलेगी। जनवरी में, ओएनजीसी ने केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 या केजी-डी5 ब्लॉक से तेल का उत्पादन शुरू किया था, जिसे रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित ङ्कल्ल५ी१३ी किया जाता है। फर्म ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, "24 अगस्त, 2024 को, ओएनजीसी ने ब्लॉक केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 क्लस्टर-2 परिसंपत्ति में अपने पांचवें तेल कुएं से उत्पादन शुरू करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित किया।

हालांकि, इसने यह नहीं बताया कि नया कुआं कितना उत्पादन कर रहा था। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस उपलब्धि को 'एक प्रमुख मील का पत्थर' बताया। "ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षी यात्रा में ओएनजीसी द्वारा तेल और गैस उत्पादन में हासिल की गई एक प्रमुख मील का पत्थर। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, "कृष्णा गोदावरी गहरे पानी के ब्लॉक में अपतटीय कुओं/फ्लोटिंग उत्पादन, भंडारण और ऑफलोडिंग पोत (एफपीएसओ) से तटवर्ती टर्मिनल तक नई बिछाई गई 20 इंच की उप-समुद्री पाइपलाइन के माध्यम से गैस का प्रवाह शुरू हो गया है।"सरकारी तेल और गैस खोजकर्ता ने अपतटीय से तटवर्ती टर्मिनल तक अपनी गैस निर्यात लाइन को भी सफलतापूर्वक चालू कर दिया है।

उत्पादन लक्ष्य... यह ब्लॉक, जो केजी बेसिन में रिलायंस इंडस्ट्रीज के केजी-डी6 ब्लॉक के बगल में स्थित है, में कई खोजें हैं जिन्हें क्लस्टर में शामिल किया गया है। आंध्र प्रदेश के तट से 35 किलोमीटर दूर 300-3,200 मीटर की गहराई में स्थित, ब्लॉक में खोजों को क्लस्टर-1, 2 और 3 में विभाजित किया गया है। क्लस्टर 2 को पहले उत्पादन में लगाया जा रहा है। मूल योजनाओं के अनुसार, क्लस्टर-2 से तेल उत्पादन नवंबर 2021 तक शुरू हो जाना चाहिए था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसमें देरी हुई।

उसके बाद, ONGC ने मई 2023 को क्लस्टर-2 तेल उत्पादन की पहली समयसीमा तय की, लेकिन इसे कई बार बढ़ाया और अंतिम समयसीमा दिसंबर 2023 घोषित की। 7 जनवरी, 2024 से तेल का प्रवाह शुरू हुआ।

जनवरी में उत्पादन शुरू होने के समय, ONGC ने कहा था कि क्षेत्र से अधिकतम उत्पादन 45,000 बैरल तेल प्रति दिन और 10 मिलियन मानक क्यूबिक मीटर प्रति दिन से अधिक गैस होने की उम्मीद है, जिसका उपयोग उर्वरक बनाने, बिजली पैदा करने और ईंधन के रूप में उपयोग के लिए उठऋ में बदलने के लिए किया जाता है।

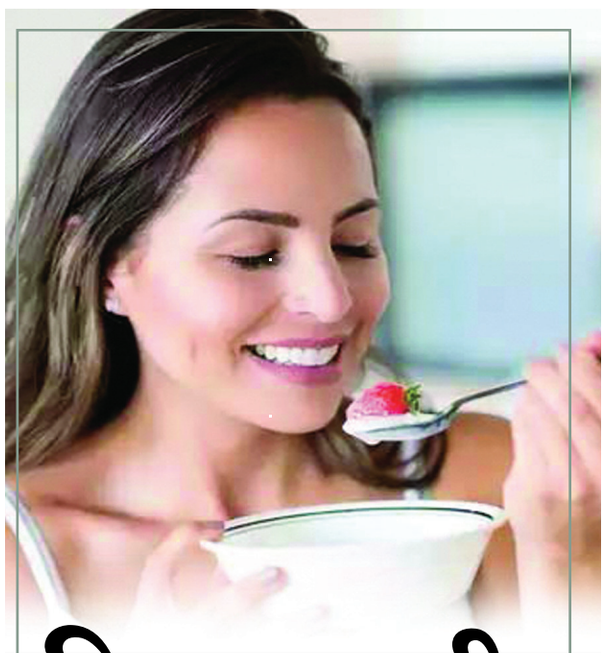

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फरस्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।

लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।

दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

जल्दी थकने की वजह

आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.

पानी की कमी
खून की कमी
विटमिन-बी12 की कमी
फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी
देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से

बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।

क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना। जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।

ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।

जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।

साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

बंगलादेश ने टेस्ट में पाकिस्तान को 10 विकेट से हराया

रावलपिंडी, एजेंसी। मेंहदी हसन सिराज (चार विकेट), शाकीब अल हसन (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने रविवार को पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 10 विकेट से करारी शिकस्त देते हुए एतिहासिक जीत दर्ज की।

बंगलादेश की टीम ने आज यहां पाकिस्तान पर एतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। बंगलादेश के गेंदबाजों के आगे पाकिस्तान की टीम ने दूसरी पारी में घुटने टेक दिये। मोहम्मद रिजवान (51) के अलावा उसका कोई भी बल्लेबाज पिच अधिक देर तक नहीं टिक सका। पाकिस्तान की पूरी टीम दूसरी पारी में 146 रनों के स्कोर पर ढेर हो गई। सईम अयूब एक रन ,बाबर आजम (22) और सऊद शकील शून्य पर आउट हुए। बंगलादेश को पहली पारी के आधार पर 117 रनों की बढ़त मिली थी। पाकिस्तान के दूसरी पारी में 146 रन पर सिमटने के बाद बंगलादेश को 29 रनों का लक्ष्य मिला था। मेंहदी हसन सिराज ने 21 रन देकर (चार विकेट), शाकीब अल हसन 44 रन देकर (तीन विकेट) लिये। शोरिफुल इस्लाम, हसन महमूद और नाहिद राणा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बंगलादेश ने अपनी दूसरी पारी में 6.3 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 30 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जाकिर हसन (15) ओर शादमन इस्लाम (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले पाकिस्तान ने छह विकेट पर 448 रन बनाकर पहली पारी घोषित कर दी थी।पाकिस्तान के लिए मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील ने शतकीय पारी खेली। रिजवान ने 239 गेंदों में नाबाद 171 रन बनाए। शकील ने 141 रनों की पारी खेली। सईम अयूब ने 56 रनों का योगदान दिया। बंगलादेश की ओर से शोरिफुल इस्लाम और हसन महमूद ने दो-दो विकेट लिये। मेहदी हसन मिराज और शाकिब अल हसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। लेकिन दो विकेट गिरने के बाद बंगलादेश के बल्लेबाजों ने न केवल पारी को संभाला टीम को एक बड़ा स्कोर खड़ा करने में भी मदद की। मुशफिकुर रहीम ने (191) सदमन इस्लाम ने (93), लिटन दास ने (56), मेहदी हसन मिराज ने (77) रनों की पारी खेली और मोमिनुल हक ने 50 रनों के योगदान से बंगलादेश ने 565 का स्कोर खड़ा 117 रनों बढ़त बना ली थी। पाकिस्तान की ओर से नसीम शाह ने तीन विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी, खुर्रम शहजाद और मोहम्मद अली को दो-दो विकेट मिले। सईम अयूब ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

अगर रिकोर्ड को देखा जाए तो पाकिस्तान को अब तक पहली पारी में 448 से अधिक रन बनाने पर पांच बार टेस्ट मैच हार का सामना करना पड़ा है। हारे हुए मैच में पहली पारी में उनका सर्वोच्च स्कोर भी इसी मैदान पर 579 इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। हालांकि इन पांचों में से चार में उन्हें हार बाद में बल्लेबाजी करते हुए मिली थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए उन्हें केवल एक बार 448 से अधिक रन बनाने पर हार का सामना करना पड़ा है। वर्ष 2014 में गॉल में श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान ने 451 रन बनाए थे और श्रीलंका ने वह मैच सात विकेट से जीत लिया था।

एक नजर

ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को 45 रन से हराया

गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी। टेस फ्लिंटॉफ (39 रन देकर तीन विकेट) और चार्ली नॉट (34 रन देकर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ए ने रविवार को यहां अनधिकृत महिला टेस्ट क्रिकेट मैच में भारत ए को 45 रन से हरा दिया। भारतीय टीम 289 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 243 रन पर आउट हो गई। भारतीय टीम ने सुबह छह विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसके बाकी बचे बल्लेबाज खेल के चौथे दिन 94 रन ही जोड़ पाए। राघवी बिष्ट (26) और उमा छेत्री (47) ने सावधानी से बल्लेबाजी की और 61 रन की साझेदारी निभाई। फ्लिंटॉफ ने इन दोनों खिलाड़ियों को चार गेंद के अंदर आउट करके भारत का स्कोर आठ विकेट पर 212 रन कर दिया। हरफनमौला सयाली सतघरे ने 36 गेंदों में 21 रन बनाए लेकिन यह जीत के लिए पर्याप्त नहीं था। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहली पारी में 212 और दूसरी पारी में 260 रन बनाए। भारतीय टीम ने अपनी पहली 184 रन बनाए थे।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली लायंस को 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। गेंदबाजों के अनुशासित प्रयास के बाद ध्रुव कौशिक के नाबाद अर्धशतक की मदद से सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने यहां दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल)) में वेस्ट दिल्ली लायंस को 10 विकेट से हरा दिया। सेंट्रल दिल्ली किंग्स के सामने 124 रन का मामूली लक्ष्य था जो उसने सलामी बल्लेबाज ध्रुव (52 गेंदों में नाबाद 68 रन) और लक्ष्य थरेजा (37 गेंदों में नाबाद 46 रन) के शानदार प्रदर्शन से 14.5 ओवर में हासिल कर दिया। इससे पहले वेस्ट दिल्ली लायंस ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 123 रन बनाए। सेंट्रल दिल्ली किंग्स के लिए प्रिंस चौधरी, सुमित कुमार और योगेश शर्मा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि मनी ग्रेवाल को एक विकेट मिला।

शुभंकर शर्मा डच गोल्फ में संयुक्त 11वें स्थान पर

आरहस (डेनमार्क), एजेंसी। भारत के शुभंकर शर्मा ने अपने तीसरे राउंड में दो ईगल लगाए, लेकिन इसके साथ ही एक डबल बोगी भी की, जिससे वह डेनिश गोल्फ चैंपियनशिप में तीसरे दिन दो अंडर 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। शुभंकर ने पहले दो राउंड में भी 69 का स्कोर किया था और तीसरे दौर के बाद उनका कुल स्कोर छह अंडर है। वह शीर्ष पर चल रहे लुकास बेजरेगार्ड से छह स्ट्रोक पीछे हैं। भारतीय स्टार ने ईगल के साथ शुरूआत की और उसके बाद बर्डी लगाई। उन्होंने 10वें होल में एक और ईगल बनाया जिससे एक समय उनका स्कोर पांच अंडर था। इसके बाद शुभंकर की लय गड़बड़ा गई और वह एक डबल बोगी और दो बोगी कर बैठे। इस बीच उन्होंने केवल 17वें होल में बर्डी बनाई।

कोहली ने धवन से कहा, आपकी खेल भावना और विशिष्ट मुस्कान की कमी खलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने लंबे समय तक अपने साथी रहे शिखर धवन को भारत के सबसे भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक करार दिया और कहा कि उनके उत्साह, खेल भावना और विशिष्ट मुस्कान की कमी खलेगी लेकिन उनकी विरासत हमेशा बनी रहेगी। शीर्ष क्रम के प्रमुख बल्लेबाज धवन ने शनिवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। कोहली ने एक्स पर लिखा,शिखर, आपके पदार्पण पर साहसिक प्रदर्शन से लेकर भारत के सबसे भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक बनने तक, आपने हमें अनगिनत यादें दी हैं। खेल के प्रति आपके जुनून, आपकी खेल भावना और आपकी ट्रेडमार्क मुस्कान की कमी खलेगी लेकिन आपकी विरासत हमेशा बनी रहेगी। पूर्व भारतीय कप्तान ने कई यादें देने के लिए 'गब्बर' के नाम से मशहूर धवन का आभार व्यक्त किया और इस 38 वर्षीय खिलाड़ी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ढेर सारी यादें देने, अविस्मरणीय प्रदर्शन करने और हमेशा जीजान से खेलने के लिए आपका आभार। गब्बर आपको मैदान के बाहर की अगली पारी के लिए शुभकामनाएं। धवन ने कोहली और रोहित शर्मा के साथ मिलकर सीमित ओवरों की क्रिकेट में लंबे समय तक भारतीय शीर्ष क्रम को मजबूती दी थी। कोहली और धवन दोनों पश्चिम दिल्ली के रहने वाले हैं और उन्होंने लगभग एक साथ अपने क्रिकेट करियर की शुरूआत की। कोहली और धवन लगभग एक दशक तक भारतीय टीम में साथी खिलाड़ी रहे।

ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद जोकोविच की निगाह रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब पर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उत्साह से भरे नोवाक जोकोविच सोमवार से यहां शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए कोर्ट पर उतरेंगे। जोकोविच ने पेरिस में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता। उनके नाम पर 24 ग्रैंड स्लैम सहित कुल 99 खिताब दर्ज हैं और वह यहां अपने खिताबों का शतक पूरा करने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा सबसे अधिक सप्ताह तक विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बने रहने का रिकॉर्ड भी जोकोविच के नाम पर है। जोकोविच ने कहा,लोग मुझसे पूछते हैं कि अब तो आपने स्वर्ण पदक भी जीत लिया है तो फिर अब हासिल करने के लिए क्या बचा है लेकिन मेरे अंदर अब भी प्रतिस्पर्धा करने की भावना है। मैं आगे भी इतिहास बनाना चाहता हूं और अपने करियर के इस दौर का पूरा आनंद लेना चाहता हूं। सर्बिया के इस 37 वर्षीय खिलाड़ी का अमेरिकी ओपन के पहले दौर में सामना मोल्दोवा के 138वीं रैंकिंग वाले राडू अल्बोट से होगा। अमेरिकी ओपन में रोजर फेडरर के बाद कोई भी खिलाड़ी लगातार टूर्नामेंट नहीं जीत पाया है और अब जोकोविच के पास यह मौका है। फेडरर ने 2004 से लेकर 2008 तक लगातार पांच खिताब जीते थे। जोकोविच को इस बार दूसरी वरीयता दी गई है। जोकोविच को स्पेन के 21 वर्षीय कार्लोस अल्करास से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है, लेकिन वह अमेरिकी ओपन में अपना पांचवा खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टी-20 विश्वकप में फातिमा सना होगी पाकिस्तान टीम की कप्तान

गस्त, एजेंसी। यूएई में अक्टूबर महीने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 खेला जाएगा। टूनार्मेंट का पहला मैच 3 अक्टूबर इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम अपन अभियान की शुरूआत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने विश्व कप के लिए 15 सदस्यों स्क्वॉड का एलान कर दिया है। पीसीबी ने 22 साल की तेज गेंदबाज फातिमा सना को कप्तान नियुक्त किया है, जो निदा डार की जगह लेंगी। श्रीलंका में आयोजित महिला एशिया कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन खराब था। इस वजह से टी20 विश्व कप से पहले कप्तानी में बदलाव देखने को मिला है।

फातिमा सना को बनाया टी20 का कप्तान

फातिमा सना पहली बार टी20

क्रिकेट में कप्तानी करती दिखाई देंगी। इससे पहले उन्होंने दो वनडे मैच में टीम की कमान संभाली है, जिसमें एक में हार और एक मुकाबले में पाकिस्तान ने सुपर ओवर में न्यूजीलैंड को हराया था। फातिमा ने पाकिस्तान के लिए 29 इंटरनेशनल टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 24 विकेट लिए हैं। वहीं, 34 वनडे मैचों में 45 विकेट चटकाएं हैं।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराया

मैनचेस्टर, एजेंसी। जो रूट की नाबाद (62) रनों की जुझारू पारी दम पर इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है।

इससे पहले शनिवार को कामिंडू मेंडिस के शानदार शतक की बदौलत श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 326 स्कोर खड़ा करते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 205 रनों का लक्ष्य दिया था। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने इंग्लैंड की टीम के खिलाफ श्रीलंकाई गेंदबाजों ने शुरूआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट झटके थे। लेकिन जो रूट नाबाद (62) ने हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ के साथ दो अहम साझेदारियां करके मैच चौथे दिन ही समाप्त कर दिया। इसी के साथ रूट ने टेस्ट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में राहुल द्रविड़ और एलेन बॉर्डर को पीछे छोड़ दिया। हैरी ब्रूक ने (32) और जेमी स्मिथ ने (39) रन बनाये।

धनंजय डी सिल्वा की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। श्रीलंका ने कप्तान धनंजय डीसिल्वा (74) और मिलन रत्नायके (72) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पहली पारी में 236 रन बनाए थे। इंग्लैंड की ओर क्रिस वोक्स और शोएब बशीर ने तीन-तीन बल्लेबाजों को आउट किया। गस ऐटकिंसन को दो विकेट मिले।

इसके जवाब में इंग्लैंड ने जेमी स्मिथ (111) की शतकीय और हैरी ब्रूक (56) की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत 358 को स्कोर बनाकर 122 रन की बढ़त हासिल की। श्रीलंका की ओर से असिता फर्नांडो ने चार विकेट लिये। प्रभात जयसूर्या को तीन विकेट मिले। विश्वा फर्नांडो ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

कामिंडू मेंडिस की शतकीय और दिनेश चांदीमल (79) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 326 स्कोर खड़ार इंग्लैंड को जीत के लिए 205 रनों का लक्ष्य दिया था। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स और मैथ्यू पॉट्स ने तीन-तीन विकेट लिये। गस ऐटकिंसन को दो विकेट मिले।

टेस्ट मैच के चौथे दिन इंग्लैंड ने 57.2 ओवर में पांच विकेट पर 205 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या और असिता फर्नांडो ने दो विकेट लिये। जेमी स्मिथ को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

शिखर धवन के संन्यास पर रोहित शर्मा ने कहा आपने हमेशा दूसरे छोर से मेरा काम आसान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज भारतीय ओपनर शिखर धवन ने इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 38 साल का खब्बू बल्लेबाज फैंस के बीच 'गब्बर' के नाम से मशहूर हैं। टीम इंडिया के वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा के साथ धवन का रिश्ता बेहद खास रहा है। दोनों ने लंबे समय तक बतौर ओपनिंग जोड़ी एक दूसरे का साथ दिया है। शिखर धवन ने 12 साल तक खेल के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ ओपनिंग साझेदारियों में से एक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई।

धवन के संन्यास की घोषणा के बाद, रोहित ने खेल और देश के प्रति उनकी सेवाओं के लिए 'द अल्टीमेट जट्ट' को धन्यवाद दिया। रोहित शर्मा ने धवन के लिए पोस्ट में लिखा, 'कमरे साझा करने से

लेकर मैदान पर जीवन भर की यादें साझा करने तक। आपने हमेशा दूसरे छोर से मेरा काम आसान किया। बेहतरीन जाट। हिटमैन और गब्बर ने 117 मौकों पर एक साथ बल्लेबाजी की और 5193 रन बनाए, जिसमें 18 शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। उनकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी 2018 एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ 210 रन की साझेदारी थी। 117 पारियों में उन्होंने 45.15 की औसत से साझेदारी बनाए रखी। रोहित और धवन के नाम भारतीय क्रिकेट के इतिहास में तीसरी सबसे सफल बल्लेबाजी साझेदारी हैं। उनसे पहले, सचिन तेंदुलकर-सौरव गांगुली और रोहित शर्मा-विराट कोहली के नाम ये रिकॉर्ड दर्ज हैं। धवन-रोहित की जोड़ी ने सबसे सफल साझेदारियों की सूची में आठवें स्थान पर भी अपनी जगह बनाई। धवन के 13 साल के लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में, जिसमें उन्होंने 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैच खेले, तीनों प्रारूपों में क्रमशः 2315, 6793 और 1579 रन बनाए।

अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के साथ-साथ, धवन ने आईपीएल में दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई और पंजाब का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने 222 मैच खेले और 6769 रन बनाए, जिसमें दो शतक और 51 अर्धशतक शामिल हैं। भारत के लिए धवन की आखिरी उपस्थिति दिसंबर 2022 में चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे मैच में थी, जबकि उनका आखिरी टी20 जुलाई 2021 में श्रीलंका में था। उन्होंने 2018 के बाद से भारत के लिए कोई टेस्ट नहीं खेला है।

लिंडा नोस्कोवा ने अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता

मॉन्टेरी (मैक्सिको), एजेंसी। छठी वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा ने लुलु सन को 7-6 (6) 6-4 से हराकर मॉन्टेरी ओपन टेनिस टूनार्मेंट के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता।

इस तरह से नोस्कोवा ने पिछले हफ्ते सिनसिनाटी ओपन के पहले दौर में सन से सीधे सेटों में मिली हार का बदला ले लिया। चेक गणराज्य की यह 19 वर्षीय खिलाड़ी जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

उन्होंने यहां खिताब जीतकर सोमवार से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन के लिए अपनी पुख्ता तैयारी का सबूत भी पेश किया। अमेरिकी ओपन में उनका पहला मुकाबला मंगलवार को 30वीं वरीयता प्राप्त यूलिया पुतिनत्सेवा से होगा।

इससे पहले चीन की हन्यू गुओ और रोमानिया की मोनिका निकुलेस्कू ने मैक्सिको की गिउलिआना ओल्मोस और रूस की एलेक्जेंड्रा पानोवा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को 3-6, 6-3, 10-4 से हराकर युगल खिताब जीता।

तन्वी पत्री ने एशियाई अंडर-15 का खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ी तन्वी पत्री ने चीन के चेंग्दू में रविवार को खेले गए फाइनल में वियतनाम की थि थू हुयेन गुयेन को सीधे गेम में हराकर बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप में अंडर-15 वर्ग में लड़कियों का एकल खिताब जीता।

शीर्ष वरीयता प्राप्त 13 वर्षीय तन्वी ने 34 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में अपनी दूसरी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी पर 22-20 21-11 से जीत हासिल की।

तन्वी इस जीत से सामिया इमाद फारूकी और तस्नीम मीर की सूची में शामिल हो गईं, जिन्होंने क्रमशः 2017 और 2019 में अंडर-15 लड़कियों का एकल खिताब जीता था।

तन्वी ने पूरे टूनार्मेंट में अपना दबदबा बनाए रखा और उन्होंने जो पांच मैच खेले उनमें एक भी गेम

नहीं हारा।

फाइनल के पहले गेम में तन्वी एक समय 11-17 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद वियतनाम की खिलाड़ी ने कई गलतियां की जिसका फायदा उठाकर भारतीय खिलाड़ी पहला गेम अपने नाम पर करने में सफल रही। तन्वी ने दूसरे गेम में अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया और मैच जीत कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

उत्तर प्रदेश के चंदन और नासिक की रवीना ने मुंबई हाफ मैराथन जीती

मुंबई, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बडोही जिले के कॉलेज छात्र चंदन यादव और महाराष्ट्र के नासिक की रहने वाली रवीना गायकवाड़ ने रविवार को यहां आठवें एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस मुंबई हाफ मैराथन 2024 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते।

इससे पहले कई बार पोडियम पर पहुंचने वाले 21 वर्ष के चंदन ने फिनिश लाइन से आधा किलोमीटर पहले अपनी गति बढ़ाई तथा एक घंटा 11.01 मिनट का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। नीतीश कुमार एक घंटा 11.54 मिनट के साथ दूसरे जबकि पीयूष मसाने एक घंटा 13.20 मिनट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

महिला वर्ग में 19 वर्षीय रवीना ने 21 किलोमीटर की दौड़ में अपने पदार्पण को यादगार बनाते

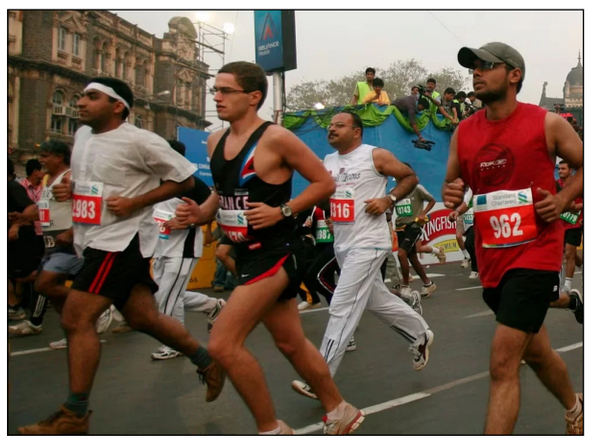

हुए एक घंटा 27.43 मिनट का समय लेकर आसानी से जीत हासिल की। वह सेनिट लेशार्ज (एक घंटा 29.41) से लगभग दो मिनट आगे रही। रुक्मणी भौरे ने एक घंटा 31.23 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता।

दिग्गज क्रिकेटर और प्रायोजक के ब्रांड एंबेसडर सचिन तेंदुलकर ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए।

पुरुषों की 10 किमी में युवराज यादव ने 31.50 मिनट में दौड़ पूरी की, जबकि मनीष कुमार नायक ने 32.14 मिनट का समय लेकर रजत और अमित माली ने 33.25 मिनट के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

महिला वर्ग में सोनाली देसाई ने 39.47 मिनट का समय लेकर लगातार दूसरे साल पहला स्थान हासिल किया। दिव्या पिंगले ने 41.50 मिनट के साथ दूसरा और रजनी त्यागी ने 43.52 मिनट का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया।

इस प्रतियोगिता में 20,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर तेंदुलकर ने कहा, भारतीय होने के नाते, हम खेल से प्यार करते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि हम अपने मानसिक और शारीरिक लाभ के लिए विभिन्न खेलों में भाग लेकर खेल को जीवन का एक तरीका बनाएं।

अरशद वारसी को नहीं पसंद आई कल्कि 2898 एडी, बोले- प्रभास तो बिल्कुल जोकर लग रहे थे

प्रभास और दीपिका पादुकोण की फिल्म कल्कि 2898एडी 27 जून को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी। कलयुग के अंत पर बनी इस फिल्म में एक्टर प्रभास जहां बाउंटी हंटर बने थो तो वहीं अमिताभ बचन अश्वत्थामा के रोल में नजर आए थे। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण ने सुमति का किरदार निभाया था, जिसके गर्भ में कलयुग के भगवान कल्कि पल रहे हैं। इस फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिला था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड स्तर पर 1100 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं अब रिलीज के कई महीनों बाद कल्कि 2898एडी में प्रभास के किरदार पर एक्टर अरशद वारसी ने रिएक्ट किया है। अरशद वारसी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान प्रभास को जोकर कहा।समधीश भाटिया को दिए एक इंटरव्यू में अरशद वारसी ने कल्कि 2898एडी का रिव्यू किया। इस दौरान अरशद ने कहा कि उन्हें यह फिल्म बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि फिल्म में उन्हें अमिताभ बचन की एक्टिंग खूब पसंद आई। अरशद वारसी ने कहा, मैंने कल्कि देखी लेकिन मुझे बिल्कुल भी अछी नहीं लगी। मुझे बहुत तकलीफ होती है जब... अमित जी फिल्म में जबरदस्त लग रहे थे। मुझे वो इंसान समझ नहीं आता। कसम खाता हूं अगर मुझे ऐसी शक्ति मिल जाए तो लाइफ बन जाए। वह फिल्म में अनरियल थे।

रिया चक्रवर्ती को मिला नया बॉयफ्रेंड

रिया चक्रवर्ती का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह कथित बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन निखिल कामत के साथ बाइक पर नजर आ रही हैं। इस वीडियो के बाद से एक बार फिर रिया चक्रवर्ती और निखिल कामत के अफेयर ने जोड़ पकड़ लिया है।

वॉर 2 में कमांडो फाइट करती दिखेंगी कियारा

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभिनेत्री के पास कतार में कई फिल्में हैं, जिनमें से एक है अयान मुखर्जी की %वॉर 2%, जिसमें वे बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन और साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी पाने के लिए प्रशंसक काफी उत्साहित रहते हैं। वहीं, अब कियारा आडवाणी के किरदार को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है, जिसने फैंस के उत्साह को और बढ़ा दिया है।रिपोर्ट्स के अनुसार, कियारा आडवाणी फिल्म में %कमांडो फाइट% सीक्वेंस में शामिल होंगी। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही %वॉर 2% का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की शूटिंग में तेजी से चल रही है। वहीं अब सोशल मीडिया पर अभिनेत्री की भूमिका को लेकर नई जानकारियां सामने आई हैं। दावा किया जा रहा है कि ऋतिक और कियारा ने हाल ही में अपने इंट्रोडक्शन सीन की शूटिंग की है। रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक जापानी दुश्मनों के साथ शाओलिन मंदिर के बैकग्राउंड में लड़ेंगे, वहीं कियारा एक लड़ाकू के रूप में शॉपिंग मॉल में उनके एंट्री सीन्स के लिए कमांडो फाइट करती नजर आएंगी। यह दृश्य मुंबई के मलाड स्थित इनफिनिटी मॉल में शूट किया गया था। शूटिंग वहां चार दिनों तक जारी रही।वॉर 2 वाईआरएफ द्वारा बनाई गई स्पाई दुनिया की छठी फिल्म होगी। इससे पहले आई फिल्मों में एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है , वॉर, पठान और टाइगर 3 शामिल हैं। यह फिल्म अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित है। फिल्म में जूनियर एनटीआर खलनायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म भारत के स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले 14 अगस्त, 2025 को बड़े पर्दे पर आने वाली है।

प्रियंका की राह चलने वाली हैं परिणीति

परिणीति चोपड़ा हिंदी सिनेमा की जान-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत ही एक बेहद सफल फिल्म %इश्कजादे% से की थी। हाल में ही वो इम्तियाज अली की फिल्म %अमर सिंह चमकीला% में नजर आईं। इस फिल्म के लिए उन्हें काफी सराहना भी मिली थी। इन दिनों अभिनेत्री यूनाइटेड किंगडम में छुट्टियां मना रही हैं। इस बीच अभिनेत्री ने एक बड़ी इच्छा भी जताई है।

परिणीति चोपड़ा को एक बहुमुखी अभिनय क्षमता वाली अभिनेत्री के रूप में देखा जाता है। हाल में ही ईस्टर्न आई के साथ एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी भारतीय सिनेमा के अलावा वेस्ट की फिल्मों में काम करने को लेकर सोचा है। इस पर उन्होंने उत्साह जताते हुए कहा कि वो वहां काम करने के लिए इच्छुक हैं और अवसर तलाश रही हैं।

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाबद देते हुए कहा, ओह, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। क्यों नहीं? दरअसल, मैं वाकई यूके में काम करना चाहती हूं और अवसरों की तलाश कर रही हूं। इसमें मेरी बहुत दिलचस्पी होगी, शायद हॉलीवुड जितना वेस्ट नहीं, लेकिन यूके में ही कुछ रचनात्मक करना चाहूंगी। गौरतलब है कि अभिनेत्री की बहन प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड में भी काम नाम कमा चुकी हैं।

अपने करियर को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि वो अब उस पड़ाव पर हैं, जहां मात्रा से ज्यादा वो गुणवत्ता को प्राथमिकता देना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा कि भले ही गुणवत्ता की वजह से उन्हें सिर्फ एक ही फिल्म करनी पड़े, लेकिन वो फिल्म उन्हें अंदर से उत्साहित करनी चाहिए, जैसे %अमर सिंह चमकीला% ने किया था। परिणीति ने आगे कहा कि उन्होंने दो साल पहले चमकीला की थी। उनकी सबसे बड़ी सीख है ऐसी भूमिकाएं करना, जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से उत्साहित करती हैं, जिनमें होमवर्क करना पड़े और जो लोगों के दिलों को छूए।

बताते चलें कि परिणीति आखिरी बार इम्तियाज अली की फिल्म %अमर सिंह चमकीला% में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ पंजाबी गायक सह अभिनेता दिलजीत दोसांझ भी नजर आए थे। इस बायोग्राफिकल ड्रामा में पंजाब के दिवंगत गायक की कहानी दिखाई गई थी।

'इमरजेंसी' की रिलीज से पहले कंगना का बॉलीवुड पर फूटा गुस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसमें एक्ट्रेस इंदिरा गांधी का रोल में बेहद ही दमदार लग रही थीं। ट्रेलर में कंगना रनौत की जबरदस्त एक्टिंग लोगों को काफी पसंद आ रही है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कंगना रनौत ने बॉलीवुड सितारों को लेकर विवादित बयान दे दिया है। दरअसल राज शमानी के पॉडकास्ट में कंगना रनौत ने फिल्मी सितारों को ना सिर्फ स्टुपिड कहा बल्कि उन्हें मंदबुद्धि और पूरी तरह से खोखला भी बता दिया।

कंगना रनौत ने फिल्मी सितारों को कहा स्टुपिड

इस पॉडकास्ट में एक्ट्रेस कंगना रनौत ने फिल्म सितारों को स्टुपिड बताते हुए कहा, मैं बॉलीवुड जैसी इंसान नहीं हूं, मैं बॉलीवुड के लोगों से दोस्ती नहीं कर सकती। बॉलीवुड के लोग बस अपने आप में ही मस्त रहते हैं। वे मूर्ख हैं और डंब हैं, प्रोटीन शेक... वे टिड्डे की तरह हैं, बिल्कुल ब्लैंक। आप ऐसे लोगों से कैसे दोस्ती कर सकते हैं? उन्हें पता ही नहीं होता कि कहां क्या हो रहा है। उनकी कोई बातचीत नहीं है। इसके अलावा कंगना रनौत ने बॉलीवुड सितारों की लाइफस्टाइल के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि अगर वह शूटिंग नहीं कर रहे हैं तो वह केवल सुबह उठते हैं फिर थोड़ी एक्सरसाइज करते हैं। फिर दोपहर में सो जाते हैं और शाम को उठकर जिम जाते हैं और रात में टीवी देखते हैं।

कृष 4 में प्रियंका चोपड़ा को रिप्लेस करेंगी श्रद्धा

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन की कृष फ्रेंचाइजी ने केवल देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में अपना नाम कमाया है। इस फिल्म को दुनियाभर में प्रशंसा मिली थी। भारत की पहली सुपरहीरो फिल्म कृष ने बॉक्स ऑफिस पर सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। कृष 3 2012 में रिलीज हुई थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर दिया था। पिछले 11 सालों से फैंस फिल्म के अगले पार्ट कृष 4 का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो ऋतिक रोशन की यह मोस्ट अवेटेड फिल्म कृष 4 साल 2025 में फ्लोर पर आ सकती है। वहीं इस फिल्म से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि कृष 4 में एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की एंट्री हुई है। बता दें कि एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा कृष फ्रेंचाइजी की तीनों फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई हैं। लेकिन अब फिल्म के चौथे पार्ट में श्रद्धा कपूर की एंट्री को देखकर कुछ लोग कयास लगा रहे हैं कि कृष में वह प्रियंका चोपड़ा को रिप्लेस कर सकती हैं। बता दें कि कृष 3 में जहां प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में थीं तो वहीं एक्ट्रेस कंगना रनौत ने नेगेटिव रोल निभाया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 400 करोड़ रुपये की धांसू कमाई की थी।